नई दिल्ली से प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

जन-जन की आवाज

द न्यूज फिफ्टीन

RNI NO.- DELHIN/2023/86360 www.thenews15.in

वर्ष :01 | अंक : 167 | नई दिल्ली, मंगलवार 13 अगस्त 2024 | मूल्य : 05 | पृष्ठ-12 |

खेती करना चाहती हैं मृणाल... पेज-12

एक नजर

पीएम मोदी ने हाथियों के संरक्षण की प्रतिबद्धता जताई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी एक्स पोस्ट में कहा है कि विश्व हाथी दिवस हाथियों की रक्षा के लिए सामुदायिक प्रयासों की विस्तृत श्रृंखला की सराहना करने का एक अवसर है। हाथियों को एक अनुकूल वातावरण प्रदान करने के लिए हर संभव प्रयास करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं, जहां वे सुरक्षित रह सकें। मोदी ने कहा कि भारत में हाथी हमारी संस्कृति एवं इतिहास से भी जुड़े रहे हैं और यह खुशी की बात है कि पिछले कुछ वर्षों से उनकी संख्या बढ़ रही है। विश्व हाथी दिवस का लक्ष्य हाथियों के संरक्षण को लेकर लोगों में जागरूकता पैदा करना और जंगली तथा पालतू हाथियों के बेहतर संरक्षण एवं प्रबंधन के लिए जानकारी और सकारात्मक समाधानों को साझा करना है। बता दें कि हर साल 12 अगस्त को मनाया जाने वाला विश्व हाथी दिवस एक अंतरराष्ट्रीय वार्षिक कार्यक्रम है, जो दुनिया भर में हाथियों की सुरक्षा और संरक्षण के लिए समर्पित है।

प्रियंका गांधी ने बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार पर जताई चिंता

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी वाड्रा ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उम्मीद जताई है कि वहां जल्द ही सामान्य स्थिति बहाल हो जाएगी। श्रीमती वाड्रा ने कहा पड़ोसी देश बंगलादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर लगातार हमलों की खबरें विचलित करने वाली हैं। किसी भी सभ्य समाज में धर्म, जाति, भाषा या पहचान के आधार पर भेदभाव, हिंसा और हमले अस्वीकार्य हैं। उन्होंने जल्द ही हालात में सुधार की उम्मीद जताई और कहा हमें उम्मीद है कि बांग्लादेश में जल्द हालात सामान्य होंगे और वहां की नवगठित सरकार हिंदू, ईसाई और बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों के लिए सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित करेगी।

बांग्लादेश में भड़की हिंसा के पीछे महाशक्ति का हाथ: शेख हसीना

नई दिल्ली। बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अपने देश में जारी हिंसा के पीछे दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति अमेरिका का हाथ होने का शक जाहिर किया है। उन्होंने अपने करीबी लोगों को भेजे एक संदेश में कहा कि इस पूरी साजिश में अमेरिकी राजनयिक की भूमिका सबसे ज्यादा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना ने अमेरिका पर सेंट मार्टिन द्वीप न सौंपने के कारण उन्हें सत्ता से बेदखल करने का आरोप लगाया है। शेख हसीना ने कहा कि सेंट मार्टिन द्वीप अमेरिका को हासिल हो जाने से उसे बंगाल की खाड़ी पर अपना असर डालने में मदद मिलेगी। उन्होंने इसके साथ ही बांग्लादेश की जनता को कट्टरपंथियों के बहकावे में न आने की चेतावनी दी है। अपने करीबी सहयोगियों के जरिये भेजे संदेश में हसीना ने कहा कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया, ताकि मुझे लाशों का जुलूस न देखना पड़े। वे छात्रों की लाशों पर सत्ता में आना चाहते थे, लेकिन मैंने ऐसा नहीं होने दिया, मैंने पीएम पद से इस्तीफा दिया। मैं सत्ता में बनी रह सकती थी, लेकिन मैंने सेंट मार्टिन द्वीप की संप्रभुता को छोड़ दिया होता और अमेरिका को बंगाल की खाड़ी पर प्रभाव रखने दिया होता तो मैं अपने देश के लोगों से विनती करती हूं कि कट्टरपंथियों के बहकावे में न आएं।

नेस्तनाबूद होंगे बांग्लादेश में मंदिर तोड़ने वाले

अंतरिम सरकार ने सबक सिखाने की खाई कसम

- पीएम मोदी ने बधाई देते हुए हिन्दुओं पर हमलों की जताई थी चिंता

ढाका, एजेंसी। शेख हसीना के देश छोड़ने से पहले और बाद में हिन्दुओं पर खूब हमले हुए. उनके घरों को निशाना बनाया गया. उनकी बेटियों और बच्चों के साथ दुर्व्यवहार की घटनाएं सामने आईं. इसे देखकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी चिंतित नजर आए. इसलिए जैसे ही वहां अंतरिम सरकार ने कार्यभार संभाला, तो पीएम मोदी ने शथपग्रहण पर बधाई देने के साथ ही अपनी चिंता जाहिर की. नई सरकार से हिन्दुओं की सुरक्षा करने की अपील की. अब उसका असर दिखने लगा है. अंतरिम सरकार ने उन लोगों पर कार्रवाई करने की कसम खाई है, जिन्होंने मंदिरों को तोड़ा. हिन्दुओं को निशाना बनाया.

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के सलाहकार मुहम्मद यूनुस मंगलवार को हिंदू बंगाली नेताओं से मुलाकात भी करने वाले हैं. सरका ने कहा कि जिन उपद्रवियों ने अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों को अपवित्र किया, मूर्तियां तोड़ीं, मंदिरों में आग लगाई, लूटपाट की, उन सभी लोगों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाएगी. अंतरिम सरकार के धार्मिक सलाहकार खालिद हुसैन ने कहा कि हिन्दू मंदिरों पर हमला करने वाले गुंडे हैं. उन्हें इस नुकसान की भारी कीमत चुकानी पड़ेगी. इसका जुमार्ना भरना पड़ेगा.

हर पल अल्पसंख्यकों के साथ खड़े

प्रोथोम अलो (स्त्र१ड्ड३ँड्डे ´ड्ड ३ड्ड्रिट) से बातचीत में हुसैन ने कहा, धर्म मंत्रालय पहले भी हिन्दुओं और अल्पसंख्यकों की रक्षा करता रहा है. हर पल उनके साथ खड़ा रहा है. आगे भी हम ऐसा ही करेंगे. सरकार उन मंदिरों की सूची बना रही है, जिन्हें तोड़ा गया है. जहां लूटपाट की गई है. ऐसे मामलों को निटपाने के लिए एक एक फास्ट ट्रैक कमेटी बना रहे हैं. गृह मंत्रालय एक दो दिन में इन मामलों में कार्रवाई करेगा.

हिन्दुओं का विरोध जारी

सरकार की तमाम कोशिशों के बाद भी हिन्दुओं का भरोसा नहीं लौट रहा है. वे इतने डरे हुए हैं कि रोजाना प्रदर्शन कर रहे हैं. सोमवार को मशियाहाटी क्षेत्रीय दुर्गा पूजा उत्सव समिति ने हिंदू अल्पसंख्यक समुदायों पर हमलों के विरोध में जेस्सोर के अभयनगर में रैली निकाली. देश के कई और हिस्सों से विरोध प्रदर्शन की खबरें आईं. उनकी डिमांड है कि आरोपियों को तुरंत गिरफ्तार किया जाए.

57 बुद्धिजीवियों का पत्र, लिखा - पीड़ितों की मदद के लिए कदम उठाए मोदी सरकार

बांग्लादेश में शेख हसीना द्वारा प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देकर देश छोड़ने के बाद वहाँ हिन्दुओं के खिलाफ हिंसा शुरू हो गई। कई हिन्दुओं की हत्याएँ हुईं, मंदिरों पर हमले हुए। बांग्लादेश-भारत सीमा पर कई पीड़ित हिन्दू पलायन कर के जमे हुए हैं और गुहार लगा रहे हैं कि उन्हें भारतीय सीमा में आने दिया जाए। आँकड़ों की मानें तो ऐसी सवा 200 से भी अधिक घटनाएँ हुई हैं। पीड़ित हिन्दू लगातार भारत से मदद की गुहार लगा रहे हैं, अब तक किसी भी अंतरराष्ट्रीय संस्था या संगठन ने इनके लिए आवाज नहीं उठाई है। अब 57 बुद्धिजीवियों ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के नरसंहार पर चिंता जताते हुए भारत सरकार से मदद का आग्रह किया है। हिन्दुओं के उत्पीड़न पर चिंता जताते हुए इन बुद्धिजीवियों ने लिखा कि हिन्दुओं को लक्षित कर के हो रही इस हिंसा ने एक नए पैटर्न की तरफ विश्व का ध्यान आकर्षित कराया है। इस पत्र में मेहरपुर में इस्कॉन मंदिर को जलाए जाने और हिन्दुओं की मॉब लिंचिंग का जश्न मनाए जाने के वीडियो का जिक्र करते हुए बताया गया है कि ये परेशान करने वाली घटनाएँ हैं। पत्र में कहा गया है कि ऐसी नहीं है कि हिन्दुओं पर हमले की कहीं-कहीं इक्की-दुक्की घटनाएँ हो रही हैं, ऐसा भी नहीं है कि इससे पहले ऐसा नहीं हुआ है। जिक्र किया गया है कि कैसे हिन्दुओं पर हमले का बांग्लादेश में एक पूरा का पूरा इतिहास रहा है, राजनीतिक अस्थिरता के दौरान और तेज हो जाता है। याद दिलाया गया है कि कैसे बांग्लादेश जब पूर्वी पाकिस्तान हुआ करता था तब पाकिस्तानी फौज ने 25 लाख हिन्दुओं की हत्याएँ की थीं। 2013 से लेकर अब तक बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमले की 3600 से भी अधिक घटनाएँ हो चुकी हैं। बांग्लादेश से हिन्दुओं के दु:खद पलायन को याद करते हुए पत्र में आग्रह किया गया है कि उनकी सुरक्षा के लिए कदम उठाया जाए। चुने हुए जनप्रतिनिधियों से अपने-अपने स्तर पर इस मामले को उठाने और भारत सरकार द्वारा उच्चतम स्तर पर इसका समाधान करने के लिए कदम उठाने की अपील की गई है। साथ ही भारतीय संसद से इसके खिलाफ प्रस्ताव पारित करने के लिए कहा गया है। पत्र में अपील की गई है कि अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के साथ मिल कर हिन्दुओं की सुरक्षा के लिए कदम उठाया जाए, पीड़ितों को सहायता से लेकर शरण दिए जाने तक के विकल्पों पर विचार हो। शेष पेज 2 पर

भारत-बांग्लादेश समुद्री सीमा पर कोस्ट गार्ड ने बढ़ाई निगरानी, हर नाव की चेकिंग

नई दिल्ली। बांग्लादेश में मौजूदा संकट के मद्देनजर भारतीय तटरक्षक बल ने भी बड़े कदम उठाए हैं। भारत-बांग्लादेश समुद्री सीमा पर कोस्ट गार्ड ने निगरानी बढ़ाकर हर नाव की चेकिंग के आदेश दिए हैं। सुंदरबन क्रीक क्षेत्रों में आईसीजी के जहाजों और इंटरसेप्टर नौकाओं से गश्त की जा रही है। किसी भी अवैध गतिविधि के लिए भारत के करीबी तटों पर राडार स्टेशन 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। भारतीय तटरक्षक बल के उप महानिदेशक (संचालन और तटीय सुरक्षा) अनुपम राय ने बताया कि बांग्लादेश में राजनीतिक अशांति के बाद भारतीय तटरक्षक बल ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा पर अपनी गश्त और निगरानी बढ़ा दी है। किसी भी शत्रुतापूर्ण कार्रवाई और अवैध घुसपैठ रोकने के लिए सुरक्षा बढ़ाकर दो से तीन जहाज तैनात किए हैं। सुंदरबन क्रीक क्षेत्रों में जहाजों और इंटरसेप्टर नौकाओं से गश्त की जा रही है। उन्होंने बताया कि हमारे पास हल्दिया, पारादीप और गोपालपुर में तटीय निगरानी राडार स्टेशन हैं, जिनसे किसी भी अवैध गतिविधि के लिए भारत के करीबी तटों पर 24 घंटे निगरानी कर रहे हैं। शेष पेज 2 पर

अब राहुल गांधी पर ईडी का शिकंजा, हो सकती है पूछताछ

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। लोकसभा नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर अब ईडी शिकंजा कसती नजर आ रही है। प्रवर्तन निदेशालय जल्द ही पूछताछ के लिए उन्हे तलब कर सकती है। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कुछ नहीं कहा गया है। कहा जा रहा है कि केंद्रीय जांच एजेंसी नेशनल हेराल्ड मामले में मनी लॉन्ड्रिंग की जांच के चलते राहुल से सवाल पूछ सकती है। हालांकि, जून 2022 में भी एजेंसी कांग्रेस सांसद से पूछताछ कर चुकी है। सूत्रों के हवाले से बताया है कि अनियमितताओं की जांच को लेकर ईडी निष्कर्ष तक पहुंचना चाहती है और ऐसे में कांग्रेस सांसद से फिर पूछताछ की जा सकती है। खास बात है कि ईडी पहले ही 751 करोड़ रुपये की संपत्ति अटैच कर चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार, एक ईडी अधिकारी ने बताया कि एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड जांच को पूरी करने की तैयारी कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, हम एजेएल जांच को पूरा करने और अभियोजन शिकायत दर्ज करने की कोशिश कर रहे हैं, ताकि केस ट्रायल के लिए जाए। राहुल गांधी समेत इससे जुड़े सभी लोगों को जल्दी बुलाया जा सकता है। हालांकि, अब तक यह साफ नहीं है कि केंद्रीय जांच एजेंसी कांग्रेस की पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी को भी तलब करने पर विचार कर रही है या नहीं। इससे पहले हो चुकी पूछताछ में सोनिया और राहुल ने ईडी के अधिकारियों को बताया था कि यंग इंडिया प्राइवेट लिमिटेड नॉट फॉर प्रॉफिट कंपनी है और नेशनल हेराल्ड की पैरेंट कंपनी एजेएल (जिसे साल 2010 में यंग इंडियन ने अधिग्रहित कर लिया था) के सभी वित्तीय लेनदेन दिवंगत मोतीलाल वोरा देखते थे। जून 2022 में भी राहुल गांधी से ईडी ने चार दौर की पूछताछ में करीब 40 घंटों तक सवाल-जवाब किए थे। साथ ही सोनिया गांधी से भी ईडी ने पूछताछ की थी। खास बात है कि रायबरेली सांसद ने कुछ दिनों पहले ही आशंका जताई थी कि उनके खिलाफ ईडी रेड की तैयारी की जा रही है। हालांकि, उन्होंने नहीं बताया था कि किस केस में केंद्रीय जांच एजेंसी ऐक्शन लो सकती है।

केंद्र सरकार ने ब्रॉडकास्टिंग बिल को किया होल्ड

कहा- चर्चा के बाद फिर तैयार होगा नया ड्राफ्ट

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ब्रॉडकास्टिंग बिल 2024 को फिलहाल होल्ड पर रखने का फैसला किया है. सरकार ने कहा है कि व्यापक विचार-विमर्श के बाद इस बिल बिल का नया ड्राफ्ट तैयार किया जाएगा. मिनिस्ट्री ऑफ इंफॉर्मेशन एंड ब्रॉडकास्टिंग (MIB) ने पिछले साल नवंबर में नए ब्रॉडकास्टिंग रेगुलेशन बिल को ड्राफ्ट किया था. इस बिल के ड्राफ्ट पर पब्लिक कॉमेंट की डेडलाइन 10 नवंबर, 2023 थी. बिल का दूसरा ड्राफ्ट इस साल जुलाई में तैयार किया गया. विपक्ष ने आरोप लगाया था कि बिल का संशोधित ड्राफ्ट संसद की पटल पर रखे जाने से पहले ही कुछ चुनिंदा हितधारकों के बीच 'गुप्त रूप से' लीक कर दिया गया था. डिजिटल न्यूज पब्लिशर्स और इंडिविजुअल कॉन्टेंट क्रिएटर्स भी इस बिल का विरोध कर रहे थे.

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है, 'हम ब्रॉडकास्टिंग सर्विस (रेगुलेशन) बिल के ड्राफ्ट पर काम कर रहे हैं. इस विधेयक के ड्राफ्ट को हितधारकों और आम जनता की टिप्पणियों के लिए 10 नवंबर 2023 को सार्वजनिक डोमेन में रखा गया था. हमें विभिन्न हितधारकों की ओर से अनेक सिफारिशें, टिप्पणियां औा सुझाव प्राप्त हुए थे. मंत्रालय विधेयक के ड्राफ्ट पर हितधारकों के साथ सिलसिलेवार विचार-विमर्श कर रहा है. सुझाव और टिप्पणियों के लिए 15 अक्टूबर, 2024 तक के लिए अतिरिक्त समय प्रदान किया जा रहा है. विस्तृत विचार-विमर्श के बाद बिल का एक नया ड्राफ्ट प्रकाशित किया जाएगा.'

शेष पेज 2 पर

ब्रॉडकास्टिंग बिल के मौजूदा ड्राफ्ट में क्या प्रावधान थे?

ब्रॉडकास्टिंग बिल के मौजूदा ड्राफ्ट के मुताबिक डिजिटल या OTT प्लेटफॉर्म जैसे कि Youtube, X (Twitter), Facebook, Instagram, Netflix, Prime Video पर प्रसारित होने वाले कॉन्टेंट को सरकार रेगुलेट करने जा रही थी. ड्राफ्ट के प्रावधानों में कहा गया है कि डिजिटल प्लेटाफार्म्स पर न्यूज प्रसारित करने वाले पब्लिशर्स को 'डिजिटल न्यूज ब्रॉडकास्टर्स' के नाम से जाना जाएगा. ड्राफ्ट में डिजिटल ब्रॉडकास्टर्स के लिए एक नई रेगुलेटरी बॉडी 'ब्रॉडकास्टिंग अथॉरिटी ऑफ इंडिया' बनाने का प्रस्ताव था. इसके अलावा सेल्फ रेगुलेशन के लिए टू-टियर सिस्टम बनाने का प्रस्ताव ब्रॉडकास्टिंग बिल के ड्राफ्ट में किया गया था. सेल्फ रेगुलेशन के लिए टू-टियर सिस्टम फॉलो नहीं करने पर सरकार के हस्तक्षेप का प्रावधान ड्राफ्ट में था.

डिजिटल क्रिएटर्स क्यों कर रहे थे ड्राफ्ट बिल का विरोध?

ब्रॉडकास्टिंग सर्विस (रेगुलेशन) बिल 2024 के ड्राफ्ट में प्रस्तावित प्रावधानों पर कुछ इंडिविजुअल कॉन्टेंट क्रिएटर्स और डिजिटल पब्लिशर्स ने नाराजगी जताई थी. उनका कहना था कि यह इस बिल के जरिए सरकार डिजिटल कॉन्टेंट क्रिएटर्स पर एक तरह से सेंसरशिप लगा रही है. इस बिल के लागू होने के बार कोई सरकार की आलोचना नहीं कर सकेगा. टू-टियर सेल्फ रेगुलेशन सिस्टम पर भी हितधारकों की ओर से विरोध दर्ज कराया गया था. बिल के ड्राफ्ट में डेटा के लोकलाइजेशन और यूजर डेटा का एक्सेस सरकार के पास होने का एक प्रावधान जोड़ा गया था. इसे लेकर स्टेकहोल्डर्स का कहना था कि यह प्रावधान निजता का उल्लंघन करेगा.

विपक्ष ने बिल को बताया था फ्री-स्पीच और प्रेस पर खतरा

कांग्रेस समेत इंडिया ब्लॉक में शामिल अन्य राजनीतिक पार्टियों ने ब्रॉडकास्टिंग सर्विस (रेगुलेशन) बिल 2024 का विरोध किया था और इसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और फ्री प्रेस के लिए खतरा बताया था. विपक्ष का कहना था कि इस बिल के जरिए व्यक्तिगत कंटेंट बनाने वालों को भी नियंत्रित करने का प्रयास किया जा रहा है. कांग्रेस मीडिया विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने विधेयक से जुड़े कई पहलुओं को चिंताजनक बताते हुए कहा था कि इसमें वीडियो अपलोड करने, पॉडकास्ट बनाने या समसामयिक मामलों के बारे में लिखने वाले किसी भी व्यक्ति को डिजिटल समाचार प्रसारक के रूप में लेबल करने का प्रावधान किया गया है.

पूर्व विदेश मंत्री के.नटवर सिंह पंचतत्व में विलीन

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। पूर्व विदेश मंत्री के. नटवर सिंह सोमवार को यहां पंचतत्व में विलीन हो गए। विदेश मंत्री एस. जयशंकर समेत कई नेताओं ने उन्हें अंतिम विदाई दी। नटवर सिंह का लंबी बीमारी के बाद शनिवार रात को निधन हो गया था। वह 93 वर्ष के थे। उनका अंतिम संस्कार दिल्ली में बारिश के बीच लोधी शव दाहगृह में दोपहर को किया गया।

नटवर सिंह के परिवार के सदस्यों, मित्रों और समर्थकों के अलावा विदेश मंत्री जयशंकर, केंद्रीय संस्कृति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, नेशनल कांफ्रेंस नेता उमर अब्दुल्ला, कांग्रेस नेता और हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा तथा कई नेता उन्हें श्रद्धांजलि देने के लिए शवदाहगृह पहुंचे। सिंह को मुखाग्नि दिए जाने से पहले जयशंकर ने भी उनकी चिता पर सम्मान स्वरूप एक लकड़ी रखी। अंतिम संस्कार में शामिल हुए एक पारिवारिक मित्र ने कहा, कई नेता नटवर साहब को श्रद्धांजलि देने के लिए आएं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह ने दिल्ली के समीप गुरुग्राम के मेदांता हॉस्पिटल में अंतिम सांस ली थी जहां उन्हें कुछ सप्ताह पहले भर्ती कराया गया था।

नटवर सिंह का जन्म 1931 में राजस्थान में भरतपुर जिले के जघीना गांव में हुआ था।

वह भारतीय विदेश सेवा में थे, लिहाजा जब वह राजनीति में आए तो उनके पास कूटनीतिक मामलों की समझ, पकड़ और अनुभवों की थाती भी साथ थी। वह अच्छे लेखक भी थे और उन्होंने 'महाराजा' के जीवन से लेकर विदेश मामलों की बारीकियों तक के विषयों पर किताबें लिखीं। उन्हें 1984 में पद्म भूषण से सम्मानित किया गया था।

नटवर सिंह ने विदेश मामलों सहित अन्य विषयों पर कई चर्चित किताबें भी लिखीं, जिनमें ह्यद लिगेसी ऑफ नेहरू : अ मेमोरियल ट्रिब्यूट' और 'माई चाइना डायरी 1956-88' शामिल हैं। उनकी आत्मकथा 'वन लाइफ इज नॉट एनफ' भी काफी सुर्खियों में रही थी।

शेखावत ने नटवर सिंह के निधन को राजनीति और कूटनीति दोनों के क्षेत्रों में एक 'अपूरणीय क्षति' बताया। उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, 'एक राजनयिक के रूप में उन्होंने जिस तरह से देश की सेवा की और एक नेता के रूप में जिस तरह उन्होंने देशहित के लिए काम किया, दोनों ही बातें इतिहास के पन्नों में स्वर्णिम अक्षरों में अंकित रहेंगी।

केंद्रीय मंत्री ने कहा, नटवर सिंह जी एक निडर और साहसी व्यक्ति थे और उन्होंने हमेशा देश एवं समाज के हित वाली बातों पर अपने विचारों को निडरता से और खुलकर सामने रखा।

उन्होंने हमेशा दलगत राजनीति से ऊपर उठकर बोलने का साहस दिखाया। शेखावत ने नटवर सिंह के परिवार के सदस्यों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं और दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। शेखावत भी राजस्थान से ही आते हैं।

पूर्व कांग्रेस सांसद नटवर सिंह 2004-05 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार में विदेश मंत्री पद पर काबिज थे। उन्होंने पाकिस्तान में भारत के राजदूत के रूप में भी सेवाएं दी थीं और 1966 से 1971 तक तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के कार्यालय से जुड़े हुए थे। जयशंकर ने भी रविवार सुबह ह्यएक्सह्ण पर एक पोस्ट में नटवर सिंह के परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं और विदेश मंत्री के रूप में सिंह की भूमिका को याद किया।

हिंडनबर्ग आरोपों पर जेपीसी जांच की मांग कांग्रेस का ढकोसला, लक्ष्य अर्थव्यवस्था को कमजोर करना: भाजपा

द न्यूज 15 ब्यूरो

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की अध्यक्ष के खिलाफ हिंडनबर्ग के आरोपों की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की कांग्रेस की मांग को खारिज करते हुए कहा कि यह भारतीय अर्थव्यवस्था को कमजोर करने और देश में निवेश को नष्ट करने के लिए एक ढकोसला है।

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में पार्टी के इस रुख को दोहराया कि शॉर्ट सेलिंग कंपनी का आरोप और विपक्ष द्वारा बाजार नियामक सेबी की आलोचना एक व्यापक साजिश का हिस्सा है। उन्होंने कहा कि भारत को वैश्विक स्तर पर एक सुरक्षित, स्थिर और बेहतर बाजार के तौर पर देखा जा रहा है लेकिन कांग्रेस पार्टी ऐसा माहौल बनाना चाहती है कि भारत का निवेश परिदृश्य सुरक्षित नहीं है।

प्रसाद ने कहा कि अरबपति निवेशक जॉर्ज सोरोस हिंडनबर्ग में निवेशक हैं और उन्हें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार के खिलाफ दुष्प्रचार अभियान चलाने के लिए जाना जाता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस चाहती है कि शेयर बाजार धराशायी हो जाए जिसने करोड़ों छोटे निवेशकों को अच्छी आय दी है।

उन्होंने कहा, लोगों द्वारा खारिज किए जाने के बाद, कांग्रेस, उसके सहयोगियों और टूलकिट गिरोह में उसके सबसे करीबी सहयोगी ने भारत में आर्थिक अराजकता और अस्थिरता लाने के लिए एक साथ साजिश रची है।

प्रसाद ने सवाल किया कि 2004 से 2014 के बीच कांग्रेस के 10 साल के शासन में कई कथित घोटाले हुए और तब इस तरह की आलोचनात्मक रिपोर्ट क्यों नहीं लाई गई? उन्होंने आरोप लगाया, कांग्रेस पार्टी का नेतृत्व इस काल्पनिक रिपोर्ट के आधार पर आर्थिक अराजकता पैदा करने में शामिल है। हालांकि, उन्होंने जोर देकर कहा कि निवेशकों को साजिश का एहसास हो गया है और उन्होंने बाजार को झटका देने के प्रयासों को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि हिंडनबर्ग की रिपोर्ट 'फुस्स' साबित हुई है क्योंकि भारत के निवेशकों ने इस शार्ट सेलर और कांग्रेस के 'सुनियोजित षडयंत्र' पर विश्वास नहीं किया।

शेष पेज 2 पर

एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड पर्सन्स का 12वां स्थापना दिवस मनाया गया

-दिल्ली के सन्त नगर बुराड़ी की दृष्टिबाधित छात्राओं की प्रतिभा देखकर दंग रह जाएंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड पर्सन्स संस्था के 12वें स्थापना दिवस के अवसर पर संस्था द्वारा दृष्टि बाधित छात्राओं के लिए संत नगर बुराड़ी में संचालित किए जाने वाले छात्रावास में एक भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर छात्रावास की दृष्टि बाधित छात्राओं ने गायन, नृत्य व भाषण के द्वारा लोगो समय बांध कर रख दिया। इन छात्राओं की प्रतिभा देखकर अंदाजा नहीं लगाया जा सकता है कि यह दृष्टिहीन है। संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वरिष्ठ पत्रकार विजय शंकर चतुर्वेदी एवं करावल नगर कांग्रेस पार्टी के जिलाध्यक्ष आदेश भारद्वाज ने छात्राओं की प्रतिभा व संस्था द्वारा किये जा रहे प्रयासों की प्रशंसा की। संस्था के स्थापना दिवस के अवसर पर सामरिक का विमोचन भी किया गया। सन्त नगर बुराड़ी की भगत कलोनी में संचालित संस्था विभिन आर्थिक परेशानियों से भी जूझ रही है। कार्यक्रम में सम्मलित समाज के कई गणमान्य व्यक्तियों ने संस्था की मदद के लिए हाथ बढ़ाया है। संस्था के संचालक राजेन्द्र यादव स्वयं दिव्यांग हैं।

वह दिव्यांगों की मुश्किलें बखूबी समझते हैं। इसी सोच के साथ उन्होंने इस संस्था की स्थापना 11 अगस्त 2011 को की थी। इस संस्था के छात्रावास में 25 से 30 छात्राएं रह रहीं हैं। संस्था इन छात्राओं को अपने पैरों पर खड़े होने की हर मुमकिन मदद कर रही है। समाज का यह एक ऐसा वर्ग जिसका जीवन जीने का संघर्ष सामान्य व्यक्ति से कई गुणा अधिक होता है। यही वजह है किं ईश्वर ने इन्हें कुछ दिव्य शक्तियों से नवाजा है, इसीलिए उन्हें दिव्यांग कहा जाता है। एक सामान्य व्यक्ति जो अपनी आंखों से नहीं देख सकता यह अपनी मन की आँखों से देख लेते है। संत नगर बुरारी के एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड पर्सन्स संस्था के 12वें स्थापना दिवस व भारत के स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर संस्था की दृष्टि बाधित छात्राओं की प्रतिभा को देखकर आप दंग रह जाएंगे।

यमुना प्रदूषण: प्रदूषकों के बारे में आंकड़े जुटाने के लिए 32 ऑनलाइन निगरानी स्टेशन स्थापित होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली सरकार ने यमुना नदी और इसमें गिरने वाले विभिन्न खुले नालों के किनारे 32 ऑनलाइन निगरानी स्टेशन स्थापित करने की प्रक्रिया शुरू की है, ताकि इस नदी में गिरने वाले प्रदूषकों के बारे में वास्तविक समय के आंकड़े प्राप्त किए जा सकें। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति (डीपीसीसी) को विभिन्न मापदंडों पर नालों और यमुना की ऑनलाइन निगरानी के लिए 32 जल गुणवत्ता निगरानी प्रणाली स्थापित करनी है। इन मापदंडों में जैविक ऑक्सीजन मांग, रासायनिक ऑक्सीजन मांग, कुल प्रसुप्त ठोस वस्तुएं, कुल नाइट्रोजन (नाइट्रेट और नाइट्राइट के रूप में), कुल फॉस्फोरस, अमोनिया आदि शामिल हैं। ऑनलाइन निगरानी स्टेशनों (ओएलएमएस) को केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के नवीनतम दिशानिदेशों और मानक संचालन प्रक्रियाओं के सटीक अनुपालन में सप्ताह के सातों दिन और चौबीसों घंटे डीपीसीसी के सर्वर पर निरंतर डेटा ट्रांसमिशन सुविधा के साथ वांछित डेटा की ऑनलाइन निगरानी करनी है। डीपीसीसी के एक अधिकारी ने बताया कि इस साल के अंत तक कुल 32 ओएलएमएस स्थापित किए जाने की उम्मीद है, जिनमें से 14 स्टेशन यमुना नदी पर और 18 विभिन्न नालों पर होंगे। अधिकारी ने कहा, ह्यह्यइससे नालों और नदी के निर्धारित स्थान पर पानी की गुणवत्ता पर वास्तविक समय का डेटा प्राप्त करने में मदद मिलेगी, जिसे नियंत्रण एवं निगरानी केंद्र में देखा जा सकता है। इससे स्थिति के बिगड़ने के स्थान और समय की आसानी से पहचान की जा सकती है। ओएमएलएस के प्रस्तावित स्थानों में पल्ला, आईएसबीटी पुल, आईटीओ पुल, निजामुद्दीन पुल, ओखला बैराज, नजफगढ़ नाला, मेटकाफ हाउस नाला, खैबर पास नाला, स्वीपर कॉलोनी नाला आदि शामिल हैं। दिल्ली में प्रतिदिन 79.20 करोड़ गैलन सीवेज निकलता है। राजधानी में 37 मलजल प्रक्रिया संयंत्र (एसटीपी) की संयुक्त क्षमता प्रतिदिन 66.70 करोड़ गैलन की है। सरकारी रिपोर्टों के अनुसार, दिल्ली में वजीराबाद और ओखला के बीच यमुना का 22 किलोमीटर लंबा हिस्सा, इसके 80 प्रतिशत प्रदूषण के लिए जिम्मदार है।

बाईस किलोमीटर का यह हिस्सा यमुना नदी की कुल लंबाई का दो प्रतिशत से भी कम है।

एक नजर

उत्तरी दिल्ली की झील में नहाने गए चार नाबालिग डूबे, एक की मौत

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके की शक्ति सरोवर झील में अपने तीन दोस्तों के साथ नहाते समय 11 वर्षीय एक लड़का डूब गया। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बुराड़ी पुलिस स्टेशन के अधिकारियों को एक नाबालिग के डूबने की सूचना मिली और एक टीम तुरंत मौके पर पहुंची। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "पुलिस को पता चला कि 11 से 12 साल की उम्र के चार लड़के शक्ति सरोवर झील में नहाने गए थे।" उन्होंने कहा, "उनमें से दो डूबने लगे जबकि अन्य दो बाहर आने में सफल रहे। उन्होंने शोर मचाया और स्थानीय लोगों ने दो अन्य लड़कों को पानी से बाहर निकाला।" अधिकारी ने कहा कि उनमें से एक को बुराड़ी अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने कहा कि बाद में एक अपराध टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और नमूने एकत्र किए। उन्होंने बताया कि उपमंडलीय मजिस्ट्रेट को सूचित कर दिया गया है और कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

अदालत ने केजरीवाल, पाठक पर मुकदमा चलाने की मंजूरी लेने के लिए सीबीआई को 15 दिन का समय दिया

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली की एक अदालत ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े भ्रष्टाचार के एक मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और आम आदमी पार्टी (आप) विधायक दुर्गेश पाठक पर मुकदमा चलाने के खातिर केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को आवश्यक मंजूरी प्राप्त करने के लिए सोमवार को 15 दिन का समय दिया। सीबीआई मामलों की विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा को जांच एजेंसी ने बताया कि उन्हें संबंधित अधिकारियों से अभी तक मंजूरी नहीं मिली है, जिसके बाद न्यायाधीश ने केंद्रीय एजेंसी को आवश्यक मंजूरी हासिल करने के लिए 27 अगस्त तक का समय दिया। इससे पहले सीबीआई ने इस मामले में उनकी जांच की मंजूरी हासिल कर ली थी। आम आदमी पार्टी की राजनीतिक मामलों की समिति के वरिष्ठ सदस्य पाठक को केजरीवाल का बेहद करीबी माना जाता है। न्यायाधीश ने आठ अगस्त को मामले में केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 20 अगस्त तक बढ़ा दी थी।

महुआ मोइत्रा की बढ़ेगी मुश्किल, पुलिस करेगी पूछताछ

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय महिला आयोग एनसीडब्लू की अध्यक्ष रेखा शर्मा के बारे में आपत्तिजनक पोस्ट करने के मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल अब तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा से पूछताछ करेगी। बजट सत्र बीत जाने का पुलिस इंतजार कर रही थी ताकि महुआ किसी तरह का बहाना न कर सके। इन्हें पूछताछ में शामिल होने के लिए पुलिस आज नोटिस भेजेगी। जांच में शामिल न होने पर पुलिस इनके खिलाफ वारंट भी जारी करा सकती है। पांच जुलाई को सेल ने महुआ के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने पहले रेखा शर्मा का बयान दर्ज कर लिया है। अब महुआ मोइत्रा का बयान दर्ज करेगी।

उधर, महुआ मोइत्रा ने अपने खिलाफ दर्ज केस को रद्द करने के लिए दिल्ली हाई कोर्ट में एप्लीकेशन लगाई है, जिस पर कोर्ट ने चार सप्ताह के अंदर दिल्ली पुलिस को जवाब दाखिल करने को कहा गया है। मामला हाथरस कांड से जुड़ा हुआ है। रेखा शर्मा के खिलाफ की गई टिप्पणी के बाद विवाद तृणमूल कांग्रेस की सांसद महुआ मोइत्रा द्वारा राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के खिलाफ की गई टिप्पणी पर विवाद हो गया। दरअसल, रेखा शर्मा हाथरस भगदड़ कांड में जान गंवाने वालों के परिजनों से मिलने गई थीं, महुआ ने इसी को लेकर कटाक्ष किया था। जिसके बाद राष्ट्रीय महिला आयोग ने महुआ मोइत्रा की टिप्पणी का स्वतः संज्ञान लिया था। आयोग ने कहा है कि यह अभद्र टिप्पणी अपमानजनक है और महिलाओं के सम्मान के अधिकार का उल्लंघन है।

दो लोगों की निर्मम हत्या का सजायाफ्ता फरार दोषी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने एक ऐसे अपराधी को गिरफ्तार किया है, जो डबल मर्डर केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था और पैरोल पर बाहर आने के बाद से वह फरार चल रहा था। पुलिस टीम ने फरार अपराधी को राजस्थान के अलवर से गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान विजय कुमार उर्फ विजय (49) के रूप में की गई है। दोषी विजय यूपी के शेरगढ़ (मथुरा) के जटवारी गांव का रहने वाला है। 14 अप्रैल 2021 से पैरोल पर रिहाई के बाद से उसने सरेंडर नहीं किया था और पुलिस की पकड़ से लगातार बचता आ रहा था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी अमित गोयल के मुताबिक, केशवपुरम थाने में 2002 में दर्ज एक निर्मम दोहरे हत्याकांड मामले में दोषी ठहराए गए विजय कुमार को 31 मार्च 2010 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस दौरान 14 अप्रैल 2021 को कोविड-19 महामारी के दौरान विजय कुमार को 90 दिनों के लिए पैरोल पर रिहा किया गया था। इसके बाद उसको 7 अप्रैल 2023 को पैरोल अवधि पूरी होने के बाद आत्मसमर्पण करना था, लेकिन वह लगातार गिरफ्तारी से बचता रहा।

दो लोगों की हत्या का सजायाफ्ता फरार दोषी गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच के इंटरस्टेट सेल ने एक ऐसे अपराधी को धरदबोचने में कामयाबी हासिल की है जो डबल मर्डर केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहा था और पैरोल पर बाहर आने के बाद से फरार चल रहा था।

पुलिस टीम ने फरार अपराधी को राजस्थान के अलवर से गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान विजय कुमार उर्फ विजय (49) के रूप में की गई है। दोषी विजय यूपी के शेरगढ़ (मथुरा) के जटवारी गांव का रहने वाला है। 14 अप्रैल 2021 से पैरोल पर रिहाई के बाद से उसने सरेंडर नहीं किया था और पुलिस की पकड़ से लगातार बचता आ रहा था। क्राइम ब्रांच के डीसीपी अमित गोयल के मुताबिक, केशवपुरम थाने में 2002 में दर्ज एक निर्मम दोहरे हत्याकांड मामले में दोषी ठहराए गए विजय कुमार को 31 मार्च 2010 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी। इस दौरान 14 अप्रैल 2021 को कोविड-19 महामारी के दौरान विजय कुमार को 90 दिनों के लिए पैरोल पर रिहा किया गया था। इसके बाद उसको 7 अप्रैल 2023 को पैरोल अवधि पूरी होने के बाद आत्मसमर्पण करना था लेकिन वह लगातार गिरफ्तारी से बचता रहा।

मनीष सिसोदिया ने चांदनी चौक के एक मंदिर में पूजा-अर्चना की

नई दिल्ली, एजेंसी। आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने श्रावण माह के सोमवार के पावन मौके पर चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर में पूजा-अर्चना की और कहा कि उनके मन में किसी के प्रति कोई द्वेष नहीं है। कथित दिल्ली आबकारी नीति घोटाले से जुड़े मामले में उच्चतम न्यायालय से जमानत मिलने के बाद बीते शुक्रवार को तिहाड़ जेल से बाहर आए सिसोदिया भगवान शिव की पूजा-अर्चना के लिए सोमवार सुबह गौरी शंकर मंदिर पहुंचे। सिसोदिया ने कहा, भगवान शिव प्रेम का प्रतीक हैं। जिनके हृदय में भगवान शिव का वास है, उनके हृदय में दूसरों के प्रति द्वेष भाव नहीं हो सकता। मैंने आशीर्वाद मांगा कि मुझे भी कण-कण में भगवान शिव ही दिखाई देते रहें।

आप के प्रमुख नेता सिसोदिया ने जेल से बाहर आते ही अगले साल की शुरूआत में होने वाले दिल्ली विधानसभा चुनावों की तैयारियां शुरू कर दी हैं। वह दिल्ली के राजनीतिक हालात पर चर्चा करने के लिए सोमवार को पार्टी विधायकों के साथ बैठक करेंगे। सिसोदिया राष्ट्रीय राजधानी के लोगों से मिलने के लिए 14 अगस्त को पदयात्रा भी करेंगे।

उम्रकैद की सजा काट रहे हत्यारे को दिल्ली पुलिस ने दबोचा, पैरोल मिलने पर हुआ था फरार

नई दिल्ली, एजेंसी। क्राइम ब्रांच की अंतरराज्यीय सेल की टीम ने आजीवन कारावास की सजा काट रहे पैरोल जंपर को गिरफ्तार किया है। आरोपित को दिल्ली के केशव पुरम थाने में दर्ज दोहरे हत्याकांड में दोषी ठहराया गया था। बताया गया कि उसे 30 मार्च 2010 को आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई थी और 14 अप्रैल 2021 को कोविड-19 के कारण 90 दिनों के लिए पैरोल पर रिहा किया गया था। अपनी पैरोल अवधि पूरी होने के बावजूद उसने आत्मसमर्पण नहीं किया और गिरफ्तारी से बच रहा था।

क्राइम ब्रांच के डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि अपराध शाखा की अंतरराज्यीय सेल को जानकारी मिली थी। बताया कि हेड कांस्टेबल आशीष कुमार द्वारा दर्ज कराई एफआईआर में थाना केशव पुरम में दोहरे हत्याकांड में दोषी पैरोल जंपर विजय कुमार के ठिकाने के बारे में जानकारी की पुष्टि हुई थी। इसके बाद इंस्पेक्टर पंकज मलिक और रोहित कुमार के नेतृत्व में टीम बनाई गई। आरोपित विजय कुमार सात अप्रैल 2023 को अपनी पैरोल समाप्त होने के बाद से छिप रहा था। टीम ने विजय कुमार की गतिविधियों पर नजर रखी और उसे राजस्थान के अलवर से गिरफ्तार किया गया और वापस तिहाड़ जेल भेज दिया गया है।

दिल्ली में सुबह बारिश के बाद येलो चेतावनी

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के कुछ हिस्सों में बारिश होने के बाद भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने येलो चेतावनी जारी की है। विभाग ने कहा कि मध्य, दक्षिण, दक्षिण-पश्चिम और पूर्वी दिल्ली में सुबह बारिश हुई। दिल्ली में सुबह साढ़े आठ बजे न्यूनतम तापमान 24.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया और सापेक्षिक आर्द्रता का स्तर 100 प्रतिशत रहा। आईएमडी ने बताया कि अधिकतम तापमान 32 डिग्री सेल्सियस रहने की उम्मीद है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के मुताबिक, राष्ट्रीय राजधानी में सुबह नौ बजे वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 53 दर्ज किया गया, जो संतोषजनक श्रेणी में आता है। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच संतोषजनक, 101 से 200 के बीच मध्यम, 201 से 300 के बीच खराब, 301 से 400 के बीच बहुत खराब और 401 से 500 के बीच गंभीर माना जाता है।

एडिशनल डीसीपी ने ऑटो चालकों को दिलाई यातायात नियमों की शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। उत्तर पूर्वी जिला डीसीपी ऑफिस में सोमवार को एडिशनल डीसीपी सुबोध कुमार गोस्वामी ने ऑटो चालकों को यातायात नियमों को मानने की शपथ दिलाई। उत्तर-पूर्वी जिला एडिशनल डीसीपी सुबोध कुमार गोस्वामी ने बताया कि ट्रैफिक जाम और अनियंत्रित होती यातायात व्यवस्था को काबू करने के लिए ऑटो ड्राइवर के खिलाफ मुहिम चलाई जिसमें बिना परमिट के ऑटो को भारी संख्या में बंद किए गए है। जिसके चलते सभी ऑटो चालकों को डीसीपी ऑफिस में वर्दी में आने का निर्देश दिया गया और सभी को एक लिखित पत्र दिया गया। जिसमें चालकों को निर्देश दिए गए वर्दी पहनना अनिवार्य, लाइसेंस और परमिट रखना व महिलाओं का सम्मान करना अधिक सवारी नहीं बैठाना अपनी लेने में ऑटो चलाना और जायज किराया लेना तथा म्यूजिक ना चलाना आदि की शपथ सभी चालकों को दिलाई गई। इसके अलावा गोस्वामी ने ऑटो चालाकों को यह विश्वास भी दिलाया कि यदि आपको कोई भी पुलिस के अलावा कोई अन्य विभाग का कर्मी परेशान करे तो वह सीधा उनसे मिल सकते हैं। एक ऑटो चालक सुरेश कुमार ने बताया कि यह एक शानदार प्रयास है जो काम ट्रैफिक पुलिस का था वह जिला पुलिस कर रही है, जिसमें ऑटो चालाकों ने एडिशनल डीसीपी द्वारा उठाए गए कदम की सराहना की। चालक का कहना था कि पहले उन्हें कभी किसी बड़े आधिकारी ने इस प्रकार से उन्हे नहीं समझाया। ऑटो चालाकों ने आश्वासन दिया कि ऑटो चलाते समय यातायात के नियमों का पालन करेंगे और सवारी के साथ सम्मान से बात करेंगे व जायज किराया लेंगे।

कई ट्रेनें निरस्त और कई का रूट डाइवर्ट, यात्रियों की बढ़ी परेशानी

नई दिल्ली, एजेंसी। फिरोजपुर मंडल के साहनेवाल स्टेशन पर संरक्षा कार्य के लिए ट्रैफिक ब्लॉक लिया जा रहा है, जिससे ट्रेनों की आवाजाही बाधित रहेगी। दिल्ली के यात्रियों पर भी इसका असर पड़ेगा। कई ट्रेनें निरस्त की गई हैं और कई के मार्ग में बदलाव किया गया है। ट्रेनें निरस्त रहने से अगल कुछ दिनों तक यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ेगा। पठानकोट- पुरानी दिल्ली एक्सप्रेस (22430) 14 से 27 अगस्त तक (16 और 23 अगस्त को छोड़कर), अमृतसर-जयनगर विशेष (04652) 14, 16, 18, 21, 23 व 25 अगस्त और अमृतसर-नई दिल्ली शान-ए-पंजाब (12497) 20 से 26 अगस्त तक निरस्त रहेगी। जालंधर सिटी- दरभंगा अंत्योदय एक्सप्रेस (22552) ट्रेन 25 अगस्त को अंबाला छावनी से चलेगी। वहीं, माता वैष्णो देवी कटड़ा-डॉ. अंबेडकर नगर मालवा एक्सप्रेस (12920) 22, 23 व 25 अगस्त को रास्ते में 35 से 125 मिनट, अमृतसर-टाटानगर जलियांवाला बाग एक्सप्रेस (18104) 20 मिनट और मुंबई सेंट्रल-अमृतसर पश्चिम एक्सप्रेस (12925) 25 और 26 अगस्त को 30 मिनट की देरी से चलेगी।

हथियार के बल पर लूटपाट करने वाले 6 बदमाश गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी। सराय रोहिल्ला थाना पुलिस ने कूरियर कंपनी के कलेक्शन एजेंट से चाकू के बल पर लूटपाट करने वाले 6 बदमाश गिरफ्तार किए हैं। पकड़े गए आरोपियों में रोहित, गौतम, जियान हाशमी, आकाश और गौतम गुप्ता, जतिन है। पुलिस ने इनके पास से दो स्कूटी, लूटी गई राशि में से 1,03,900 रुपए और गौतम, ज्ञान हाशमी और आकाश की निशानदेही पर लूटा गया बैग, चाबियाँ और अन्य सामान बरामद किया गया है। पुलिस पकड़े गए आरोपियों से पूछताछ कर मामले की जांच कर रही है। उत्तरी जिला डीसीपी मनोज कुमार मीना ने बताया कि शिकायत के बाद थानाध्यक्ष विकास राणा की देखरेख में गठित टीम ने 200 से अधिक कैमरों के सीसीटीवी फुटेज की जांच और विश्लेषण किया गया और अपराध में इस्तेमाल किए गए वाहनों की पहचान की गई। आरोपियों द्वारा अपनाए गए मार्ग की भी पहचान की गई, जिससे आरोपियों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिली। सबसे पहले पुलिस ने गौतम गुप्ता को उसके घर से पकड़ा। उसने बताया नकदी को लेकर जानकारी उसने जतिन से शेयर की थी। इसके बाद पुलिस ने जतिन को पकड़ लिया।

पेज एक का शेष

57 बुद्धिजीवियों का पत्र, लिखा – पीड़ितों की मदद के लिए कदम उठाए मोदी सरकार

इस पत्र पर हस्ताक्षर करने वालों में लेखक विक्रम संपत, अभिनव अग्रवाल, अरुण कृष्णन, हर्ष गुप्ता मधुसूदन, स्मिता बरुआ, वैज्ञानिक आनंद रंगनाथन और इंजीनियर योगिनी देशपांडे शामिल हैं। सभी 57 बुद्धिजीवियों ने एक सुर में दोहराया है कि भारतीय संसद द्वारा इस हिंसा को ह्यहिन्दुओं के खिलाफ सांप्रदायिक हिंसाह्ल की मान्यता दी जाए। साथ ही उन खबरों का रेफरेंस भी लगाया गया है, जिसमें हिन्दुओं पर हमले की बातें हैं। भारत का इस्लामी-वामपंथी गिरोह लगातार इन हमलों को नकार रहा है।

भारत-बांग्लादेश समुद्री सीमा पर कोस्ट गार्ड ने बढ़ाई निगरानी, हर नाव की चेकिंग

हालांकि, अब तक कोई अवैध गतिविधि नहीं देखी गई है लेकिन हमने अपने जहाजों को विशेष रूप से सभी मछली पकड़ने वाली नौकाओं या किसी भी जहाज पर नजर रखने के निर्देश दिए हैं, जो भारत-बांग्लादेश अंतरराष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (आईएमबीएल) के करीब या क्रीक क्षेत्रों में हैं।

दरअसल, बांग्लादेश में राजनीतिक उथल-पुथल के बाद बड़ी संख्या में हिंदू नागरिक भारत में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे हैं लेकिन सीमा पर उन्हें रोक दिया गया है। इसके बाद हिन्दुओं के बांग्लादेशी समुद्र के रास्ते भारत के ओडिशा राज्य में प्रवेश की आशंका जताई गई है। हालांकि, बांग्लादेश में हिंसा के बाद समुद्र मार्ग से भारत के तटीय राज्य में दाखिल होने की कोई रिपोर्ट नहीं है लेकिन बांग्लादेशियों के समुद्र मार्ग से ओडिशा में दाखिल होने की आशंकाओं को देखते हुए बांग्लादेश से सटी 480 किलोमीटर लंबी समुद्री सीमा पर त्रिस्तरीय सुरक्षा बनाई गई है।

केंद्र सरकार ने ब्रॉडकास्टिंग बिल को किया होल्ड

डिजिटल कॉन्टेंट को रेगुलेट करने के लिए कॉन्टेंट इवैल्यूएशन कमिटी (निगरानी समिति) बनाने का प्रावधान बिल के ड्राफ्ट में शामिल था. यह कमिटी वैसे ही काम करती जैसे सिनेमा के लिए सेंसर बोर्ड करता है. यानी डिजिटल प्लेटफार्म पर प्रसारित होने वाले कॉन्टेंट को यह कमिटी कंप्लायंस सर्टिफिकेट देती. इसके अलाव कॉन्टेंट प्रसारित करने वालों और दर्शकों के बीच एक पारदर्शी शिकायत निवारण प्रणाली तैयार करने का प्रावधान भी ब्रॉडकास्टिंग सर्विस (रेगुलेशन) बिल 2024 के ड्राफ्ट में किया गया था.

हिंडनबर्ग आरोपों पर जेपीसी जांच की मांग कांग्रेस का ढकोसला, लक्ष्य अर्थव्यवस्था को कमजोर करना: भाजपा

प्रसाद ने कहा कि छोटे निवेशकों ने बड़ी संख्या में अपना पैसा शेयर बाजार में लगाया है। उन्होंने आश्चर्य जताया कि कांग्रेस उन्हें नुकसान क्यों पहुंचाना चाहती है? उन्होंने दावा किया, राहुल गांधी और उनके टूलकिट मित्रों की अगुवाई में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से नफरत करते-करते कांग्रेस अब हिंदुस्तान से नफरत करने लगी है।ह्लह्ल

पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि सेबी ने अडाणी समूह के खिलाफ शेयर बाजार में हेरफेर के अपने पिछले साल के आरोपों के तहत अमेरिका स्थित हिंडनबर्ग को नोटिस भेजा था लेकिन वह जांच में शामिल नहीं हुआ और इसके बजाय उसने उसकी अध्यक्ष माधवी पुरी बुच को निशाना बनाया।

इस मुद्दे पर गांधी द्वारा सरकार के खिलाफ मोर्चा खोले जाने पर प्रसाद ने कहा कि उन्हें निराधार आरोप लगाने की आदत है। उन्होंने कहा कि पेगासस मुद्दे पर जांच का आदेश दिए जाने के बाद उन्होंने कभी जांच के लिए अपना फोन नहीं दिया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा कांग्रेस को बेनकाब करेगी।

हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को अपनी एक रिपोर्ट में आरोप लगाया था कि सेबी की अध्यक्ष बुच और उनके पति की कथित अडाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट ह्यविदेशी फंडह्ल में हिस्सेदारी थी।

सेबी प्रमुख बुच और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इसे पूरी तरह से बेबुनियाद बताया है।

अडाणी समूह ने अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च के नवीनतम आरोपों को दुर्भावनापूर्ण और चुनिंदा सार्वजनिक सूचनाओं से छेड़छाड़ करने वाला बताते हुए रविवार को कहा कि उसका बाजार नियामक सेबी की अध्यक्ष या उनके पति के साथ कोई वाणिज्यिक संबंध नहीं है। प्रसाद ने कोलकाता के एक सरकारी अस्पताल में एक चिकित्सक से बलात्कार और हत्या किए जाने की घटना को लेकर पश्चिम बंगाल की तृणमूल कांग्रेस सरकार की भी आलोचना की और आरोप लगाया कि वह मामले पर पर्दा डालने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को मामले की जांच सीबीआई को सौंप देनी चाहिए।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हमलों से जुड़े एक सवाल पर प्रसाद ने राहुल गांधी समेत अन्य विपक्षी नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाया और कहा कि प्रधानमंत्री ने बांग्लादेश की सरकार से उनकी रक्षा करने को कहा है।

दिलशाद गार्डन में छात्रों को जमीन पर बैठाने के मामले पर शिक्षा मंत्री आतिशी का सख़्त रुख

नई दिल्ली, एजेंसी। सर्वोदय विद्यालय जे एंड के ब्लॉक दिलशाद गार्डन में छात्रों को जमीन पर बैठाने के मामले में शिक्षा मंत्री आतिशी ने सख़्त रुख अपनाया है। इस मामले में उन्होंने स्कूल प्रधानाचार्य पर अनुशासनात्मक कारवाई के निर्देश दिए हैं। साथ ही शिक्षा मंत्री ने सभी डीडीई(डिस्ट्रिक्ट) को निर्देश दिए है कि, वो प्रत्येक सप्ताह अपने ज़िले के कम से कम 5 स्कूलों का निरीक्षण का निरीक्षण करें और विभाग को उसकी रिपोर्ट सौंपे। स्कूल में निरीक्षण के दौरान सभी डीडीई(डिस्ट्रिक्ट) को स्कूल में बुनियादी सुविधाएं जैसे पीने के पानी की उपलब्धता, शौचालय, लाइट्स, साफ-सफाई, पर्याप्त मात्रा में अच्छी क्वालिटी के डेस्कों की उपलब्धता, स्कूल का इंफ्रास्ट्रक्चर(दरवाजे, खिड़कियां, बाउंड्री वॉल, रूम की छतें), बच्चों की सेफ्टी-सिक्योरिटी, स्टूडेंट-क्लासरूम अनुपात इत्यादि का खास खयाल रखने के निर्देश दिए गए है।

किसान संघर्ष समिति की 320वीं किसान पंचायत संपन्न

- जल, जंगल, जमीन और खनिज के वस्तुकरण के खिलाफ संघर्षों के समर्थन में कार्यक्रम करेगा संयुक्त किसान मोर्चा
- इंडिया गठबंधन किसानों के लिए संसद के भीतर और सड़कों पर संघर्ष करें - डॉ सुनीलम

नयी दिल्ली। किसान संघर्ष समिति की 320 वीं किसान पंचायत किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष, पूर्व विधायक डॉ सुनीलम की अध्यक्षता में संपन्न हुई। किसान पंचायत में देश के विभिन्न किसान संगठनों के किसान नेता शामिल हुए।

किसान पंचायत में संयुक्त किसान मोर्चा के कार्यक्रमों - नेता प्रतिपक्ष से मुलाकात की समीक्षा, जलवायु परिवर्तन, पानी का संकट, किसानों और खेतिहर मजदूरों के लिए आजादी के मायने, आगामी विधानसभा चुनाव में किसानों के मुद्दे, हरियाणा सरकार की एमएसपी की घोषणा - किसानों को भ्रमित करने की साजिश एवं स्थानीय मुद्दे पर चर्चा की गई।

किसान पंचायत को संबोधित करते हुए किसान संघर्ष समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष पूर्व विधायक डॉ सुनीलम ने कहा कि 9 अगस्त को देशभर में कॉरपोरेट भगाओ दिवस मनाया गया तथा 17अगस्त को सभी राज्यों में जल संकट और जलवायु परिवर्तन के कारण कृषि पर पड़ने वाले प्रभाव तथा जल, जंगल और खनिज सहित प्राकृतिक संसाधनों के वस्तुकरण के खिलाफ कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।

उन्होंने कहा कि पहली बार देश के किसान संगठनों ने एकजुट होकर जलवायु संकट और जल संकट का मुद्दा उठाया है, जिसके दूरगामी परिणाम होंगे। डॉ सुनीलम ने कहा कि संकिमो आगामी चार राज्यों के विधानसभा चुनावों में भाजपा का विरोध करने, दंडित करने हेतु प्रभावशाली कार्यक्रम तय कर रहा है। सांसद एवं अ भा कि महासभा के महासचिव राजाराम सिंह ने कहा कि बजट सत्र में हमने फसलों के सी 2+ 50% पर खरीद की कानूनी गारंटी का मुद्दा उठाया था लेकिन इस पर प्रधानमंत्री और कृषि मंत्री का कोई बयान नही आया । हरियाणा से अ भा कि सभा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष का. इंद्रजीत सिंह ने कहा कि महिला पहलवान विनेश फोगाट किसानों की आवाज उठाती रही हैं इसलिए हरियाणा के किसान विनेश फोगाट को ओलंपिक से बाहर किए जाने को केंद्र सरकार का षड्यंत्र मानते हैं।

उन्होंने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव के मद्देनजर हरियाणा सरकार 24 फसलों की एम एस पी पर खरीद करने का दावा तो कर रही है लेकिन कानूनी गारंटी पर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है। तराई किसान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजिंदरसिंह विर्क ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा ने एम एस पी की कानूनी गारंटी और संपूर्ण कर्जा मुक्ति के मुद्दे पर नेता प्रतिपक्ष से चर्चा की जिसमें उन्होंने इंडिया गठबंधन के सहयोगी दल के नेताओं के साथ चर्चा कर संसद में प्रायवेट बिल संसद के पटल पर रखने का आश्वासन दिया है । उन्होंने उम्मीद जाहिर की है कि आने वाले समय में इस दिशा में बात काफी आगे बढ़ेगी।लोकशक्ति अभियान उड़ीसा के संयोजक प्रफुल्ल सामंतरा ने कहा कि प्राकृतिक संसाधनों के दोहन के बिना भी प्रदेश का विकास किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि नवीन पटनायक के शासन काल में कापोर्रेट को सौंपे गए प्राकृतिक संसाधनों पर रोक लगाने के लिए उड़ीसा के जन संगठन मुख्यमंत्री को मांग पत्र सौंपेंगे।

गुजरात से किसान नेता भरतसिंह झाला ने कहा कि गुजरात के किसानों के हालात बहुत खराब है। किसानों की उपज की एम एस पी पर खरीद नही होने से व्यापारी मन-मुताबिक दाम पर खरीद करते हैं। दुग्ध उत्पादक किसानों के हालात तो और भी बदतर है। उन्होंने कहा कि किसानों की लूट का असली नजारा तो गुजरात में देखने को मिल सकता है, यही गुजरात मॉडल है। किसान पंचायत को उत्तर प्रदेश के भारत किसान यूनियन के महासचिव डॉ आनन्द प्रकाश तिवारी ने किसानों को सम्मान निधि और फसल बीमा नहीं दिए जाने के मामले पेश करते हुए कहा कि आज भी कई किसान इन योजनाओं से वंचित है। किसान संघर्ष समिति की प्रदेश उपाध्यक्ष एड आराधना भार्गव ने कहा कि 9 अगस्त को छिंदवाड़ा में 'अडानी भागो, छिंदवाड़ा बचाओ नारे के साथ अडानी का पुतला, अडानी के कार्यालय के सामने जलाया गया। मालवा निमाड़ क्षेत्र संयोजक रामस्वरूप मंत्री ने कहा कि मंडियों में किसानों से माल खरीद कर व्यापारी भाग रहे हैं, लेकिन सरकार मौन है। व्यापारियों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है, जिससे किसानों में आक्रोश है। संयुक्त किसान मोर्चा रीवा के संयोजक एड शिवसिंह ने कहा कि पूरे प्रदेश के 70 से 80% तालाबों का अतिक्रमण हो चुका है, जिसे बचाना आवश्यक है। संकिमो सिवनी के संयोजक धर्मदास वासनिक ने कहा कि अतिवृष्टि से सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा जिले में मक्के की फसल नष्ट हो गई है , लेकिन सरकार ने अभी तक सर्वे की कार्यवाही शुरू नही की है।

शहीद राघवेंद्र सिंह किसान संघर्ष समिति के अध्यक्ष इंद्रजीत सिंह शंखु ने कहा कि सरकार द्वारा कृषि क्षेत्र को उपेक्षित किया जा रहा है। हर साल कृषि के बजट में कटौती की जा रही है। सागर से श्रमिक जनशक्ति यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष संदीप ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में नकली कीटनाशक और खरपतवार नाशक दवाओं का कारोबार चल रहा है। नकली दवाओं से किसानों की फैसले चौपट हो गई है लेकिन सरकार नकली दवाओं का कारोबार करने वालों के खिलाफ कोई कार्यवाही नहीं कर रही है।

नर्मदा बचाओ आंदोलन के मुकेश भगोरिया ने 31 अगस्त को नर्मदा बचाओ आंदोलन के 40वें वर्ष में प्रवेश करने पर बड़वानी में आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने की सभी से अपील की। मुलताई से किसंस के सचिव भागवत परिहार ने कहा कि देश में 2023-24 में गेहूँ का कुल उत्पादन 1129 लाख मीट्रिक टन हुआ लेकिन खरीद केवल 262 लाख मीट्रिक टन गेहूं की हुई। यानी खरीद केवल 23 प्रतिशत ही की गई। किसान शेष गेहूं व्यापारियों को औने पोने दाम में बेचने को मजबूर हैं। किसान पंचायत का लाइव प्रसारण बहुजन संवाद यूट्यूब चैनल और फेसबुक पेज पर प्रसारण किया गया।

एक नजर

गाजियाबाद में घड़ी शोरूम में चोरी मामले में प्रभारी निरीक्षक और चौकी प्रभारी निलंबित

गाजियाबाद, एजेंसी। गाजियाबाद के इंदिरापुर में एक घड़ी शोरूम में तीन करोड़ की चोरी के मामले में पुलिस के दो अफसरों पर गाज गिर गई है। विभाग ने इंदिरापुरम प्रभारी निरीक्षक और कनावनी चौकी प्रभारी को निलंबित कर दिया है। इंदिरापुरम कोतवाली क्षेत्र के अहिंसाखण्ड स्थित घड़ी शोरूम में तीन करोड़ रुपए से ज्यादा की चोरी के मामले में पुलिस आयुक्त ने इंदिरापुरम प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार दीखित और कनावनी चौकी प्रभारी लालचंद कनौजिया को निलंबित कर दिया है। घटना में चोरों का पता लगाने के लिए दो टीमों को और बढ़ाया गया है। डीसीपी निमिष पाटील का कहना है कि दोनों पर तत्काल प्रभाव से कार्रवाई के बाद टीमों को गिरोह की पहचान कर सुराग पता करने में लगाया है। जानकारी के लिए बता दें कि गाजियाबाद के अहिंसा खंड दो स्थित एक ब्रांडेड कंपनी की घड़ी के शोरूम का शटर उखाड़ कर चोरों ने करीब तीन करोड़ रुपये की घड़ियों को चोरी कर ली थी। चोरी की घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई थी।

एबीवीपी ने विवि संबंधी मांगों का दिया ज्ञापन

फरीदाबाद, एजेंसी। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद फरीदाबाद का सात सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को विभाग संयोजक दीपक भारद्वाज के नेतृत्व में अतिरिक्त उपायुक्त आनंद शर्मा से मिला और मुख्यमंत्री के नाम अपनी विश्वविद्यालय संबंधी मांगों का एक ज्ञापन सौंपा। एबीवीपी कार्यकताओं ने बताया कि पिछले लंबे समय से विश्वविद्यालय में प्रदूषण का स्तर बढ़ने से विद्यार्थियों को स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा हैं। कई बार आग्रह के बाद भी प्रशासन की नींद नहीं खुल रही है।

इसलिए सोमवार को अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के प्रतिनिधिमंडल ने अतिरिक्त उपायुक्त से मुलाकात कर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित अपनी विश्वविद्यालय संबंधी मांगों का एक ज्ञापन उन्हें सौंपा है। छात्र नेताओं ने कहा कि विश्वविद्यालय कैंपस में मूलभूत सुविधाओं की बड़ी कमी है, उन्हें तुरंत प्रभाव से पूर्ण किया जाए। विश्वविद्यालय में पिछले तीन वर्ष से हॉस्टल की सुविधा उपलब्ध नहीं है। इसलिए तुरंत प्रभाव से हॉस्टल बनाकर विद्यार्थियों को दिए जाएं। उन्होंने चेताते हुए कहा कि अगर मांगों पर कार्रवाई नहीं की गई तो विद्यार्थी परिषद आंदोलन करेगा। इस मौके नगर मंत्री सिद्धार्थ, प्रांत कार्यकारिणी सदस्य युधिष्ठिर शर्मा, कॉलेज उपाध्यक्ष निखिल, मुकुल, भारत, साहिल, हिमांशु आदि मौजूद रहे।

नोएडा में सौतेला बाप बेटी को दिखाता था अश्लील वीडियो, गिरफ्तार

नोएडा, एजेंसी। थाना सेक्टर-126 क्षेत्र के एक नामी सोसायटी में रहने वाली एक महिला ने अपने पति पर आरोप लगाया है कि वह उसकी 13 साल की बच्ची को कई दिनों से अश्लील वीडियो दिखाकर उसके साथ गलत काम करना चाह रहा है। समझाने के बाद भी वह अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा है। थाना सेक्टर-126 के प्रभारी निरीक्षक भूपेंद्र बालियान ने बताया कि थाना क्षेत्र में स्थित एक नामी सोसायटी में रहने वाली एक महिला ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि उसका पति उसकी 13 वर्षीय बेटी को अश्लील वीडियो दिखा रहा था। वह बच्ची के साथ गलत काम करने की नीयत से इस कृत्य को कर रहा था। उन्होंने बताया कि आरोपी किशोरी का सौतेला पिता है। थाना प्रभारी ने बताया कि घटना की रिपोर्ट दर्जकर पुलिस ने आरोपी सौतेले पिता हरजोत सिंह सोलंकी को गिरफ्तार किया है। वहीं आरोपी का कहना है कि महिला ने उस पर गलत आरोप लगाये है।

गाजियाबाद में रात से सील होंगी सीमाए

गाजियाबाद, एजेंसी। स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम के पूर्वाभ्यास मद्देनजर गाजियाबाद कमिश्नरेट पुलिस ने सोमवार रात आठ बजे से रिहर्सल के खत्म होने तक दिल्ली की सीमाओं को सील करने और सभी प्रकार के व्यावसायिक वाहनों के प्रवेश पर पाबंदी लगाने का निर्णय लिया है। इसके अलावा 14 अगस्त की रात आठ बजे से 15 अगस्त तक व्यावसायिक वाहनों का दिल्ली में प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यह प्रतिबंध लाल किला पर कार्यक्रम संपन्न होने के बाद हटेगा। एडीसीपी यातायात पीयूष सिंह ने बताया कि स्वतंत्रता दिवस पर दिल्ली के लाल किला पर होने वाले कार्यक्रम की सुरक्षा के मद्देनजर डायवर्जन करने का निर्णय लिया गया है। एनएच-9, डाबर तिराहा से यूपी गेट होते हुए, मोहननगर से सीमापुरी बॉर्डर होते हुए, भोपुरा बॉर्डर से, पुस्ता खजूरी, सूर्यनगर बॉर्डर की ओर से दिल्ली में प्रवेश दोनों दिन बंद रहेगा।

बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर अत्याचार के खिलाफ गाजियाबाद में प्रदर्शन

गाजियाबाद, एजेंसी। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिन्दुओं पर हो रहे अत्याचार के विरोध में गोल्फलिंक सोसायटी के निवासियों ने सोमवार को विरोध प्रदर्शन किया। स्थानीय निवासियों ने हाथों में काली पट्टी बांधकर प्रदर्शन किया।

इस प्रदर्शन में सैंकड़ों की संख्या में महिला, पुरूष एवं बच्चे शामिल रहे। इस दौरान प्रदर्शन कर रहे लोगों ने बांग्लादेश में हिन्दुओं के ऊपर हो रहे अत्याचार के विरोध में नारे लगा रहे थे। प्रदर्शन लैंड क्राफ्ट गेट नम्बर-2 से प्रारम्भ होते हुये टी ब्लाक-पॉम ड्राईव-विला-डब्लू ब्लॉक-फेस टू-फेस वन-स्कार्डी-आशियाना होते हुये क्रिस्टल क्लब पर समाप्त हुआ। इस अवसर पर प्रदर्शनकारियों ने कहा कि बांग्लादेश में वहां के बहुसंख्यक मुस्लिम समुदाय द्वारा अल्पसंख्यक हिन्दुओं को लगातार निशाना बनाया जा रहा है। वहां का प्रशासन मूक दर्शक की स्थिति में है। बांग्लादेश से आ रहे समाचार और चित्रों को देखकर हम सभी का मन व्यथित एवं क्षुब्ध है। प्रदर्शनकारियों में मुख्य रूप से अमर किशन कौशिक, रविन्द्र बंसल, अरविन्द मलिक, विनोद रावल, महेश जोशी, सुशील शर्मा, अमित मित्तल, आलोक प्रताप सिंह, अमित बैंसला, राहुल चतुवेर्दी, संजय कुशवाहा, विपिन त्यागी, कविता शर्मा, रेखा चतुवेर्दी, प्रभा, नीति आदि प्रमुख रूप से उपस्थित

नोएडा में पति-पत्नी की नोकझोंक पर हुई कव्वाली ने बांधा समां

नोएडा, एजेंसी। भारत विकास परिषद स्वर्णिम शाखा द्वारा तीज महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। शिशु मंदिर सेक्टर-12 में आयोजित तीज महोत्सव में शाखा से जुड़े सभी परिवारों ने हिस्सा लिया। तीज महोत्सव में शाखा परिवार की सभी मातृशक्तियों एवं बच्चों ने बड़ी ही मनमोहक डांस एवं गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में पति पत्नी की नोकझोंक के ऊपर प्रस्तुत की गई कव्वाली आकर्षण का केंद्र रही।

शाखा सचिव प्रमोद शर्मा ने बताया कि कार्यक्रम में अति विशिष्ट अतिथि के रूप में महेश बाबू गुप्ता (राष्ट्रीय वित्त मंत्री) एवं श्रीमती सुमन गुप्ता, प्रांतीय टीम से विशिष्ट अथिति के रूप में एन.के. शर्मा, कवित बंसल, राजीव आजमानी एवं अंकुर अग्रवाल सपत्नी उपस्थित रहे। मंच का संचालन डॉ सुष्मिता एवं दीपसी द्वारा किया गया। इस अवसर पर शाखा अध्यक्ष अजय अग्रवाल, कोषाध्यक्ष ओम प्रकाश बंसल, महिला संयोजिका स्मृति गुप्ता, नैवेद्य शर्मा, महेन्द्र शाह, मुकुल बाजपेयी, डॉ एम के अग्रवाल, प्रवीण अग्रवाल,राम चन्द्र बजाज, पी के अग्रवाल, बलराज गोयल, जे एल गुप्ता, डॉ नितिन अग्रवाल, डॉ सुरेश गुप्ता, डॉ आलोक गोयल, दिनेश मित्तल, प्रकाश ईनानी, बी डी गुप्ता, प्रमोद गुप्ता, राजेश खंडेलवाल, श्रीमति अंशु अग्रवाल, श्रीमती कल्पना अग्रवाल, श्रीमती सुमित्रा शाह, श्रीमती सपना बंसल, श्रीमती शिंधुजा बाजपेयी, श्रीमती मीनू अग्रवाल, श्रीमती सुजाता शर्मा, श्रीमती शालू गोयल, श्रीमती मीरा बजाज, इत्यादि।

भारतीय सोशलिस्ट मंच ने अगस्त क्रांति के शहीदों को किया याद

- चोटपुर कॉलोनी में मनाई गई प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी उषा मेहता की पुण्यतिथि
- चोटपुर की समस्याओं पर भी हुई चर्चा

नोएडा। सेक्टर 63 स्थित चोटपुर कॉलोनी में प्रख्यात स्वतंत्रता सेनानी ऊषा मेहता की पुण्यतिथि मनाई गई। यह कार्यक्रम भारतीय सोशलिस्ट मंच के बैनर तले किया गया। इस अवसर पर अगस्त क्रांति के शहीदों को याद किया गया। कार्यक्रम में चोटपुर कॉलोनी की समस्याओं को भी उठाया गया। इस अवसर पर मंच के उत्तर प्रदेश प्रभारी देवेंद्र अवाना ने कहा कि ऊषा मेहता ने अपने जज पिता के विरोध में जाकर आजादी की लड़ाई में सक्रिय भागीदारी निभाई। जिस कांग्रेस रेडियो से प्रख्यात समाजवादी डॉ. राम मनोहर लोहिया ने देश को संबोधित किया था। उसकी स्थापना ऊषा मेहता ने ही अपने सहपाठियों के साथ मिलकर की थी। उन्होंने कहा कि जब गांधी जी ने करो या मरो का नारा दिया तो गांधी जी, नेहरू, सरदार पटेल समेत बड़े कांग्रेसी गिरफ्तार कर लिए गए थे। डॉ राम मनोहर की अगुआई में समाजवादियों ने भूमिगत रहते हुए आंदोलन की अगुवाई की थी। मंच के राष्ट्रीय प्रवक्ता चरण सिंह ने कहा कि लोहिया जी अगस्त क्रांति दिवस को स्वतंत्रता दिवस से ज्यादा महत्व देते थे। उनका कहना था कि देश को क्षीण आजादी मिली तो स्वतंत्रता दिवस मनाते हैं। अगस्त क्रांति दिवस 9 अगस्त जनता की अभिव्यक्ति थी।

ह्यमंच के जिलाध्यक्ष देवेंद्र गुर्जर ने कहा कि चोटपुर कॉलोनी की समस्याओं को हल करने के लिए एकजुट हो जाइए। उन्होंने चोटपुर कॉलोनी के लोगों को आश्वस्त किया भारतीय सोशलिस्ट मंच उनके संघर्ष में हर संभव सहयोग करेगा। हम लोग उनके कंधे से कंधा मिलाकर काम करेंगे।

भाकिमो की बैठक में बनी कार्यक्रमों की रूपरेखा

नोएडा। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा नोएडा महानगर के द्वारा बैठक का आयोजन किया गया। यह बैठक आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा बनाई गई। इस बैठक की नेतृत्व ओमवीर अवाना जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा भारतीय जनता पार्टी ने की। यहाँ श्री मनोज गुप्ता जिला अध्यक्ष नोएडा महानगर भी उपस्थित रहे। इस बैठक के मुख्य वक्ता श्री सुशील शर्मा, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, बीजेपी रहे। सुशील शर्मा ने स्वच्छता के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत क्षेत्र में सभी प्रमुख व्यक्तियों की मूर्तियों की सफाई की जाएगी और उन मूर्तियों का माल्यार्पण किया जाएगा।मनोज गुप्ता ने उपस्थित कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा। हर घर तिरंगा अभियान हमारे राष्ट्रीय ध्वज के प्रति सम्मान और देशभक्ति की भावना को प्रकट करता है। तिरंगा हमारे देश की विविधता में एकता का प्रतीक है।जब हम अपने घरों में तिरंगा फहराते हैं, तो हम अपने देश के प्रति अपनी निष्ठा और प्यार को व्यक्त करते हैं। यह हमें याद दिलाता है कि हमारी ताकत हमारी एकता में है।आइए, इस अभियान को सफल बनाएं और अपने देश के प्रति अपने सम्मान को प्रकट करें। ओमवीर अवाना ने "हर घर तिरंगा" अभियान के बारे में बताया और आगामी दिनों में आयोजित होने वाले अन्य कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने कार्यकताओं को प्रोत्साहित करते हुए कार्यक्रम को जोर-शोर से आगे बढ़ाने और पूर्ण करने का आवाहन किया। ओमवीर अवाना ने कार्यक्रमों की सूची वहां उपस्थित कार्यकताओं के साथ साझा की और सभी

कार्यकताओं को निम्नलिखित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने एवं इन कार्यक्रमों को संपूर्ण रूप से सफल बनाने में योगदान करे। कार्यक्रमों की सूची निम्नलिखित है:- उत्तर प्रदेश के सभी संगठनात्मक जनपदों की ज़िला बैठक, महापुरुषों के प्रतिमाओं पर जा कर सफाई / स्वच्छता अभियान चलाना है एवं प्रतिमाओं का माल्यार्पण करना है। अपने क्षेत्र के सभी किसान भाइयों से 15 अगस्त को तिरंगा फहराने की अपील करना है। इस कार्यक्रम के अंतर्गत सभी कार्यकताओं को तिरंगा यात्रा हर घर तिरंगा में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना है और इन कार्यक्रमों को सजक रूप से सफल बनाना है। बैठक में उपस्थित अन्य सदस्य मुकतानंद प्रधान, इंद्रज खटाना,दिनेश चौहान,अजय यादव, सर्वेश कुमार, विजय अवाना, सतपाल अवाना, अभय त्यागी, राकेश प्रधान, मांगेराम शर्मा, लोकेश, सुनील चंदेल, प्रीत चौहान, करण चौहान, रोहन, उमेश भाटी, प्रवीण तोमर, ललित कुमार, गजराज, मुकेश कुमार, नितिन कुमार, प्रदीप, निखिल कुमार ॥

पीके चौहान और मजहर नामी को शाल ओढ़ाकर किया गया सम्मानित

किरतपुर। स्वच्छ भारत मिशन-नगरीय के अंतर्गत अंतरास्ट्रीय युवा दिवस एंव स्वच्छ सारथी क्लब द्वारा स्वच्छ पाठशाला 2 के तहत नगर पालिका परिषद किरतपुर में सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड अम्बेसडर पीके चौहान एंव एमआईसी के प्रधाचार्य मजहर नामी को शाल ओढ़कर सम्मानित किया गया।

सोमवार को नगर पालिका परिषद किरतपुर द्वारा आयोजित कार्यक्रम में स्वच्छ जागरूकता अभियान में अभूतपूर्व योगदान के लिये पीके चौहान व मजहर नामी को शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। स्वच्छ भारत मिशन के ब्रांड अम्बेसडर पीके चौहान की अध्यक्षता व प्रधान लिपिक हसन मुस्तफा के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में पालिका को स्वच्छता के मामले में नम्बर 1 रेंक लाने के लिये विशेष योगदान का आव्हान किया।अंतरराष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में सुरेन्द्र सिंह, ज्ञानेश्वरानन्द, बाबूराम, सुंदर सिंह, मुस्तकीम, प्रशान्त, नासिर, शहजाद आलम रहे।

रामा कालेज की अश्वनी रानी बनी बीएससी होम साइंस टापर

किरतपुर। रामा इंस्टिट्यूट आफ हायर एजुकेशन, किरतपुर का बी.एस.सी.होमसाइंस फाइनल ईयर का परीक्षा परिणाम एम० जे० पी० रुहेलखण्ड विश्वविद्यालय बरेली द्वारा घोषित किया गया।बी.एस.सी.होमसाइंस का परीक्षा परिणाम शत प्रतिशत रहा। अश्वनी रानी ने 76 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान, अल्फिया अंसारी ने 72 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान, कुमकुम ने 71 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान, यवनिका ने 70.6 प्रतिशत

अंक प्राप्त कर चतुर्थ स्थान फरहा नाज ने 69.3 प्रतिशत अंक प्राप्त कर पंचम स्थान प्राप्त किया। शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम घोषित होने पर कालेज के निदेशक डा० भूपेन्द्र चौधरी, प्राचार्य डा० डबलेश कुमार, उप प्राचार्य डा० रवीश कुमार एवं प्रो० डा० सी०डी० शर्मा ने बी.एस.सी. होमसाइंस विभागाध्यक्ष श्री मती प्रीति चौहान, कॉरडिनेटर रचना चौधरी, मोनिका सिंह, रुबी पॉलीवाल, जैनब नाज आदि सभी प्राध्यापिकाओं को इस परीक्षा परिणाम का श्रेय दिया। सभी छात्राओं को शुभकामनाएं दीं।

मनीष सिसोदिया ने ईडी-सीबीआई दफ्तर जाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा दी गई जमानत की शर्तों का पालन करते हुए सोमवार को सुबह ईडी और सीबीआई के दफ्तर जाकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सुप्रीम कोर्ट ने सुबह 10 से 11 बजे के बीच दोनों जांच एजेंसियां के दफ्तर जाकर अपने जांच अधिकारी के सामने अपनी मौजूदगी दर्ज कराने का आदेश दिया था।

मनीष सिसोदिया ने सुप्रीम कोर्ट के आदेश का अक्षरशः पालन करते हुए एक सामान्य नागरिक की तरह पहले सीबीआई के दफ्तर पहुंचे, जहां उन्होंने अपने जांच अधिकारी मुलाकात कर उपस्थिति रजिस्टर में हस्ताक्षर किया। इसके उपरांत वो ईडी दफ्तर के लिए रवाना हुए और वहां भी जांच अधिकारी के समक्ष अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। इस दौरान मनीष सिसोदिया ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि सुप्रीम कोर्ट के आदेशों का पालन करना मेरी प्राथमिकता है। सुप्रीम कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि मुझे हर सोमवार और गुरुवार को सुबह 10 से 11 बजे के बीच ईडी और सीबीआई के दफ्तर में जाकर अपनी उपस्थिति देनी है। इसलिए सुबह मैं सबसे पहले सीबीआई के दफ्तर और फिर ईडी के दफ्तर गया।

वहां जाकर मैंने दोनों एजेंसियों के इनवेस्टिंग ऑफिसर से मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि मनीष सिसोदिया पिछले 17 महीने से तिहाड़ जेल में थे। इस मामले में ईडी और सीबीआई दोनों ने केस पंजीकृत किया है और जांच कर रही हैं।

जनतंत्र समाज (सिटीजंस फॉर डेमोक्रेसी)

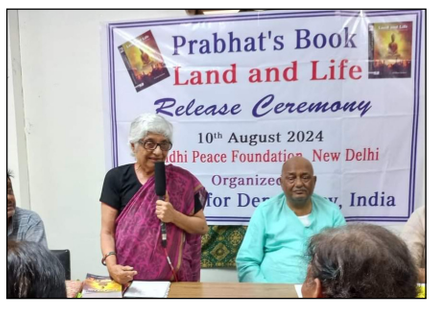

नयी दिल्ली। देश की राजधानी दिल्ली के गांधी शांति प्रतिष्ठान में जनतंत्र समाज (सी एफ डी) के राष्ट्रीय परिषद की वार्षिक बैठक 10 और 11 अगस्त को राष्ट्रीय अध्यक्ष एस आर हीरेमठ की अध्यक्षता में संपन्न हुआ इस सभा के प्रथम सत्र में जेपी आंदोलन के सिपाही और छात्र संघर्ष वाहिनी के प्रमुख कार्यकर्ता प्रभात कुमार की पुस्तक ' लैंड एंड लाइफ ' का लोकार्पण प्रसिद्ध पत्रकार नीरजा चौधरी ने किया। इस अवसर पर नीरजा चौधरी ने जे पी आंदोलन और बौद्धगया मठ के खिलाफ छात्र संघर्ष वाहिनी के ऐतिहासिक आंदोलन की विस्तार से चर्चा की। उस आंदोलन की एक और प्रसिद्ध नेत्री मणिमाला ने भी अपने तथा अन्य महिला साथियों के संघर्ष और पुलिस दामन से संबंधित संस्मरण सुनाए। राष्ट्रीय परिषद की मीटिंग में जनतंत्र समाज के महासचिव एचडी पंचोली के द्वारा वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत किया गया । दूसरे सत्र में राष्ट्रीय परिषद के उपाध्यक्ष तेजिंदर सिंह आहूजा ने मोदी सरकार के द्वारा लीगल कोड में परिवर्तन पर विस्तार से अपने विचार रखे तथा इसमें परिवर्तनों पर गंभीर सवाल उठाए और इसे अत्यंत खतरनाक बताया। उन्होंने कहा कि इसका बार काउंसिल, बार एसोसिएशन तथा नागरिक संगठनों के द्वारा जोरदार विरोध होना चाहिए और इसकी वापसी की मांग होनी चाहिए । सी एफ डी ने इन तीनों लीगल कोड को वापस करने की मांग संबंधित प्रस्ताव पारित किया । इसके बाद राष्ट्रीय परिषद के सदस्य दीपक ढोलकिया द्वारा सी एफ डी के लिए प्रस्तावित मसौदे पर सदस्यों के बीच लंबी चर्चा हुई। पहले दिन के सत्र समाप्ति के पूर्व जनतंत्र समाज के अध्यक्ष ने भारत में चुनाव सुधार पर जे पी द्वारा स्थापित जस्टिस तारकुंडे कमिटी से लेकर संसद की दिनेश गोस्वामी कमिटी तथा इंद्रजीत गुप्ता कमिटी के सुझावों पर विस्तार से चर्चा की और आज के संदर्भ में चुनाव सुधार की आवश्यकता पर जोर दिया। दूसरे दिन के सत्र में चुनाव सुधार पर चर्चा की शुरूआत जनतंत्र समाज के उपाध्यक्ष रामशरण ने किया और एसोसिएशन ऑफ डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के प्रमुख प्रोफेसर जगदीप छोकर तथा जे पी फाउंडेशन के अध्यक्ष ने चर्चा में शामिल होकर चुनाव सुधार में राजनीतिक पार्टियों में आंतरिक लोकतंत्र को देश में लोकतंत्र के लिए आवश्यक बताया।

जुआ खिलाने वाले दो आरोपियों को पुलिस ने दबोचा

फरीदाबाद, एजेंसी। जुआ खिलाने वाले दो आरोपियों को अपराध शाखा ऊंचा गांव ने अलग-अलग स्थान से गिरफ्तार कर 30 हजार 500 रुपए की राशि बरामद की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया है। पुलिस प्रवक्ता ने सोमवार को बताया कि गिरफ्तार आरोपियों में तूफानी और शिव कुमार का नाम शामिल है।

आरोपी तूफानी सूर्य विहार, आनंदपुर तथा आरोपी शिवकुमार ऐसी नगर का रहने वाला है। अपराध शाखा टीम ने अपने गुप्त सूत्रों से प्राप्त सूचना से आरोपी तूफानी को दुर्गा बिल्डर इस्लामपुर रोड, पल्ला से काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने 10,200 बरामद किए गए। आरोपी के खिलाफ थाना पल्ला में जुआ खिलाने की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। दूसरे आरोपी शिवकुमार (26) को अपराध शाखा की टीम ने रेलवे स्टेशन बल्लबगढ़ एरिया से जुआ खिलाते हुए काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर आरोपी से 20,300 रुपये नगद बरामद किए गए। आरोपी के खिलाफ जुआ खिलाने की धाराओं में सिटी बल्लभगढ़ थाना में मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया गया है। आरोपी पर पूर्व में भी जुआ खिलाने के मुकदमे दर्ज हैं।

संक्षिप्त खबरें

कनपटी पर सटाया तमंचा, और दबा दिया ट्रिगर, खून से लथपथ बेटे की लाश देख चीख पड़े घरवालेलगी गोली

आगरा। उत्तर प्रदेश के आगरा में रविवार की रात युवक ने खुद को गोली मारकर सुसाइड कर लिया। खून से लथपथ लाथ देखी तो घरवाले चीख पड़े। शोर सुनकर आसपास के लोग भी आ गए। मौजूद लोग घरवालों को ढांढस बंधाते रहे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

घटना ताजगंज थाना क्षेत्र के गड़ी रद्दू की है। गांव निवासी गिर्राज सिंह के बेटे आकाश (22) की शादी दो वर्ष पूर्व हुई थी। आकाश किसानी करता था। रविवार की रात करीब 8 बजे उसके चाचा के लड़के विक्रांत को आकाश के कमरे से गोली चलने की आवाज आई। आवाज सुन वह और आसपास के लोग भागकर पहुंचे।

कमरे में आकाश खून से लथपथ पड़ा था। घरवाले उसे आनन-फानन अस्पताल लेकर पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। परिजन ने बिना पुलिस को सूचना दिए अंतिम संस्कार कर दिया। खबर पाकर ससुरालीजन मौके पर पहुंचे। ससुर केदार सिंह और साले ने फोन करके पुलिस को बुला लिया। कहा कि घरवालों ने सूचना तक नहीं दी। ग्रामीणों की सूचना पर वह पहुंचे हैं। पुलिस ने घरवालों से बात करके घटना की जानकारी ली। बताया गया कि आकाश और पत्नी रेखा से करीब 20 दिन पूर्व पुत्री हुई है। थाना प्रभारी ने बताया कि आकाश शराब पीने के लिए पैसा मांग रहा था। पैसा ना मिलने पर उसने सुसाइड कर लिया।

राहुल गांधी के खिलाफ दायर केस में टली सुनवाई, अवकाश पर रहे एमपीएमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट

सुल्तानपुर। गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के खिलाफ दायर मानहानि केस में सोमवार को सुनवाई नहीं हो पाई। एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा के अवकाश पर रहने के कारण अगली सुनवाई के लिए 23 अगस्त की तिथि नियत की गई है।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्र ने चार अगस्त 2018 को परिवाद दायर किया था। उनका आरोप है कि राहुल गांधी ने 15 जुलाई 2018 को कर्नाटक विधानसभा चुनाव के दौरान बंगलुरू में गृह मंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी। इससे उनकी भावनाएं आहत हुई।

20 फरवरी 2024 को राहुल गांधी ने कोर्ट में हाजिर होकर अपनी जमानत कराई थी और 26 जुलाई को उनका बयान दर्ज किया गया था। सोमवार को मामले में सुनवाई होनी थी लेकिन पीठासीन अधिकारी के अवकाश पर रहने के कारण सुनवाई टल गई। अगली तिथि 23 अगस्त नियत की गई है।

पोते को पकड़ने घर आई पुलिस, सदमे में दादी की मौत; थाना प्रभारी बोले- बीमार थी, डॉक्टरों ने बताया कुछ और

खुर्जा । जंक्शन यूपी के खुर्जा स्थित विमला नगर कॉलोनी में पोते को पकड़ने गई पुलिस के बाद सदमे में आकर दादी की मौत हो गई। वहीं इसके बाद पुलिस ने पोते से पूछताछ करके उसको छोड़ दिया। मामले में परिजनों की ओर से कोई शिकायत नहीं दी गई है, मगर अन्य लोग इसमें पुलिस की लापरवाही बता रहे हैं। खुर्जा जंक्शन चौकी क्षेत्र के विमला नगर कॉलोनी निवासी लोगों ने बताया कि कॉलोनी में रहने वाले साहिल का रविवार शाम को रेलवे स्टेशन के पास अन्य युवकों से झगड़ा हो गया था। इसके बाद साहिल अपने घर आ गया। वहीं दूसरे पक्ष ने 112 नंबर पर पुलिस को झगड़े की सूचना दी। रात को सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की और और साहिल को पकड़ने उसके घर चली गई।

जहां पर साहिल की दादी सोमा देवी (70) ने दरवाजा खोला। पुलिस को देख सोमा देवी परेशान हो गई और घर आने का कारण पूछा। पुलिस ने साहिल के बारे में पूछताछ की और उसको बाहर बुलाने के लिए बोला। इसी बात को लेकर परिवार के सभी लोग वहां आ गए। तभी सोमा देवी की तबीयत बिगड़ी और वह बेहोश हो कर गिर गई। परिजन उनको खुर्जा के जटिया अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने सोमा देवी को मृत घोषित कर दिया। इसमें वृद्धा की मौत का कारण हृदय घात बताया गया। मामले में परिजन कुछ भी कहने को तैयार नहीं हैं।

खुर्जा कोतवाली प्रभारी राजपाल तोमर ने बताया कि साहिल का कुछ युवकों से झगड़ा हो गया था। इसी संबंध में पुलिस पूछताछ करने गई थी। वृद्धा की तबीयत पहले से खराब चल रही थी। इसी कारण उनकी मौत हो गई है।

72 साल की महिला ने दर्ज कराया दहेज उत्पीड़न का केस, बोली-धोखे से शादी की, शराब पीकर घर आता था पति

मेरठ । मेरठ में ईश्वरपुरी निवासी 72 साल की सेवानिवृत्त शिक्षिका देविंद्रा रानी ने पति के खिलाफ कोर्ट के आदेश पर दहेज उत्पीड़न की रिपोर्ट दर्ज कराई है। शिक्षिका की 48 साल की उम्र में कम आयु के नरेश से शादी हुई थी। आरोप है कि नरेश ने खुद को सुपरवाइजर बता धोखा देकर शादी की थी। दो साल पहले दोनों का तलाक भी हो चुका है।

ब्रह्मपुरी थाना क्षेत्र की ईश्वरपुरी निवासी देविंद्रा रानी ने कोर्ट में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि वर्ष 2000 में उनकी शादी बुलंदशहर के गांव सराय लौंगा निवासी नरेश के साथ हुई थी। शादी से पहले ही वह माध्यमिक विद्यालय में शिक्षिका थीं। नरेश और उसके परिजन ने शादी से पहले झूठ बोला था कि वह एक प्राइवेट कंपनी में सुपरवाइजर है। बाद में पता चला कि नरेश कोई काम नहीं करता है। वह शराब पीकर आता था और पैसों की मांग करता था। पैसे देने से मना करने पर शिक्षिका से मारपीट करता था। नरेश ने उनकी सरकारी नौकरी के लालच में उम्र में काफी छोटा होने के बावजूद शादी की थी। पति के उत्पीड़न से त्रस्त होकर शिक्षिका मायके में आकर रहने लगीं।

कुछ समय बाद नरेश आया और अपने व्यवहार के लिए माफी मांगकर उन्हें साथ ले गया। कुछ दिन बाद फिर से उसने जबरदस्ती शराब पीने के लिए पैसे वसूलने शुरू कर दिए। पीड़िता सात माह की गर्भवती हुईं तो नरेश ने उनके साथ बुरी तरह मारपीट की। जिससे उनका गर्भपात हो गया।

नरेश ने उनकी संपत्ति और पैसे हड़पने के लिए सोते समय उनके सिर पर किसी भारी वस्तु से प्रहार किया। जिससे वह बेहोश हो गईं। मुंहबोले भाई फूल सिंह ने नरेश के विरोध के बावजूद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। जब होश आया तो पीड़िता की स्मरण शक्ति काफी कमजोर हो गई थी। शरीर का कुछ हिस्सा लकवाग्रस्त भी हो गया था। वर्ष 2022 में उन्होंने परिवार न्यायालय के माध्यम से नरेश से तलाक ले लिया।

कुछ दिन से नरेश उनके घर के आसपास घूम रहा है। घर के पास खड़े होकर उन्हें और फूल सिंह को जान से मारने की धमकी देता है। उन्होंने ब्रह्मपुरी थाने में तहरीर दी थी, लेकिन पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज नहीं की। प्रार्थना पत्र पर सुनवाई के बाद कोर्ट ने ब्रह्मपुरी पुलिस को रिपोर्ट दर्ज करने का आदेश दिया था।

129 शराबी और 41 मनचले गिरफ्तार, ट्रैफिक नियम तोड़ने में 824 गाड़ियां सीजे

वाराणसी। कमिश्नरेट पुलिस ने रविवार को पैदल गश्त अभियान चलाकर बड़ी कार्रवाई की। इस दौरान 129 शराबी, 41 मनचले गिरफ्तार किए गए। वहीं, यातायात नियम तोड़ने में 824 गाड़ियां सीज की गई और 309 स्थानों से अतिक्रमण हटाए गए। पुलिस आयुक्त मोहित अग्रवाल ने श्रीकाशी विश्वनाथ धाम क्षेत्र में गश्त के दौरान खामियों को दुरुस्त करने पर जोर दिया। चौथे सोमवार पर उन्होंने दर्शनार्थियों की सुरक्षा और सुविधा की तैयारियों का निरीक्षण किया। व्यापारियों से संवाद कर उनकी समस्याएं जानीं। पुलिस आयुक्त ने गंगा नदी के बढ़े जल स्तर के तहत विशेष सतर्कता बरतने और दर्शनार्थियों की अत्यधिक संख्या को देखते हुए अतिरिक्त बैरिकेडिंग कराने के निर्देश दिए। गश्त के दौरान अपर पुलिस आयुक्त कानून एवं व्यवस्था एस. चन्नप्पा, पुलिस उपायुक्त सुरक्षा सूर्यकांत त्रिपाठी, पुलिस उपायुक्त काशी जोन गौरव वंशवाल, अपर पुलिस उपायुक्त काशी जोन नीतू, अपर पुलिस उपायुक्त सुरक्षा ममता रानी आदि रहीं। उधर, डीसीपी गोमती जोन मनीष कुमार शांडिल्य ने रविवार की शाम मिजार्मुराद थाने का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कार्यालय, सीसीटीएनएस रूम, बैरक, मेस और महिला हेल्प डेस्क का जाल जाना।

अलीगढ़ वासियों को तोहफा: 16 अगस्त से होगा वंदे भारत का ठहराव, रेलवे बोर्ड ने दी मंजूरी, ये होगा टाइमिंग

अलीगढ़। रेलवे ने अलीगढ़वासियों को स्वतंत्रता दिवस का तोहफा दिया है। दिल्ली-अयोध्या वंदेभारत ट्रेन के अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर ठहराव को रेलवे बोर्ड ने मंजूरी दे दी है। 16 अगस्त से अलीगढ़ स्टेशन पर ट्रेन का ठहराव होगा। अब अलीगढ़ के यात्रियों की अयोध्या में भगवान श्रीराम के दर्शनों की मुराद पूरी हो सकेगी। इस ट्रेन का शुभारंभ सांसद सतीश गौतम हरी झंडी दिखाकर करेंगे और खुद भी सफर करेंगे।

आनंद विहार से अयोध्या को जाने वाली गाड़ी संख्या 22426 वंदे भारत ट्रेन अलीगढ़ स्टेशन पर दिल्ली से नियमित सुबह सात बजे आएगी, जो कानपुर, लखनऊ होते अयोध्या पहुंचेगी। अयोध्या से यह ट्रेन दोपहर 03:20 चलकर अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर रात करीब 10 बजे पहुंचेगी।

लंबे समय से यात्री कर रहे थे मांग... आनंद विहार और नई दिल्ली से चलने वाली वंदे भारत ट्रेनें रोजाना अलीगढ़ से गुजरती हैं, मगर यहां पर ठहराव न होने से अलीगढ़ के यात्रियों को मायूसी हाथ लगती थी। पिछले दिनों संसद में पेश हुए बजट में लोगों को उम्मीद थी कि वंदे भारत ट्रेन का अलीगढ़ में ठहराव होगा। दैनिक यात्री और स्थानीय लोग लंबे समय से वंदे भारत, राजधानी समेत कुछ अन्य ट्रेनों के अलीगढ़ स्टेशन पर ठहराव की मांग कर रहे थे। खासकर अलीगढ़ से लखनऊ व अयोध्या की यात्रा करने वाले यात्री वंदे भारत ट्रेन के ठहराव की मांग कर रहे थे।

दिल्ली से अलीगढ़ तक लगेंगे मात्र 70 मिनट... आनंद विहार दिल्ली से अलीगढ़ तक का सफर इस ट्रेन से मात्र 70 मिनट में पूरा हो सकेगा। अलीगढ़ से कानपुर करीब ढाई घंटे में जा सकेंगे। अलीगढ़ से कानपुर, लखनऊ व अयोध्या तक सफर करने वाले यात्रियों के समय की बचत होगी और सफर भी आरामदायक रहेगा।

मानक पूरे, फिर भी अलीगढ़ को नहीं मिली राजधानी... दिल्ली-हावड़ा रेल ट्रैक पर दिल्ली से लखनऊ के बीच सुपरफास्ट राजधानी एक्सप्रेस चल रही है। मगर इस ट्रेन का अलीगढ़ में ठहराव नहीं है। जबकि ए श्रेणी में शुमार अलीगढ़ रेलवे स्टेशन राजधानी एक्सप्रेस के ठहराव के सारे मानकों को पूरा करता है। हर रोज औसतन यहां से 25 हजार से अधिक यात्री सफर करते हैं।

सांसद सतीश गौतम बोले- रेल मंत्री से की थी वंदे भारत की मांग

सांसद सतीश गौतम ने बताया कि वंदे भारत ट्रेन का अलीगढ़ में ठहराव होने से श्रीराम की नगरी अयोध्या जाने वाले लोगों को सीधा लाभ मिलेगा और उनकी यात्रा सुगम होगी। उन्होंने बताया कि काशी व अयोध्या के लिए सुपरफास्ट वंदे भारत के अलीगढ़ जंक्शन पर ठहराव की मांग को लेकर उन्होंने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की थी। रेल मंत्री ने उन्हें आश्वासन दिया था।
उन्होंने इस मांग को पूरा कर दिया है। सांसद ने बताया कि 16 अगस्त को ट्रेन का अलीगढ़ पहुंचने पर स्वागत किया जाएगा। हरी झंडी दिखाकर उसको रवाना किया जाएगा। वह खुद भी ट्रेन में सफर करेंगे और अयोध्या पहुंचकर भगवान श्रीराम के दर्शन करेंगे। अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर दिल्ली-अयोध्या वंदे भारत ट्रेन के ठहराव का आधिकारिक पत्र अभी जारी नहीं हुआ है। संभावना है कि सोमवार को औपचारिक रूप से पत्र जारी हो जाएगा। - अमित कुमार सिंह, जनसंपर्क अधिकारी, उत्तर मध्य रेलवे, प्रयागराज मंडल।

एनसीईआरटी की किताबें बाजार से गायब, पुरानी किताबों से पढ़ रहे विद्यार्थी

अलीगढ़। राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) की किताबें यूपी बोर्ड के हाईस्कूल और इंटर के पाठ्यक्रमों में लगी हैं मगर यह किताबें बाजार में नहीं हैं। यूपी बोर्ड का शैक्षणिक सत्र अप्रैल 2024 से शुरू हो चुका है। साढ़े चार महीने में बाजार में पूरा पाठ्यक्रम उपलब्ध नहीं है।

कक्षा 9 से कक्षा 12 तक में एनसीईआरटी की किताबें पढ़ाने का आदेश है। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने एनसीईआरटी की किताबों की दर सूची भी जारी कर दी है। कक्षा-9 के लिए एनसीईआरटी की किताबों का सेट करीब 365 रुपये का है, जबकि 10वीं में किताबों का सेट करीब 455 रुपये का है। कक्षा 11 और 12 की किताबों का सेट करीब 500 रुपये है। विद्यार्थियों ने बताया कि एनसीईआरटी की कुछ किताबें बाजार में उपलब्ध नही हैं।

खासतौर कक्षा 9 की विज्ञान और सामाजिक विज्ञान की किताबें नहीं हैं। इसी तरह कक्षा 11 और 12 में भौतिक विज्ञान, रसायन विज्ञान सहित अन्य किताबें नहीं हैं। विद्यार्थियों का कहना है कि पुस्तक विक्रेताओं से पूछा, कब तक किताबें आ जाएंगी तो उन्होंने जवाब दिया कि इस बारे में कुछ नहीं कह सकते। विद्यार्थियों ने कहा कि पुरानी या सहपाठी की किताबों से पढ़ना पड़ रहा है।

एनसीईआरटी की किताबें नहीं मिल रही हैं। अगर लखनऊ से किताबें मंगा लें तो खर्च ज्यादा आएगा और उसे ओवर रेट में बेच नहीं पाएंगे। मुनाफा नहीं मिलेगा।-भुवनेश, पुस्तक विक्रेता, अचल ताल एनसीईआरटी की किताबें इन दिनों मिल नहीं पा रही हैं। थोक विक्रेताओं का कहना है कि लखनऊ से किताबें नहीं आ रही हैं। एनसीईआरटी की किताबें काफी सस्ती हैं।-दया वार्ष्णेय, अचल ताल

पुस्तक विक्रेताओं के पास एनसीईआरटी की किताबें उपलब्ध हैं। उनसे कहा गया है कि बच्चों का ख्याल रखें। हो सकता है कि कुछ पुस्तक विक्रेताओं के पास किताबें न हों।-सर्वदानंद, डीआईओएस, अलीगढ़

हॉकी खिलाड़ी राजकुमार पाल ने मां को पहनाया मेडल, गले मिलकर भावुक हुए मां-बेटे

गाजीपुर। पेरिस ओलंपिक में हॉकी में कांस्य मेडल जीतकर अपने घर करमपुर लौटे भारतीय हॉकी टीम के खिलाड़ी राजकुमार पाल का गाजीपुर जिले में जोरदार स्वागत हुआ। करमपुर स्टेडियम पहुंचते ही उन्होंने अपनी मां मनराजी देवी का पैर छूकर आशीर्वाद लिया। इसके बाद मेडल मां के गले में डाल दिया। गले मिलकर मां-बेटे दोनों भावुक हो गए। फिर मां के साथ फोटो ली। इसके बाद राजकुमार ने मेडल तेज बहादुर सिंह के चित्र को पहनाया।

स्वागत के दौरान मीडिया से बातचीत में राजकुमार पाल ने कहा कि मैं अपने सपने के करीब आ गया हूं। ओलंपिक में टीम को पूरा भरोसा था कि हम फाइनल खेलेंगे। हमारा लक्ष्य था कि मेडल लेकर जाना है। इंग्लैंड से मैच के बीच के बाद हम लोगों ने रणनीति बनाई, जिसके तहत खेला।

लोगों को भरोसा दिलाते हुए उन्होंने कहा कि अगले ओलंपिक में हमें मेडल का रंग बदलना है।

इसके पहले बाबतपुर एयरपोर्ट पर पूर्व सांसद राधे मोहन सिंह ने हॉकी खिलाड़ी ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल का स्वागत किया। खेल प्रेमियों का काफिला एयरपोर्ट से बाहर आते ही दोनों खिलाड़ियों को माला पहनाकर स्वागत किया।

काफिला औड़िहार होते हुए करमपुर गांव तक आया। राजकुमार के बड़े भाई जोखनपाल व छोटे भाई राजू पाल के अलावा क्षेत्र के नागरिक होनहार खिलाड़ी को माला पहनाने के लिए बेताब दिखे। अपने परिवार से मिलकर राजकुमार भावुक हो गए। राजकुमार पाल ने मेघबरन स्टेडियम के संस्थापक स्वर्गीय तेज बहादुर सिंह के चित्र पर अपना मेडल पहनाकर उनका आशीर्वाद लिया। कहा, जो उनसे सीख मिली है, उसी के बल पर भारत के नक्शे में करमपुर का नाम अभिन्न रूप से जुड़ गया है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय फलक पर खेलते हुए यहां की मिट्टी की याद आती है।

मैच के पहले करता हूं परिवार से बात: राजकुमार... हॉकी खिलाड़ी राजकुमार पाल ने कहा कि देशवासियों और मां की दुआ मेरी लिए काम आई। मैं हमेशा मैच के पहले मां और परिवार के लोगों से बातचीत करता हूं। इससे मुझे ऊर्जा मिलती है। मैं अपने स्वागत से भावुक हूं।

काशी विद्यापीठ स्वास्थ्य केंद्र: एक साल पहले CHC का दर्जा

वाराणसी। काशी विद्यापीठ स्वास्थ्य केंद्र को सीएचसी का दर्जा तो मिल गया है लेकिन यहां सुविधा पीएचसी की भी नहीं है। यहां मानक के अनुसार बेड तक नहीं है। एक्सरे, अल्ट्रासाउंड सहित सीएचसी पर मिलने वाली सुविधाएं नहीं हैं। लिहाजा मरीजों को जांच के लिए दूसरे सरकारी अस्पताल में जाना पड़ता है।

काशी विद्यापीठ स्वास्थ्य केंद्र को एक साल पहले ही शहरी सीएचसी के रूप में अपग्रेड किया गया है। नियमानुसार सीएचसी पर 30 से 50 बेड मरीजों को भर्ती करने के लिए होने चाहिए, लेकिन यहां बमुश्किल 10 से 12 बेड ही एक वार्ड में हैं। सीएचसी पर एक्सरे-अल्ट्रासाउंड, खून से जुड़ी जांच की मशीनें होनी चाहिए। लेकिन मरीजों को जांच के लिए अन्य जगह जाना पड़ता है। वहीं नेत्र रोग विशेषज्ञ, फिजिशियन, बाल रोग विशेषज्ञ भी नहीं हैं।

स्वास्थ्य केंद्र तक जाने से पहले मरीज खाते हैं झटके... काशी विद्यापीठ में बने स्वास्थ्य केंद्र पर महेशपुर, चांदपुर, लहरतारा, मंडुवाडीह के साथ ही लोहता, कोरोता सहित आसपास के लोग उपचार के लिए आते हैं। गर्भवती महिलाएं भी आती हैं। स्वास्थ्य केंद्र के गेट के पास ही टूटी सड़कें, जलभराव के कारण मरीजों को झटके खाकर आना पड़ता है।

बल्केश्वर में फायरिंग: पुलिस ने तीनों रंगबाज किए गिरफ्तार दबंगई कायम करनी थी, इसलिए बीच बाजार चलाई गोलियां

आगरा। आगरा के बल्केश्वर में सरेशाम घने बाजार में हिस्ट्रीशीटर पर गोलियां चलाने वाले तीनों हमलावरों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में पता चला है कि वह कुख्यात अपराधी पर हमला करके इलाके में अपनी दबंगई कायम करना चाहते थे। ताकि लोग उनसे डरें। हमलावर करन इलाके का डॉन बनना चाहता है। उस पर कई मुकदमे दर्ज हैं।

शनिवार को ताबड़तोड़ फायरिंग से दहशत फैल गई थी। बल्केश्वर महादेव मंदिर के पास दुकानें बंद हो गई थीं। रजवाड़ा निवासी फरमान ने एक दुकान में छिपकर अपनी जान बचाई थी। हमलावर सीसीटीवी में कैद हुए थे।

पुलिस ने तहरीर के आधार पर जानलेवा हमले की धारा के तहत मुकदमा दर्ज किया था। एसीपी छत्ता हेमंत कुमार ने बताया कि पुलिस ने रात में आधा दर्जन से अधिक जगह दबिश दी। घटना में शामिल लाल मस्जिद वाटर वर्क्स निवासी करन कुमार, शिवम उर्फ डिब्बा (तेज नगर) व राज राठौर उर्फ बकरा (गुम्मट तेज नगर) को पकड़ा गया। तीनों को रविवार को जेल भेज दिया गया। करन इलाके का डॉन बनना चाहता है। उसके खिलाफ पहले भी कई मुकदमे दर्ज हुए हैं। अन्य आरोपियों पर भी मुकदमे हैं। पुलिस ने बताया पिछले दिनों जानलेवा हमले में एल्विश पाराशर को जेल भेजा था। उसने तेज नगर निवासी शिवम नाम के युवक को गोली मारी थी। गोली मोबाइल से टकराई थी। स्थानीय लोगों की मानें तो एल्विश पाराशर और करन दोस्त हैं।

पीपी नगर में भी चलाई थी गोली... शिवाकुंज, पीपी नगर में 5 अगस्त की रात फायरिंग की घटना हुई थी। योगेश कुमार ने मुकदमा दर्ज कराया था। बाड़े में गाय जाने पर विवाद हुआ था। पड़ोसी ने फोन करके अपने परिचितों को बुलाया था। सिकंदरा पुलिस की जांच में खुलासा हुआ कि इस घटना में भी करन और उसके दोस्त शामिल थे।

मेट्रो की खोदाई के दौरान हरबंशमोहाल में फिर धंसा मकान, 15 फीट गहरा गड्ढा हुआ, एक घायल

कानपुर। मेट्रो निर्माण की खोदाई के दौरान हरबंशमोहाल के एक मकान की फर्श धंस गई। करीब 15 फीट गहरा गड्ढा हो गया।कमरे में सो रहा एक होटल कर्मचारी इसी गड्ढे में गिर गया और मलबे में दबकर घायल हो गया। सूचना पर मेट्रो व पुलिस के अधिकारी मौके पर पहुंचे और छानबीन की। बताया जा रहा है कि मकान काफी पुराना है। बता दें सितंबर में भी मेट्रो कार्य के दौरान इसी मोहल्ले के एक मकान का छज्जा गिरने से शख्स घायल हो गया था।

हरबंशमोहाल में इस वक्त मेट्रो का काम तेजी से चल रहा है। रविवार शाम मकान नंबर 62/75 के निचले खंड के एक कमरे की फर्श अचानक धंस गई। फंश धंसने के साथ ही होटल कर्मचारी शंभुनाथ भी नीचे गिर गया। आवाज सुनकर आसपास के लोग दौड़े और पुलिस को सूचना दी। मलबा हटाकर शंभुनाथ को निकाला गया और अस्पताल भेजा गया। हाल में यहां मेट्रो ने सुरंग बनाई थी। फर्श गोलाई में धंसी है, आशंका जताई जा रही है कि यहां कोई कुआं रहा होगा। सूचना मिलने पर मेट्रो के प्रोजेक्ट मैनेजर डीके सिन्हा भी पहुंचे। उन्होंने जिलाधिकारी से बात कर प्रभावित क्षेत्र की समस्या के निराकरण के लिए एक अधिकारी लगाने को कहा है।

खराब प्रदर्शन वाले जिलों के पुलिस अफसरों पर सीएम सख्त, नहीं सुधरे तो गिरेगी गाज

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने महिलाओं और बालिकाओं से संबंधित अपराधों के निस्तारण में हीलाहवाली करने वाले अधिकारियों कड़ी फटकार लगायी है साथ ही सुधार लाने के निर्देश दिये हैं। माना जा रहा है कि सीएम योगी के अल्टीमेटम के बाद भी सुधार न होने पर कई अधिकारियों पर गाज गिर सकती है। वैसे तो उत्तर प्रदेश महिलाओं और बच्चियों से संबंधित अपराधों के निस्तारण में देश में पहले स्थान पर है। बावजूद इसके प्रदेश के कई जिलों का महिला संबंधी अपराधों के निस्तारण का अनुपात मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अपेक्षा के अनुरुप नहीं है। सीएम योगी की मंशा है कि महिला संबंधी अपराधों का निस्तारण शत-प्रतिशत होना चाहिये, जबकि प्रदेश के कुछ जिलों का रेश्यो 80 से 90 प्रतिशत के बीच है।

अल्टीमेटम के बाद भी नहीं सुधरे तो होगा कड़ा एक्शन... मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हाल ही में कानून व्यवस्था को लेकर अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की थी। बैठक में अधिकारियों ने सीएम योगी के सामने आईटीएसएसओ पोर्टल के आधार पर 1 अप्रैल 2023 से 30 अप्रैल 2024 की रिपोर्ट प्रस्तुत की। इसमें बताया गया कि उत्तर प्रदेश महिलाओं और बच्चियों से संबंधित अपराधों के निस्तारण में देश भर के राज्यों में पहले स्थान पर है।

प्रदेश का निस्तारण रेश्यो 98.70 प्रतिशत है। वहीं केंद्र शासित राज्यों में लद्दाख पहले और दादरा और नगर हवेली एवं दमन दीव दूसरे स्थान पर है। इस पर उन्होंने प्रसन्नता जाहिर करते हुए गृह विभाग की पीठ थपथपाई। वहीं अधिकारियों ने रिपोर्ट के आधार पर सीएम को बताया कि प्रदेश के कुछ जिलों के अधिकारी निस्तारण को लेकर गंभीर नहीं हैं। रिपोर्ट में उनकी

लापरवाही सामने आयी है।

इस पर सीएम योगी ने नाराजगी जाहिर करते हुए ऐसे अधिकारियों (एसपी, एसएसपी और पुलिस कमिश्नर) को एक माह में सुधार लाने का अल्टीमेटम दिया है। साथ ही अधिकारियों को एक माह बाद लापरवाह अधिकारियों की रिपोर्ट शासन को उपब्लध कराने के निर्देश दिये हैं। माना जा रहा है कि यदि लापरवाह अधिकारियों की कार्यप्रणाली में सुधार नहीं होता है तो उन पर गाज गिर सकती है। अधिकारियों के अनुसार इन जिलों में निस्तारण का रेश्यो 80 से 90 प्रतिशत के बीच है जबकि सीएम योगी महिला एवं बच्चियों संबंधी अपराधों के निस्तारण का रेश्यो शत-प्रतिशत चाहते हैं।

कॉम्प्लाएंस रेट में प्रयागराज कमिश्नरेट संग प्रतापगढ़ फिसड्डी... गृह विभाग के इंवेस्टिगेशन ट्रैकिंग सिस्टम फॉर सेक्सुअल ऑफिंस (आईटीएसएसओ) पोर्टल की रिपोर्ट के अनुसार प्रयागराज कमिश्नरेट का कॉम्प्लाएंस रेट क्रमशः 80.48 प्रतिशत है। वहीं प्रतापगढ़ का कॉम्प्लाएंस रेट 84.31 प्रतिशत, कानपुर देहात का 85.37 प्रतिशत और चित्रकूट का 86.27 प्रतिशत है। इस पर सीएम योगी ने बेहद नाराजगी जाहिर की है। सीएम ने इन जिलों के अधिकारियों को जीरो टॉलरेंस नीति के तहत अपराधों पर लगाम लगाने के साथ दर्ज मामलों में कम से कम समय में आरोपियों को सजा दिलाने के निर्देश दिये हैं। इसी तरह बरेली में महिला अपराध संबंधी 2997 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 8 मामलों की फाइनल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.27 प्रतिशत है। अलीगढ़ में 1910 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 6 मामलों की फाइनल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.31 प्रतिशत है। सुल्तानपुर में 952 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 3 मामलों की फाइनल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.32 प्रतिशत है। फतेहगढ़ में 767 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 2 मामलों की फाइनल रिपोर्ट पेंडिंग है, जिसका रेश्यो 0.26 प्रतिशत है। सीएम योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिये कि प्राथमिकता के आधार पर पेंडिंग मामलों का निस्तारण किया जाए। उन्होंने इसको लेकर वह एक माह बाद भी समीक्षा करेंगे अगर स्थिति संतोषजनक नहीं मिली तो बेपरवाह अधिकारियों के खिलाफ सख्त एक्शन लिया जाएगा।

अमरोहा का डिस्पोजल रेट 97.81 प्रतिशत तो बाराबंकी का 98.04 प्रतिशत

बैठक में अधिकारियों ने बताया कि अमरोहा में महिला अपराध संबंधी 1142 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 1117 मामलों में फाइनल रिपोर्ट समिट की गई। इसका डिस्पोजल रेट 97.81 प्रतिशत है। बाराबंकी में 1580 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 1549 मामलों में फाइनल रिपोर्ट समिट की गई। इसका डिस्पोजल रेट 98.04 प्रतिशत है। लखनऊ कमिश्नरेट में 2686 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 2636 मामलों में फाइनल रिपोर्ट समिट की गई। इसका डिस्पोजल रेट 98.13 प्रतिशत है। इसी तरह प्रतापगढ़ में 1246 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 1223 मामलों में फाइनल रिपोर्ट समिट की गई। इसका डिस्पोजल रेट 98.15 प्रतिशत है। बरेली में 2997 एफआईआर दर्ज की गई। इनमें से 2942 मामलों में फाइनल रिपोर्ट समिट की गई।

बिहार में मुस्लिम वोटरों की 'PK प्लान' ने उड़ाई लालू-नीतीश की नींद

खाता-बही लेकर मुखातिब हुए मंत्री जमा खान

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। बिहार में प्रशांत किशोर के 'मुस्लिम प्लान' ने राजनीति गरमा दी है। नीतीश कुमार और लालू यादव, दोनों ही इससे चिंतित हैं। पीके की रणनीति से उन पार्टियों को खतरा है, जो मुस्लिम वोट बैंक पर निर्भर हैं। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने विभागीय कार्यों के जरिए मुस्लिम मतदाताओं के बीच अपनी पैठ बनाए रखने के लिए रिपोर्ट जारी कराया। प्रशांत किशोर की 'मुस्लिम नीति' पर सरकार की ओर से करारा जवाब की शुरूआत अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान ने की। उन्होंने उन योजनाओं पर फोकस किया, जिसे नीतीश सरकार स्पेशली मुस्लिमों के लिए चला रही है।

बिहार में अल्पसंख्यकों के लिए खुशखबरी है। शीघ्र ही 15 विद्यालय भवनों में राज्य के अल्पसंख्यक स्टूडेंट पढ़ाई कर सकेंगे। सूचना भवन के सभागार में पत्रकारों को अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री जमा खान ने ये जानकारी दी। वर्ष 2024-25 में कैबिनेट ने नालंदा, जमुई, कैमूर जिलों में अल्पसंख्यक विद्यालय के निर्माण की स्वीकृति दे दी है। वहीं, 12 जिलों में आवासीय विद्यालय के निर्माण के लिए भूमि चिन्हित कर ली गई है। ये 12 जिलें हैं- लखीसराय, कटिहार, बेगूसराय, पश्चिम चंपारण, पटना, मधेपुरा, सहरसा, अररिया, मुजफ्फरपुर, सुपौल, मुंगेर और वैशाली। अल्पसंख्य समुदाय के लिए विद्यालय बनाने हेतु जमीन चिन्हित कर ली गई है।

राज्य के 481 स्कूल के लिए सर्विस रूल तैयार कर लिए गए हैं। मंत्रिपरिषद से सिर्फ स्वीकृति मिलनी है। मंजूरी मिलते ही नियमित नियुक्ति के लिए बीपीएससी को रिक्विजिशन भेज दी जाएगी। फिर बीपीएससी परीक्षा कंडक्ट करेगी और शिक्षकों की कमी पूरी हो जाएगी।

सीएम विद्यार्थी प्रोत्साहन योजना के लिए वर्ष 2023-2024 के लिए 97084 अल्पसंख्यक छात्र-छात्राओं को लाभान्वित करने हेतु 119.05 करोड़ का वितरण किया गया। वहीं, वर्ष 2024-2025 के लिए 103635 छात्र-छात्राओं को भी लाभान्वित किया गया है। राज्य सरकार इंटर छात्र-छात्राओं को 15 हजार और मैट्रिक के छात्र-छात्राओं को 10 हजार रुपए प्रोत्साहन राशि देती है। ये योजना वर्ष 2007-2008 से और इंटर के लिए वर्ष 2014 से जारी है।

मंत्री जमा खान ने कहा कि वक्फ बोर्ड अधिनियम में संशोधन को लेकर अभी पूरी बात सामने नहीं आई है। अभी तो मामला जेपीसी समिति को सौंप दी गई है। इस संदर्भ में सीएम नीतीश कुमार से हमारी बातचीत हुई है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि अल्पसंख्यक के कल्याण हेतु उनका दल हमेशा चिंतित है। हमारे लोकसभा सदस्य जेपीसी कमिटी में अपनी बात रखेंगे। पीएम नरेंद्र मोदी से हमारे नेता नीतीश कुमार संपर्क में है। वक्फ बोर्ड का अधिकार कम नहीं होगा।

नीतीश कुमार ही नहीं पीके के 'मुस्लिम प्लान' से लालू यादव भी हिले हुए हैं। बिहार की राजनीति में प्रशांत किशोर एक फैक्टर बन कर सामने आए हैं। सबसे ज्यादा खतरा उन पार्टियों को है, जिनको अपना अस्तित्व बचाए रखने के लिए थोक भाव में मुस्लिम वोटों की जरूरत है। अब तक इस पर अपनी दावेदारी आरजेडी और जेडीयू जताते आ रही है। दोनों ही पार्टियों का फोकस मुस्लिम वोटों पर शुरू से ही देखा जाता है। नीतीश को लगता था कि पीके का असर उन तक नहीं पहुंचेगा। लालू यादव पहले से इसे भांप गए थे। चिट्ठी जारी करने के लेकर मोहम्मद शहाबुद्दीन की पत्नी से मीटिंग तक की कार्रवाई कर चुके हैं। अब बारी नीतीश कुमार की थी तो उन्होंने अपने अल्पसंख्यक मंत्री को मीडिया के जरिए मैसेज देने के लिए पूरा खाता-बही लेकर भेजा था।

सड़क निर्माण प्रस्ताव की अस्वीकृति पर विधायक ने जताया नाराजगी

- **कहा:मंत्री को कराया गया मामले से अवगत,फिर भी की गई अनसुनी**
- **घटिया राजनीति पर जताई नाराजगी**
- **आंदोलन जारी रखने की चेतावनी**

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। ग्रामीण कार्य विभाग मंत्री अशोक चौधरी से गायघाट विधायक निरंजन राय ने मिलकर पिलखी पुल चौक से तेपरी-सैदपुर जाने वाली अत्यंत जर्जर सड़क का तत्काल मोटरेबल (मरम्मती) कराने और सड़क का अविलंब नवनिर्माण कराने की मांग की है। विधायक ने बताया कि 29 जुलाई को पूरे मामले से सम्बंधित मंत्री को अवगत कराया गया था।

उन्होंने बताया कि पूर्व से उन्नयन योजना के तहत उक्त चयनित सड़क जो लगभग 15 करोड रुपए की लागत राशि से निर्माण हेतु स्वीकृत थी। उस सड़क को रद्द कर दिया गया। उसे अबिलंब निर्माण कराने के संबंध में मिलकर पत्र के साथ अन्य सभी कागजात उनसे मिलकर दिया था। लेकिन मोटरेबल (मरम्मती)कार्य नहीं शुरू कराया गया। कहा कि चुकी यह श्रावण का महीना है, इसी रास्ते से चलकर हजारों कांवरिया श्रद्धालु मतलूपुर स्थित बाबा खगेश्वरनाथ शिव मंदिर में जलाभिषेक करते हैं। बावजूद इसके सड़क का मोटरेबुल(मरम्मती) कार्य भी शुरू नहीं किया गया। इसके विरोध में कल 6(मंगलवार) अगस्त को एकदिवसीय आक्रोशपूर्ण महाधरना कार्यक्रम भी किया गया। उन्होंने कहा कुछ तथाकथित लोग इस विषय को लेकर सरकार के मंत्रियों एवं आमलोगों को भ्रमित कर स्वार्थपूर्ण घटिया राजनीति करने लगे हैं। उन्होंने तीखी नाराजगी जताते हुए कहा कि यह सड़क जो टू-लेन सड़क बनना था। उसे कैंसिल कर दिया गया। गायघाट का मधुरपट्टी-भटगामा पुल,बन्दरा का मुन्नी,खनुआ एवं लोहरखा पुल कैंसिल कर दिया गया।

और भी कई चयनित पुल और सड़कें कैंसिल कर दी गई तब कहां थे? अब जब जनता सड़क पर उतरकर आंदोलन की शुरूआत कर दी है।तब कुछ प्रतिपक्षी बाहवाही लेना चाहते हैं।उन्होंने कहा कि सड़क का निर्माण होकर रहेगा, नहीं तो आंदोलन जारी रहेगा।

रेखा, माधुरी दीक्षित, कैटरीना कैफ, बिहार के CM नीतीश कुमार की फेवरेट हीरोइन कौन?

दीपक कुमार तिवारी।

पटना। नीतीश कुमार करीब-करीब साल 2005 से लगातार बिहार के मुख्यमंत्री हैं। ऐसे में देखें तो बिहार में बड़ी आबादी ऐसी है जिनका जन्म ही नीतीश कुमार की सरकार बनने के बाद हुई और उन्हीं की सरकार में वह वोटर भी बने हैं। ऐसे युवा वोटर नीतीश कुमार के बारे में ज्याद से ज्यादा जानना समझना चाहते हैं। विपक्षी पार्टियां आरोप लगाती हैं कि नीतीश कुमार भले ही बिहार में विकास की बौछार करने का दावा करते हैं, लेकिन सच्चाई है कि उनके इतने लंबे कार्यकाल के बाद भी बिहार देश के फिसड्डी राज्यों की लिस्ट से खुद को बाहर नहीं निकाल पाया है। ऐसे में तमाम तरह के सवाल उठ रहे हैं कि क्या 2025 के बिहार विधानसभा चुनाव में बिहार की जनता नीतीश कुमार को विकल्प के रूप में देखेगी या सिरे से नकार देगी?

इन राजनीतिक और गंभीर सवालों के बीच कुछ युवा वोटरों की ऐसी जमात भी है जो नीतीश कुमार की निजी जिंदगी के बारे में ज्यादा से ज्यादा जानना समझना चाहते हैं। ऐसे पाठकों और वोटरों का ख्याल करते हुए नवभारत टाइम्स.कॉम रोजाना गंभीर और ज्वलंत राजनीतिक खबरों से इतर जाकर गाहे बगाहे सॉफ्ट न्यूज भी अपने पाठकों को देता रहा है। उदाहरण के तौर पर बिहार के सीएम नीतीश कुमार को सबसे ज्यादा हरे चने और मटर का झोर (ग्रेवी), और चावल खाना सबसे ज्यादा पसंद है। नीतीश कुमार के परिवार और दोस्तों के बारे में भी स्टोरी बता चुके हैं।

आज हम आपको नीतीश के सिनेमा प्रेम और फेवरेट हीरो और हीरोइन के बारे में बता रहे हैं। खास बात यह है कि नीतीश कुमार के फेवरेट बॉलीवुड एक्टर की जानकारी किसी किताब या दस्तावेज से नहीं ली गई है, बल्कि इस बारे में खुद उन्होंने ही बताया था। बात करीब 14 साल पहले की है। उसी दौर में बिहार के प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता प्रकाश झा की फिल्म 'राजनीति' आई थी। बॉक्स ऑफिस पर फिल्म राजनीति ने कमाल कर दिया था। इसके बाद एक निजी टीवी चैनल का कार्यक्रम चल रहा था। कार्यक्रम में बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार मंच पर अभिनेता अजय देवगन को पुरस्कार देने आए थे। इसी दौरान मंच पर मौजूद एंकर ने नीतीश कुमार से पूछा कि आपकी फेवरेट हीरो और हीरोइन कौन है? सवाल के साथ नीतीश कुमार से यह भी कहा गया था वह वह जवाब देने में पॉलिटिशियन वाला रैवया ना अपनाएं। इसपर नीतीश कुमार ने भी बड़ी बेबाकी से इसका जवाब दिया। नीतीश कुमार ने बताया कि उन्हें अभिनेत्री रेखा बहुत पसंद है। साथ ही नीतीश ने माधुरी दीक्षित का भी नाम लिया था। इसके अलावा उन्होंने यह भी कहा था फुलटाइम रियल राजनीति करने के चलते उन्हें फिल्में वगैरह देखने का कम ही मौका मिलता है, लेकिन फिल्म राजनीति में कैटरीना कैफ का अभिनय शानदार रहा। उन्होंने कहा कि इसमें कोई दो राय नहीं कि कैटरीना कैफ बेहतरीन अदाकारा हैं। इसके अलावा मंच पर मौजूद देवगन को देखकर नीतीश कुमार ने कहा कि उनके फेवरेट अभिनेता अजय देवगन हैं। इसपर अजय देवगन ने उन्हें धन्यवाद कहा था। नीतीश ने अपनी बातों को विराम देते हुए कहा कि रेखा और माधुरी दीक्षित ही उनके दौर की रही हैं। जब उनसे विद्या बालन, काजोल आदि का नाम पूछा गया तो उन्होंने कहा कि वह इन लोगों के दौर के नहीं हैं।

नीतीश से जब पूछा गया कि क्या वह कैटरीना कैफ को बिहार का ब्रैंड एंबेसडर बनाना चाहेंगे, इसपर उन्होंने कहा कि फिल्म निमार्ता प्रकाश झा पहले से ही बिहार के हैं।

'तमंचे' पर डिस्को के बाद अब बाइक वाली बवाली गर्ल

दीपक कुमार तिवारी।

पटना/मुजफ्फरपुर। बिहार में एक बार फिर से एक लड़की की स्टंटबाजी का रील वायरल हो गया है। ये मामला मुजफ्फरपुर का है। पहले पिस्टल के साथ भोजपुरी गाने पर वायरल हुए रील के बाद अब मुजफ्फरपुर के मारीपुर की रहने वाली युवती का हाइवे पर अपने बॉय फ्रेंड के साथ बाइक पर खतरनाक स्टंट करते हुए रील सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। युवती ने रील बनाकर अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर पोस्ट किया है। युवती का बॉय फ्रेंड बाइक चला रहा है और वह खुद पीछे चलती बाइक पर खड़ी होकर डांस करते दिख रही है। वीडियो के बैक ग्राउंड में गाना चल रहा है। वही दूसरे वीडियो में युवती हाथ छोड़कर बाइक चलाते हुए दिख रही है। इस दौरान बैक ग्राउंड में फिल्मी गाना चल रहा है। हालांकि वायरल वीडियो युवती ने अपने इंस्टाग्राम आईडी से पोस्ट किया था जो वायरल हो रहा है। इस पूरे वीडियो को देख कर साफ लग रहा है कि कैसे ट्रैफिक नियमों की धज्जियां उड़ाई गई हैं। साथ ही इस वीडियो में लड़का खुद के साथ ऐसा खतरनाक स्टंट कर दो जिंदगियों को खतरे में डाल रहा है।

वीडियो वायरल होने के बाद सिटी एसपी अवधेश दीक्षित ने बताया कि युवती और उसके ब्याय फ्रेंड का अलग-अलग धाराओं में चालान काटा जाएगा। परिवहन एक्ट के तहत चालान की राशि 50 हजार तक हो सकती है।

एक तो गलत तरीके से बगैर नंबर प्लेट की बाइक चलाना, खतरनाक ड्राइविंग, बगैर हेलमेट के गाड़ी चलाना और यातायात नियम तोड़ने के इस स्टंट को प्रचारित करने को लेकर चालान लगेगा। इसके अलावा दोनों के लाइसेंस और गाड़ी के कागजात की जांच की जाएगी।आपको बता दें कि इसी युवती का सिटी पार्क में पिस्टल के साथ भोजपुरी गाने पर पिस्टल के साथ रील वायरल हुआ था। तब युवती और उसके बॉय फ्रेंड को पुलिस ने हिरासत में लिया था।

जांच में पता चला था कि रील में दिख रहा पिस्टल नकली था। हालांकि इस वायरल वीडियो के बाद पुलिस ने इनसे माफी वाला वीडियो बनवाया था,जिसमें युवती और उसका दोस्त यह कह रहे थे कि आगे इस तरह कानून तोड़ता हुआ कोई रील या वीडियो नहीं बनाएंगे। पर लगता है कि लाइक, कॉमेंट्स और शेयर की आदत से मजबूर दोनों ने फिर से वायरल होने के लिए अब नया वीडियो बना दिया है।

महिला चिकित्सक के रेप के बाद हत्या के विरोध में ओपीडी बन्द रखा

दीपक कुमार तिवारी।

मुजफ्फरपुर बिहार। मुजफ्फरपुर एसकेएमसीएच के रेज़िडेंट डॉक्टरों के द्वारा आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए महिला चिकित्सक के रेप के बाद हत्या के विरोध में ओपीडी बन्द रखा गया।वहीं वार्ड में कोई काम नहीं किया गया। इस घटना को लेकर पूरे देश के चिकित्सक आक्रोशित है और आरोपियों का शीघ्र

गिरफ़्तारी और स्पीडी ट्रायल करके कठोर करवाई का माँग कर रहे है ।इसी कड़ी में आज मुजफ्फरपुर मेडिकल अस्पताल में सभी विभागों का ओपीडी सहित टाटा कैंसर हॉस्पिटल का भी ओपीडी बंद कराया गया ।

जूनियर डॉक्टर एसोसिएशन की ओर से डॉ विवेक ,डॉ अंकुर ,डॉ संतोष , डॉ श्रीकान्त ,डॉ आशिक ,डॉ चित्रा ,डॉ सुरभि , भाव्या ,श्रेया , अलका , सौरभ , कुंदन ,प्रभांशु,प्रशांत, नितिन आदि भी थे।

देश के विकास में कला और संस्कृति का महत्वपूर्ण योगदान :जूही

उत्तर भारतीय संगीत पद्धति एवं स्वरलिपी पद्धति के जनक पंडित विष्णु नारायण भातखंडे की मनाई गई 164 वीं जयंती

सुभाष चंद्र कुमार

समस्तीपुर। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी 10 अगस्त (गुरुवार) को उत्तर भारतीय संगीत पद्धति एवं स्वरलिपी पद्धति के जनक पंडित विष्णु नारायण भातखंडे की 164 वी जयंती के अवसर पर डॉ राजेन्द्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय पूसा परिसर स्थित विद्यापति सभागार में राष्ट्रीय शास्त्रीय संगीत समारोह संगीतांजली का आयोजन किया गया। बतौर मुख्य अतिथि जिला कला संस्कृति एवं युवा कार्यक्रम पदाधिकारी जूही कुमारी ने कहा कि किसी भी देश के विकास में कला का महत्वपूर्ण योगदान होता है। यह साझा दृष्टिकोण, मूल्य, प्रथा एवं एक निश्चित लक्ष्य को दिखाता है। सभी आर्थिक, सामाजिक एवं अन्य गतिविधियों में संस्कृति एवं रचनात्मकता का समावेश होता है। कला एवं संस्कृति दोनों ही एक मजबूत समुदाय की जगह की भावना को संरक्षित या मजबूत करने, व्यक्तिगत पहचान बनाने और अपनी रचनात्मकता दिखाने के दो अद्भुत तरीके हैं।

कला और संस्कृति सीखने, मनोरंजन, अवकाश, व्यक्तिगत विकास और दूसरों के साथ संचार में सुधार के लिए कई अवसर प्रदान करती है। प्राचीन कला केन्द्र के निर्देशन में आयोजित इस समारोह में सर्वप्रथम तमाम आगत अतिथियों को सह आयोजक आशा सेवा संस्थान के सचिव अमित कुमार वर्मा, औसेफा निदेशक देव कुमार, ईडेन प्रमुख ब्रज किशोर कुमार, राजम इंडेन के प्रबंध निदेशक अतुल कुमार, शिक्षाविद मिथिलेश कुमार, आदि ने चादर, पट्टा, पाग एवं स्मृति चिन्ह से स्वागत के बाद कार्यक्रम के संयोजक जगमोहन विद्यापति कॉलेज ऑफ आर्ट एंड टेक्नोलॉजी वैनी के सचिव डॉ संजय कुमार राजा ने स्वागत संबोधन एवं विषय प्रवेश कराया। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि जिला कला संस्कृति एवं युवा कार्यक्रम पदाधिकारी जूही कुमारी, विशिष्ट अतिथि संजय कुमार सिंह, निदेशक आईएआरआई डॉ केके सिंह, दीप प्रज्वलन एवं उत्तर भारतीय संगीत पद्धति के जनक पंडित विष्णु नारायण भातखंडे एवं पंडित जगमोहन झा के चित्र पर माल्यार्पण व पुष्पांजलि एवं साक्षी ऋतु के गुरू वंदना के साथ समारोह परवान चढ़ा।

सह आयोजक विश्व प्रसिद्ध ताल दर्शन मंजरी के रचयिता ताल मर्मज्ञ पंडित राम नरेश राय की अध्यक्षता में आयोजित इस समारोह में दरभंगा घराने के राष्ट्रीय स्तर पर ख्यातिलब्ध चांसुरी वादक डॉ वेद प्रकाश के शिष्य केशव कुमार धीरज के गायन, रोहन तारा के बांसुरी वादन, खगडिया से पधारे सुप्रसिद्ध शास्त्रीय गायक पंडित गणेश पाल, कोलकाता से पधारे तबला वादक देवाशीष सिंह रॉय, पटना से पधारे कथक गुरू विजय कुमार मिश्रा एवं उनके शिष्यो के कत्थक और रामचन्द्र गोल्डर के भरतनाट्यम, अलावा राम बालक निराला आदि ने अपनी प्रस्तुति से ऐसा समां बांधा कि गुजरते वक्त का एहसास भी नहीं हुआ।

इसी दरम्यान रामबालक निराला के लहरा पर सुविख्यात पंडित रामनरेश राय के शिष्यों यथा चन्द्रकान्त चौधरी, राम प्रवेश महतो, प्रभात कुमार, सुभाशीष कुमार, उदय कुमार पाठक, अमन कुमार, सत्यम कुमार, नीतेश कुमार द्वारा प्रस्तुत तबला कचहरी के अलावा, रामचन्द्र ठाकुर, रंजन कुमार, तबला संगति से सजी मनोहारी प्रस्तुति ने देर श्रोताओं को बांधे रखा।

इसी क्रम में विशिष्ट अतिथि केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ मृत्युंजय कुमार ने आयोजन को अनुपम बताते हुए आयोजक टीम को बधाई दी। कार्यक्रम का संचालन एवं धन्यवाद ज्ञापन संयोजक डॉ संजय कुमार ने किया।

समारोह की सफलता में पंडित रामवृक्ष सिंह, सुमित कुमार सुमन, संतोष कुमार, सुभाष चंद्र कुमार, अरविंद पाठक, दीपक कुमार, कुमार विकास, चंदन कुमार झा, स्नेहा सुमन, हिमांशु भास्कर, निशांत, सुशान्त, प्रमोद कुमार झा, कुमार रौशन ने अहम भूमिका निभाई। मौके पर अभय कुमार, विभूति कुमार, व्यापार मंडल चंदौली के अध्यक्ष प्रेम कुमार झा, तकनीकी अधिकारी मीरा पांडेय, भवेश कार्यी, सुनील कुमार साह, भाजपा नेत्री मधुमाला, कृष्ण कुमार, उमेश ठाकुर, डॉ गणेश ठाकुर, अरविंद कुमार, रौशन कुमार, पप्पु कुमार, रंजीत कुमार, ध्रुव कुमार पाठक, चित्तरंजन शर्मा, नंदगोपाल ठाकुर, अरविंद कुमार, एसके निराला, सहित कई लोग मौजूद थे।

चुहड़ी काली मंदिर से जुड़ी श्रद्धा लोक आस्था की अनूठी मिशाल: गरिमा

बिट्टू कुमार

पश्चिम चम्पारण/बेतिया। नगर निगम की महापौर गरिमा देवी सिकारिया ने बताया कि पूरे भारत वर्ष में सावन के महीने आम तौर पर देवाधिदेव महादेव की उपासना और जलाभिषेक की परंपरा सदियों पुरानी है। लेकिन इससे अलग चनपटिया अंचल क्षेत्र के चुहड़ी बाजार के समीप स्थित काली मां के मंदिर में पूरे क्षेत्र की सैकड़ों कुआरी कन्याएं करीब तीन किलोमीटर दूर स्थित राम जानकी मंदिर के समीपवर्ती तालाब से जलबोझी कर के मां काली को चढ़ा कर मनमानी मुरादें पूरी करतीं है।

श्रीमती सिकारिया ने बताया कि आज सोमवार को भी सुबह से शाम तक उमड़े आस्था के सैलाब में सुबह से शाम तक श्रद्धालु महिला पुरुषों का तांता लगा रहा। स्थानीय श्रद्धालुओं के बुलावे पर चुहड़ी के काली मंदिर में पहुंचीं महापौर गरिमा देवी सिकारिया सोमवार को क्षेत्र में दशकों से चली आ रही इस अनूठी आध्यात्मिक आस्था की स्वयं साक्षी बनी। लोक मान्यता के आधार पर नगर निगम महापौर ने बताया कि यहां के लोग दशकों पुरानी मान्यता के तहत सावन में बाबा भोलेनाथ के बजाय मां काली मंदिर में जलाभिषेक कर आस पास के दर्जनों गांव की कुआरी कन्याएं अपनी मन वांछित मुरादें पूरा करतीं हैं।

आईएफडब्लूजे बिहार इकाई का प्रदेश सम्मेलन सह आम सभा संपन्न, नयी कार्यकारिणी गठित

प्रमोद दत्त बने बिहार इकाई के अध्यक्ष, महासचिव सुधीर मधुकर और उपाध्यक्ष बने मुकेश महान,जितेंद्र सिन्हा ,आरती

भवेश कुमार

पटना 11 अगस्त। इंडियन फेडरेशन ऑफ वर्किंग जर्नलिस्ट यूनियन (क्र्ह्रख) बिहार इकाई का प्रदेश सम्मेलन सह आम सभा पटना के यूथ हॉस्टल में आज संपन्न हुआ। इस सम्मेलन की अध्यक्षता मुकेश महान कर रहे थे। बिहार के सभी जिलों से संगठन सदस्य इसमें शामिल हुये ।

इस अवसर पर चुनाव पर्यवेक्षक संजीव कुमार और निर्वाचन पदाधिकारी रवि शंकर की उपस्थिति में द्विवार्षिक2024-25 कार्यकारिणी का चुनाव संपन्न हुआ । इस नवगठित कार्यकारिणी में अध्यक्ष प्रमोद दत्त, उपाध्यक्ष मुकेश कुमार सिन्हा उर्फ मुकेश महान, जितेंद्र कुमार सिन्हा, आरती कुमारी, महासचिव सुधीर मधुकर, सचिव आशुतोष कुमार पांडे, चंद्रशेखर भगत, कौशल किशोर, संगठन सचिव राम नरेश ठाकुर, कार्यालय सचिव प्रभाष चंद्र शर्मा कोषाध्यक्ष महेश प्रशाद सिंह सर्वसम्मति से चुने गये । इसके अतिरिक्त प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मोहन

कुमार, डॉ ध्रुव कुमार, प्रदीप उपाध्याय, वीणा बेनीपुरी, अभिजीत पांडे, जयप्रकाश सिंह, आभा रानी, सत्यनारायण चतुर्वेदी, चितरंजन कुमार, सत्यकाम सहाय सर्वसम्मति से चुने गये। इसके अतिरिक्त सभी जिला इकाई के अध्यक्ष , महासचिव एवं संयोजक को विशेष आमंत्रित सदस्य बनाये गये।

मौके पर नवनिर्वाचित अध्यक्ष प्रमोद दत्त ने सभी का आभार प्रकट किया और भरोसा जताया कि संगठन लगातार पत्रकार हित में कार्य करता रहेगा । इस अवसर पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मोहन कुमार, उपाध्यक्ष मुकेश महान, प्रदेश महासचिव सुधीर मधुकर, मुजफ्फरपुर जिलाध्यक्ष डॉ के० के० कौशिक, सासाराम से संजय तिवारी, लखीसराय के राजेंद्र राज,छपरा के पंकज श्रीवास्तव,कैमूर के राशिद रौशन,वीणा बेनीपूरी, रमाशंकर आदि समेत विभिन्न जिलों से आए प्रतिनिधियों ने भी सभा को संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में संगठन सचिव रामनरेश ठाकुर द्वारा धन्यवाद ज्ञापन किया गया।

चरण सिंह

विचार

सेबी की चीफ आईएएस नहीं, उंगली तो उठेंगी ही !

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट सही है या फिर गलत यह अलग विषय है पर सेबी के चीफ पद पर बैठा व्यक्ति यदि आईएएस न हो और उनके अलावा जितने भी चीफ रहे हों वे आईएएस रहे हों तो फिर यह माना जाता है कि कहीं कुछ न कुछ गलत तो हुआ है। वैसे भी यदि सेबी के चीफ किसी कंपनी में इन्वेस्ट किया था तो फिर लोगों की निगाह तो जाएगी ही।

दरअसल हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में सेबी की चीफ माधुबी पर गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इस मामले में माधबी की सफाई वाले बयान पर भी माधुबी घिरती हुई नजर आ रही हैं। री-ट्वीट करते हिंडनबर्ग ने लिखा है कि हमारी रिपोर्ट पर सेबी चेयरपर्सन माधबी बुच की प्रतिक्रिया में कई जरूरी बातें स्वीकार की गई हैं और कई नए महत्वपूर्ण सवाल भी खडे. हुए हैं। अडानी और पीएम मोदी के संबंधों को लेकर विपक्ष इसलिए बवाल मचाता रहा है क्योंकि 2014 में मोदी के चुनावी प्रचार का खर्चा अडानी के उठाने की बात सामने आई थी। जो हेलीकॉप्टर मोदी इस्तेमाल कर रहे थे वह अडानी का बताया जा रहा था। मोदी के पीएम बनने के बाडी देश के अधिकतर बड़े कॉन्ट्रेक्ट अडानी को ही दिए गए।

संसद में भी देखने में आया है कि अडानी का नाम पीएम मोदी से जोड़ने का खामियाजा संबंधित सांसद को उठाना पड़ा है। न केवल टीएमसी की सांसद महुआ मोइत्रा की सदस्यता इस मामले में गई बल्कि कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी भी इस मामले की चपेट में आ गए थे। संजय सिंह को राज्यसभा से सस्पेंड कर दिया गया था। अब माधबी पुरी बुच पर संगीन आरोप लगे हैं तो बीजेपी उनके बचाव में आ गई है। ऐसे में विपक्ष मामले को मुद्दा तो बनाएगा ही।

खतरे के निशान के ऊपर है गंगा

-राकेश अचल-

इस समय गंगा खतरे के निशान के ऊपर बह रही है। गंगा सिर्फ एक नदी ही नहीं बल्कि एक संस्कृति है। एक संस्कार है। एक मुहावरा है और एक कहावत भी। मै जिस गंगा की बात कर रहा हूँ, वो हिमालय की बेटी गंगा भी है धरती पर बहने वाली गंगा से इतर फाइलों में बहने वाली भ्रष्टाचार की गंगा भी है। गंगा जब सीधी बहती है तब शुभ मानी जाती है लेकिन गंगा जब उलटी बहने लगती है तो उसे अशुभ कहा जाता है। आजकल गंगा जमीन पर भी उलटी बह रही है और सरकारी फाइलों में भी। पटना से हमारे दोस्तों ने बताया है की राज्य में दोनों गंगाएं खतरे के निशान से ऊपर बह रहीं हैं।

देश में जब-जब भ्रष्टाचार की गंगा उलटी या सीधी बहती है तब-तब हिंडनबर्ग की रिपोर्ट आ जाती है। अमेरिकी रिसर्च कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च ने अपनी एक रिपोर्ट में भारत में सिक्योरिटी मार्केट रेगुलटर (नियामक) सेबी की मौजूदा चेयरमैन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच पर वित्तीय अनियमितता का आरोप लगाया है। पिछले 18 महीने में भारत के कारोबारी और वित्तीय बाजार में कथित वित्तीय अनियमितता को लेकर जारी की गई उसकी ये दूसरी रिपोर्ट है। इससे पहले जनवरी 2023 में इसने भारत के प्रमुख औद्योगिक घराने अदानी समूह पर रिपोर्ट जारी कर हलचल मचा दी थी।

मुझे लगता है की हिंडनबर्ग राष्ट्रद्रोही रिसर्च करती है। उसे अपनी रिपोर्ट्स हिडन रखना चाहिए, भाजपा और संघ के एजेंडे की तरह, लेकिन हिंडनबर्ग है कि मानता ही नहीं। बार-बार रिपोर्ट्स जारी कर देता है। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट झूठी है या सच्ची ये हम नहीं जानते, किन्तु सब इस रिपोर्ट की प्रतीक्षा करते है। विपक्ष के लिए हिंडनबर्ग की रिपोर्ट एक हथियार होती है और सत्तापक्ष के लिए एक भयानक वार। रिपोर्ट आने की भनक मिलते ही सरकार ने संसद का सत्र समय से पहले ही लपेट दिया, अन्यथा इस रिपोर्ट को लेकर देश में, संसद में जमकर हंगामा होता। हमारी सरकार किसी भी हंगामा में यकीन नहीं रखती। वैसे भी हमारी बैशाखियों पर टिकी सरकार हंगामा -प्रूफ सरकार है।

हिंडनबर्ग की रिपोर्ट में जिन बुच दम्पत्ति का जिक्र किया गया है सरकार और सेबी उनके पीछे ढाल बनकर खड़ी हो जाती है। सेबी की नजर में बुच दम्पत्ति और सरकार की नजर में दोनों पूरी तरह पाकीजा हैं। हमारे मध्यप्रदेश में भी किसी जमाने में एक बुच दम्पत्ति हुआ करते थे। ईमानदारी के मामले में उनका डंका बजता था। डंका तो माधवी और धवल भी बज रहा है, लेकिन उसकी ध्वनियाँ अलग तरह की हैं उनका नाम ऐ-2 से जोड़ा जा रहा ह। फिलहाल ऐ-१ का नाम इस रपट में नहीं आया है।

बुच दम्पत्ति का दुस्साहस देखिये कि सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच ने दो पन्नों का एक बयान जारी कर हिंडनबर्ग के दावों को खारिज कर दिय। बुच दम्पत्ति का कहना है कि रिपोर्ट में जिस फंड का जिक्र किया गया है, उसमें 2015 में निवेश किया गया था और ये माधबी के सेबी का सदस्य बनने से दो साल पहले का मामला है। स्वाभाविक रूप से इस रिपोर्ट के प्रकाश में कांग्रेस ने समूचे मामले की मांग की ह। कांग्रेस चाहती है की इस मामले कीजांच के लिए संयुक्त संसदीय जांच समिति गठित की जाये।

सेबी की रिपोर्ट और उससे हुए खुलासे से आम जनता को कोई खास फर्क नहीं लड़ता, क्योंकि उसे पता है कि सरकार न सिर्फ सेबी को से० करने के लिए उसके पीछे पहाड़ बनकर खड़ी होगी, वरन हमलावर कांग्रेस से भी जूझ लेगी। क्योंकि भ्ष्टाचार की गंगा में सेबी या बुच दम्पत्ति अलग नहीं है। ऐ-२ भी कहीं न कहीं इस गंगा में डुबकी लगा रहे हैं। दरअसल सरकार न इस गंगा का कुछ बिगाड़ सकती है न उस गंगा का कुछ बिगाड़ सकती है। दोनों के बीच बिगाड़ का रिश्ता है ही नहीं।

बेवश सरकार को देखकर ही गंगा अपने तेवर बदलती है। बिहार के आरा में गंगा के जलस्तर में लगातार वृद्धि हो रही है जिसके कारण गंगा के तटवर्ती इलाकों में बाढ़ का खतरा अब मंडराने लगा है. गंगा का पानी खतरे के निशान से 53.08 को पार कर अब 53.20 सेंटीमीटर हो चुका है, जोखतरे के लाल निशान से करीब 12 सेंटीमीटर ऊपर बह रहा है। गंगा को देख सोन नदी भी कहर ढाना सीख गयी है। जमीन पर बहने वाली गंगा की तरह भ्ष्टाचार की अदृश्य गंगा के खतरे के निशान का कोई उल्लेख नहीं है। इसलिए आज मेरे लिए ये कहना मुमकिन नहीं है कि भ्रष्टाचार की गंगा खतरे के निशान के ऊपर है या नहीं।

गंगा किनारे रहने वाले हमारे शुभचिंतकों ने सूचना दी है कि गंगा के बढ़ते जलस्तर से गंगा तटवर्ती के कई गांव के संपर्क पथ के ऊपर से बाढ़ का पानी बह रहा है, जिससे गांव के लोगों को आने जाने में काफी परेशानी हो रही है। वहीं सरकारी स्कूलों के अंदर भी बाढ़ का पानी प्रवेश कर चुका है, जिससे स्कूल पूरी तरह से बंद हो चुके हैं। इधर बाढ़ के पानी से खेतों में लगी फसल तो बर्बाद हो ही रही है और तेज बहाव से सड़कें भी छतिग्रस्त होने लगी हैं। इसके अलावा तटवर्ती इलाकों में कटाव भी शुरू हो चुका है और इसकी जद में कई पेड़, पौधे, घर सब अब पानी में जमींदोज हो रहे हैं।

हम सब जानते हैं की गंगा से हमारा गहरा नाता है। सरकार के मुखिया तो खुद गंगा पुत्र है। गंगा की पुकार पर ही वे 2014 में गुजरात छोड़कर बनारस आये थे। बनारस में भी अब गंगा खतरे के निशान की तरफ बढ़ रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में गंगा-पुत्र को मिले वोट इस बात का सबूत हैं। गंगा जमीन पर बहने वाली हो या फाइलों में बहने वाली है तो गंगा ही। गंगा उलटी बहे या सीधी ये गंगा की मर्जी। गंगापुत्र गंगा से कुछ नहीं कह सकते।

-प्रियंका सौरभ

अहिंसा ही मनुष्य का परम धर्म हैं। परन्तु जब धर्म पर आंच आए तो यह नहीं कह सकते कि हम अहिंसक हैं, इसलिए कायर बनकर मार खाते रहेंगे; उस समय। धर्म की रक्षा करने के लिए प्रतिकार करना सबसे बड़ा धर्म होता हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो सदा अहिंसा का मार्ग मनुष्य को अपनाना चाहिए, परन्तु यदि उसके धर्म पर और राष्ट्र पर कोई आंच आए, तो पाण्डवों की तरह अहिंसा का मार्ग त्यागकर, डटकर शत्रु का मुकाबला करना चाहिए।

धर्मो रक्षति रक्षितः अहिंसा परमो धर्मः धर्म हिंसा तथैव च।

अहिंसा परमो धर्मः धर्म हिंसा तथैव चः इस श्लोक के अनुसार अहिंसा ही मनुष्य का परम धर्म हैं और जब-जब धर्म पर आंच आये तो हिसां ही श्रैष्ठ है। अगर ये सच है तो क्या भारत का गौरवशाली इतिहास तोड़ मरोड़कर पेश किया गया है? गीता के उपदेश भी अधूरे बताए गए। हमें सिखाया गया कि अहिंसा परमो धर्मः यानि अहिंसा ही मनुष्य का परम धर्म है। जबकि, पूरा श्लोक है कि अहिंसा परमो धर्मः धर्म हिंसा तथैव चः, इसका अर्थ है कि अहिंसा मनुष्य का परम धर्म है और धर्म की रक्षा के लिए हिंसा करना उससे भी श्रेष्ठ है। हमें अहिंसा का मार्ग अपनाना चाहिए, लेकिन हमारे धर्म पर और राष्ट्र पर कोई आंच आए तो अहिंसा का मार्ग त्याग कर हिंसा का रास्ता अपनाना चाहिए। क्योंकि वह धर्म की रक्षा के लिए उठाया गया कदम है। हिंदू देवी-देवता शस्त्र और आशीर्वाद की मुद्रा में होते हैं, क्योंकि वह निर्दोष को क्षमा करते हैं और पापी को दंड देते हैं। कुछ राजनेताओं ने अपने स्वार्थ के लिए अधूरे श्लोक की व्याख्या की है। अहिंसा हिंदू धर्म का प्रतीक है केवल तब तक जब तक बात धर्म की मयार्दा की हो।जब बात धर्म की हानि की हो तो भगवान भी हिसंक और हिसां का रास्ता अपनाना श्रैष्ठ समझते हैं।

यदा यदा हि धर्मस्य ग्लानिर्भवति भारत।
अभ्युत्थानमधर्मस्य तदात्मानं सृजाम्यहम् ॥ 4।7॥
परित्राणाय साधूनां विनाशाय च दुष्कृताम।।
धर्मसं स्थापनार्थाय संभावनामि युगे युगे ॥ 4।8॥

यानी जब-जब धर्म की हानि होती है और अधर्म की वृद्धि होती है, तब-तब मैं प्रकट होता हूं (अवतार होता हूं) (श्रीमद्भगवद्गीता 4।7) साधुजनों का विनाश करने के लिए, पाप कर्म करने वालों का विनाश करने के लिए और धर्म की स्थापना करने के लिए, मैं हर युग में प्रकट होता हूँ (श्रीमद्भगवद्गीता 4।8)

प्रख्यात धार्मिक लेखिका चन्द्रप्रभा सूद कहती है, "धर्म मनुष्य को घुट्टी में पिलाया जाता है। बच्चा जब बोलने लगता है, तब माता-पिता उसे अपने इष्ट देव की स्तुति स्मरण करवाने लगते हैं। जब बच्चा उसका शुद्ध उच्चारण करते हुए उसे कण्ठस्थ कर लेता है, तो वे फूले नहीं समाते। माना यही जाता है कि धर्म दिलों को जोड़ने के लिए एक पुल का कार्य करता है। विश्व का कोई भी धर्म आपस में वैमनस्यता फैलाने का कार्य नहीं करता। धर्म के नाम पर यदि दंगे-फसाद या मारकाट होने लगे, तब इसके कारण और निवारण पर मनुष्य को अवश्य ही विचार कर लेना करना चाहिए। धर्म हर मनुष्य का बेशक व्यक्तिगत मामला होता है, परन्तु उसका प्रभाव पूरे समाज पर पड़ता है। यदि धर्म को हम मनुष्य का कर्त्तव्य मानते है, तो भी उसका व्यक्तिगत आचरण निस्सन्देह उसके अपनों तथा समाज पर अपना प्रभाव छोड़ता है। 'देवी भागवत' नामक पुराण में महर्षि वेदव्यास ने कहा है-

परित्यजेदर्थकामौ यौ स्यातां धर्मवर्जितौ।
धर्मं चाप्यसुखोदर्कं लोकनिकृष्टमेव च॥

अर्थात् जो धन-सम्पत्ति तथा मन की इच्छा धर्म के विपरीत हो, उसका त्याग करना चाहिए। जो धर्म भविष्य में संकट उत्पन्न कर सकता है या किसी समाज के प्रतिकूल सिद्ध हो सकता है, उस धर्म में भी परिवर्तन करना आवश्यक है। इस श्लोक में यह समझाया गया है कि धन-वैभव या कोई कामना यदि धर्म के विरुद्ध हो, तो मनुष्य को चाहिए कि वह उनका त्याग कर दे। आने वाले समय में यदि धर्म से संकट उत्पन्न होने की आशंका हो, तो उस धर्म में परिवर्तन कर देना ही श्रेयस्कर होता है। कहने का तात्पर्य यही है कि यदि धर्म जोड़ने के स्थान पर तोड़ने का कार्य करने लगे, तो विद्वत सभा को उस पर विचार करके, उसमें परिवर्तन कर देना चाहिए। यही मानव जाति के लिए उत्थान के लिए आवश्यक होता है।हमारे प्राचीन ग्रन्थ धर्म के विषय में कहते हैं-

धर्म एव हतो हन्ति धर्मो रक्षति रक्षितः।।
तस्माद्धर्मो न हन्तव्यो मा नो धर्मो हतोऽवधीत।।

अर्थात् जो धर्म का नाश करता है, उसका नाश धर्म कर देता है और जो धर्म की रक्षा करता है, उसकी धर्म रक्षा करता है। मरा हुआ धर्म हमें न मार डाले, इस भय से धर्म का त्याग कभी न करना चाहिए। धर्म का आशय व्यक्ति के अपने कर्त्तव्य, नैतिक नियम, आचरण आदि से है। जो व्यक्ति इन सबका ईमानदारी से पालन करता है, वह धर्म की रक्षा करने वाला होता है। प्राचीन धर्मशास्त्रों में धर्म के स्वरुप का विभिन्न रूप से वर्णन किया गया है। सामाजिक नियमों के अनुरूप इन सभी कर्तव्यों या नियमों को बताया गया है। ब्राह्मण का कर्त्तव्य क्षत्रिय से सर्वथा अलग बताया गया है, वैश्य और शूद्र के कार्य भी यहाँ अलग-अलग बताए गए हैं। इसी तरह एक स्त्री के कर्त्तव्य भी पुरुष से भिन्न कहे गए हैं। ये सब कर्तव्य धर्म और विधान से जुड़े हुए हैं, इसलिए इस विधान को चुनौती देना धर्म सम्मत नहीं कहा गया, इसे धर्म की अवमानना करना समझा जाता था। इसके लिए मनुस्मृति में दण्ड का विधान भी किया गया था। भगवान श्रीकृष्ण ने 'श्रीमद्भागवद्गीता' में अहिंसा को परम धर्म माना है-

अहिंसा परमो धर्मः धर्म हिंसा तथैव च।

इस श्लोक के अनुसार अहिंसा ही मनुष्य का परम धर्म हैं। परन्तु जब धर्म पर आंच आए तो यह नहीं कह सकते कि हम अहिंसक हैं, इसलिए कायर बनकर मार खाते रहेंगे। उस समय। धर्म की रक्षा करने के लिए प्रतिकार करना सबसे बड़ा धर्म होता हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो सदा अहिंसा का मार्ग मनुष्य को अपनाना चाहिए, परन्तु यदि उसके धर्म पर और राष्ट्र पर कोई आंच आए, तो पाण्डवों की तरह अहिंसा का मार्ग त्यागकर, डटकर शत्रु का मुकाबला करना चाहिए। यदि कोई व्यक्ति किसी के परिवार को कोई हानि पहुँचता हैं, उसका उत्तर तो देना ही पड़ता है। मनुष्य का पहला कर्त्तव्य या धर्म अपने घर-परिवार, देश, धर्म और समाज के हितार्थ होता है।

-डा. जयंतीलाल भंडारी-

देश में प्रत्येक नागरिक के पास गुणवत्तापूर्ण आवास, 24 घंटे शुद्ध पेयजल और बिजली आपूर्ति, हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड और बैंकिंग सुविधाओं सहित उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच जरूरी होगी। देश में उच्च जीवन प्रत्याशा के साथ एक स्वस्थ जीवन और विश्व स्तरीय और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच जरूरी होगी। देश में सार्वभौमिक साक्षरता और बहु-विषयक, जीवन भर सीखने के साथ सभी के लिए सार्थक शिक्षा और कौशल, पूर्ण रोजगार और समृद्ध आजीविका, उद्यमशीलता के अवसरों वाले समाज का निर्माण किया जाना होगा।

अब विकसित भारत की डगर

इन दिनों देश के कोने-कोने में वर्ष 2047 तक भारत को विकसित देश बनाने के मद्देनजर विचार मंथन का दौर दिखाई दे रहा है। यह कहा जा रहा है कि विकसित भारत का संकल्प चुनौतीपूर्ण है, लेकिन असंभव नहीं है और भारत इसे प्राप्त कर सकता है। हाल ही में नीति आयोग के शासी निकाय की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि विकसित देश बनाने के लिए कई अनुकूलताएं भारत के पास हैं। चूंकि यह दशक तकनीक और भू-राजनीतिक बदलाव का है, अतएव भारत को इस मौके का पूरा फायदा उठाना होगा और ऐसी नीतियां बनानी होंगी, जिससे भारत विकसित देश की डगर पर आगे बढ़े। नीति आयोग के पदेन सदस्य कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के मद्देनजर कृषि सेक्टर की अहम भूमिका होगी। गौरतलब है कि नीति आयोग के द्वारा वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने को लेकर प्रस्तुत किए गए दृष्टिकोण पत्र में कहा गया है कि ह्यजनसांख्यिकी, लोकतंत्र और विविधताह्न के तीन स्तंभों पर विकसित भारत बनाने का लक्ष्य रखा गया है। कहा गया है कि पिछले 70 वर्षों में मुश्किल से एक दर्जन मध्यम आय वाले देश ही उच्च आय वाले विकसित देश बन पाए हैं। ऐसे में विकसित भारत के लिए कई बड़े लक्ष्य की चुनौतियों के बीच भारत को विकसित देश बनाने की डगर पर आगे बढ़ा जाएगा। कहा गया है कि भारत को एक विकसित देश बनने के लिए 18000 अमेरिकी डॉलर की प्रति व्यक्ति वार्षिक आय के साथ 2047 तक 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर यानी करीब 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की आवश्यकता है।

देश में प्रत्येक नागरिक के पास गुणवत्तापूर्ण आवास, 24 घंटे शुद्ध पेयजल और बिजली आपूर्ति, हाई-स्पीड ब्रॉडबैंड और बैंकिंग सुविधाओं सहित उच्च गुणवत्ता वाली सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच जरूरी होगी। देश में उच्च जीवन प्रत्याशा के साथ एक स्वस्थ जीवन और विश्व स्तरीय और सस्ती स्वास्थ्य सेवाओं तक लोगों की पहुंच जरूरी होगी। देश में सार्वभौमिक साक्षरता और बहु-विषयक, जीवन भर सीखने के साथ सभी के लिए सार्थक शिक्षा और कौशल, पूर्ण रोजगार और समृद्ध आजीविका, उद्यमशीलता के अवसरों वाले समाज का निर्माण किया जाना होगा। देश में एआई सक्षम चिकित्सा, शिक्षा और कृषि जैसी उन्नत तकनीकों सहित सभी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल होना जरूरी है। देश में सार्वजनिक परिवहन, डीपीआई और दूरसंचार सहित अत्याधुनिक बुनियादी ढांचा निर्मित किया जाना होगा। देश को वैश्विक आर्थिक विकास का चालक बनाने और वैश्विक प्रतिभा, व्यापार और पूंजी का चुंबक बनाया जाना होगा। देश के शहर और बाजार दुनिया के सबसे बड़े और शीर्ष व्यापारिक और वित्तीय केंद्रों में रेखांकित होने चाहिए। देश मैन्युफैक्चरिंग, सेवाओं, अनुसंधान और नवाचार में आगे होना चाहिए। देश में एक जीवंत ग्रामीण अर्थव्यवस्था जरूरी होगी जिसमें ग्रामीण जीवन स्तर शहरी क्षेत्रों के बराबर हो। साथ ही औसत ग्रामीण आय (कृषि और गैर-कृषि दोनों) देश की प्रति व्यक्ति आय के बराबर हो। विकसित भारत के लिए यह भी जरूरी है कि देश दुनिया के लिए एक समावेशी और लोकतांत्रिक विकास का रोल मॉडल बने, देश वैश्विक मंचों पर एक प्रमुख सदस्य बने और वैश्विक वाताओं और शांति के लिए उत्प्रेरक बने।

इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि वित्तमंत्री सीतारमण के द्वारा वर्ष 2024-25 का आम बजट भी विकसित भारत के सपने को पूरा करने के मद्देनजर एक महत्वपूर्ण बजट है। इस बजट का सम्पूर्ण विश्लेषण करने के बाद दुनिया की विभिन्न प्रमुख क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के द्वारा नए बजट से देश के विकसित भारत की डगर पर आगे बढ? एवं भारत की वैश्विक साख बढ? से संबंधित प्रभावी टिप्पणियां की गई हैं। वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों मूडीज, एसएंडपी, फिच आदि ने वित्त वर्ष 2024-25 के भारत के बजट की सराहना करते हुए कहा है कि इस बजट के तहत राजस्व घाटा (रेवेन्यू डेफिसिट) एवं राजकोषीय घाटा (फिस्कल डेफिसिट) कम करने की प्रतिबद्धता दिखाई गई है। निःसंदेह वैश्विक क्रेडिट रेटिंग एजेंसियों के द्वारा भारत की वैश्विक साख सकारात्मक होने की जो टिप्पणियां प्रस्तुत की गई हैं, उनके पीछे सबसे प्रमुख आधार वे प्रावधान हैं जो नए बजट को विकसित भारत के सपने को मजबूती देने वाला बजट बनाते हुए दिखाई दे रहे हैं। यद्यपि वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य चुनौतीपूर्ण है, लेकिन असंभव नहीं है। भारत को विकसित देश बनाने के लिए कई बातों पर कारगर तरीके से ध्यान देना होगा। 2047 तक 30 लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने और उस समय तक 18000 डॉलर वार्षिक प्रति व्यक्ति आय के लक्ष्य को हकीकत में बदलने के लिए दो अंकों की वृद्धि लगातार बरकरार रखनी होगी। इस परिप्रेक्ष्य में हम दुनिया के कई देशों को सामने रख सकते हैं। सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, जापान, जर्मनी जैसे देशों ने दशकों तक ऊंची विकास दर से विकसित देश के तमगे हासिल किए हैं। इन देशों के विकसित देश बनने में संस्थागत और सामाजिक बदलावों से भी बड़ी मदद मिली है। यदि हम ऐसे बदलावों की ओर देखें तो पाते हैं कि जहां सिंगापुर ने देश में व्याप्त अफसरशाही में सुधार किया, वहीं कोरिया ने अभिनव निजी-सार्वजनिक भागीदारी विकसित की है। इसी तरह जापान ने अपने सार्वजनिक क्षेत्र में नियमन और न्यायपालिका में पूरी तरह पश्चिमी उदारवादी मॉडल अपनाने की रणनीति अपनाई।

भारत में भी ऐसे संस्थागत और सामाजिक बदलाव के आधार पर उच्च वृद्धि हासिल करनी होगी। देश में ऊर्जा क्षेत्र की मुश्किलें भी दूर करनी होंगी। औद्योगिक प्रतिस्पर्धा बढ़ाना होगी।

ग्रामीण शहरी असमानता दूर करनी होगी। इन सबके साथ-साथ इस बात पर भी ध्यान देना होगा कि

-विनोद तकियावाला-

दिल्ली की सिंधासन के लिए सियासी जंग

भारतीय राजनीति के मर्मज्ञ व पंडितयों के मध्य चिन्तन व चर्चा दबी जुबान से शुरू हो गई कि मोदी व शाह के लिए तीसरे काल में सरकार चलाना इतना आसान नहीं, जिसकी झलकआये दिनों देखने को मिलनें लगी है। विश्व के राजनीति पटल पर सदियों से अपना सिक्का जमाने वाला हमारा देश भारतवर्ष सैदव ही चर्चा के केन्द्र में रहता है।

भारतीय राजनीति में इसी क्रम में परिवर्तन का चक्र चला दिल्ली दरबार के सिंधासन भाजपा व उनकी सहयोगी दलों की सरकार बनी, 2014 से 2024 दो कार्यकाल तक चली, भाजपा व मोदी सरकार के हौसले बुलंद थें। दूसरे कार्यकाल में तो विपक्ष को कुछ नही माने देश के लोकतंत्र के मन्दिर में संविधान संसोधन, बिल पास करवाने विपक्षों दलो के सांसद का निलम्बन आदि काफी चर्चा व चिन्तन का विषय बना, पार्टी द्वारा अपने संरक्षक स्वरूप आर एस एस अर्थात संघ की अनदेखी तक करते लगी। सर पर 2024 का साधारण चुनाव था। इसके पूर्व राज्यो के विधान सभा चुनावों में सफलता मिलती देख कर, अपने समर्थकों व पार्टी के कार्यकत्ताओं के लिए फरमान जारी कर दिया कि मोदी-शाह के नेतृत्व में अबकी बार 400 का दिया, पार्टी नें अपने मोदी-शाह जिसे चाणक्य भी कहा जाने था। लोकसभा चुनाव के परिणाम 400 का आकंडा पहुंचना तो दुर की बात-सरकार बनाने के लिए दो दलों का बैसाखी का लेना पड़ा। भारतीय राजनीति के क्षितिज पर विगत 10 बर्षो तक चमकने -दमकने वाला मोदी व उसके अजीज दोस्त शाह की करिश्माई जोड़ी के नेतृत्व में एन डी ए व दो बैशाखी के सहारे की सरकार तो बना ली, लेकिन दिल्ली दरबार की तीसरी मोदी सरकार के शपथ ग्रहण के साथ ही यह पूछा जाने लगा था कि भाजपा व उसके सहयोगी दलों की केन्द्र में सरकार कितने दिन चलेगी?यहाँ पर आपके मन सक व शंका उठना स्वाभाविक है कि 10 बर्षो से केन्द्र सरकार में एन डी ए की नेतृत्व वाली सरकार के लिए ऐसी कहना उचित है क्या। मै यहाँ पर स्पष्ट कर दूँ कि ऐसी आशंका किसी भी गठबंधन सरकार के लिए जताई जाती रहीहै। कई गठबंधन सरकारें चली भी हैं, तो गठबन्धन की सरकार ताश के पत्ते की भरभरा कर गिरी भी हैं। आप को स्मरण होगा सन1992 में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में बनी नरसिंह राव की सरकार ने अपना कार्यकाल पूरा किया था। उसके बाद अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बीजेपी की अगुवाई वाले राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन (एनडीए)ने भी अपना कार्यकाल पूरा किया था। डा0 मनमोहन सिंह की अगुवाई में दो सरकारोंझयूपीए 1और यूपीए 2 ने अपना कार्य काल पूरा किया था। वही गठबंधन सरकारों के बीच में ही भरभराकर गिर पड़ने के कई उदाहरण हैं। भारतीय राजनीति में आपातकाल अध्याय के बाद केंद्र में विपक्ष की बनी पहली सरकार जनता पार्टी की एक तरह से गठबंधन की ही सरकार थी। वह अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाई। बाद में 1989 में जनता दल के नेतृत्व में बनी सरकार भी बीच में ही गिर गई थी।

इस सरकार को एक ओर से वामपंथी तो दूसरी ओर से बीजेपी समर्थन दे रही थी। इसी तरह से अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में बनी दो सरकारें भी अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाईं। एक बार तो वाजपेयी लोक सभा में बहुमत ही नहीं साबित कर पाये(सरकार महज 13 दिन रही)और दूसरी बार सरकार बनी तो महज 13 महीनों में ही गिर गई। इससे पहले चौधरी चरण सिंह की सरकार महीने भर और चंद्रशेखर की सरकार भी चार महीने में ही गिर चुकी है।

एक बच्चे की सउरी(गर्भवती जिस कमरे में बच्चे को जन्म देती है)में ही नजर उतराई(झाड़-फूंक) होने लगे उसके सौ साल जीने की उम्मीद कैसे लगाई जाए। राहुल गाँधी और लालू प्रसाद यादव दोनों इस ख्वाहिश को जता चुके हैं कि नरेंद्र मोदी की एन 1 व एन 2 की बैसाखी वाली सरकार कितने दिन चल पायेगी। दोनों सहयोगी दलों मोदी सरकार से अपनी दलो व राज्यों सरकार कई बात की उम्मीद लेकर बैठे हैं। सर्व विदित रहे कि तेलुगू देशम पार्टी के नेता चंद्रबाबू नायडू, जिनकी पार्टी के 16 सदस्य हैं और जनता दल यू के नेता नीतीश कुमार, जिनके दल के 12 सदस्य हैं, किसी न किसी दिन सरकार के लिए मुश्किलें खड़ी करेंगे। संसद के बजट सत्र में, इस बात के कयास लगाए जा रहे थे लेकिन केन्द्र सरकार द्वारा अपनी चुतराई से दोनों राज्यों को बड़े पैकेज देकर उनकी चाहत का ख्याल रखा गया। उन्हें असंतोष नहीं हुआ लैकिन दूसरे राज्यों में असंतोष देखने को मिला है, उनका मानना है कि मोदी सरकार ने बजट में उनके साथ अन्याय हो रहा है। जिसकी झलक नीति आयोग की बैठक मुख्य मंत्रियों का बहिष्कार कर हालॉकि प० बंगाल की मुख्य मंत्री सुश्री ममता बनजी बैठक में बैठक के मध्य में छोड़ कर चली गई। उनका आरोप था कि उन्हें बैठक में बोलने के लिए एक तो कम समय मिला इतना ही बीच में उनका माईक बंद कर दिया। मोदी सरकार व पार्टी का मानना है कि अगर चंद्रबाबू और नीतीश के समर्थन वापस ले लेने पर भी सरकार के पास 266 सदस्यों का समर्थन रहेगा। जिसकी सरकार होती है उसके लिए छह बाकी सदस्यों का इंतजाम करना बहुत मुश्किल नहीं होगा। वे महाराष्ट्र, कर्नाटक, गोवा, अरुणाचल प्रदेश, मध्य प्रदेश जैसे राज्यों की तरह केंद्र में भी दूसरी पार्टियों के सांसदों को बीजेपी में मिलाकर अपनी संख्या 272 तक पहुंचाने की कोशिश जरूर करेंगे। पीछे भी यही मोदी शाह टीडीपी के सांसदों को तोड़ भी चुके हैं, इसलिए इस बात की गारंटी नहीं है कि वे इस बार ऐसी कोई कोशिश नहीं करेंगे इसलिए सरकार गिरे, यह सहज में तो संभव नहीं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, **विक्रम राज** द्वारा हाऊस नं. आर-132 ब्लॉक-ए नियर मेन नसीरपुर रोड डाबरी पालम गांव न्यू दिल्ली-110045 से प्रकाशित एवं आर.डी. प्रिंटर्स पब्लिसर प्राइवेट लिमिटेड ए-41 सेक्टर-8 नोएडा-201301 उत्तर प्रदेश से मुद्रित। **सम्पादक : विक्रम राज**
समाचारों के चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदारी। समाचार पत्र में लेखकों द्वारा व्यक्त किए गए विचारों से संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है। न्यायलय संबंधी सभी मामले दिल्ली न्यायालय में ही निपटाए जाएंगे। RNI NO.- DELHIN/2023/86360. Telephone No.-011-49385179

कार्यकताओं के सर्वाधिक पसंदीदा नेता को विस टिकट देगी भाजपा, दो-दो नेताओं की ड्यूटी

करनाल । लोकसभा चुनाव में अपेक्षित चुनाव परिणाम नहीं मिलने से चिंतित भाजपा इस बार विधान सभा चुनाव में जहां कार्यकताओं की राय से टिकट देने की तैयारी कर रही है, वहीं भितरघात को रोकने के लिए टिकट के दावेदारों को भी भरोसे में लेने का हर संभव प्रयास कर रही है। इसके लिए हर जिले में पार्टी ने दो-दो बड़े नेताओं की ड्यूटियां लगाई हैं। इसी कड़ी में करनाल जिले की करनाल, घरौंडा, नीलोखेड़ी, असंध व इंद्री सभी पांचों विधान सभा सीटों पर रायशुमारी के लिए प्रदेश महामंत्री कृष्ण लाल बेदी और भिवानी के पूर्व जिलाध्यक्ष शंकर सिंह धूपड की ड्यूटी लगाई है।

ये नेता विधानसभा चुनाव में पार्टी प्रत्याशियों को टिकट देने से पहले कार्यकताओं का मन टटोलेंगे। यानी कार्यकताओं का पक्ष जानेंगे कि आखिर, वह किसे टिकट का वास्तविक दावेदार मानते हैं या फिर वह किसे टिकट दिलाना चाहते हैं। बताते हैं कि करनाल से सीएम नायब सिंह सैनी के फिर से चुनाव लड़ने की संभावना है इसलिए इस सीट पर दावेदार खुलकर सामने नहीं आ रहे हैं लेकिन टिकट की चाह तो कई लोगों को है। जिन दोनों नेताओं की ड्यूटी लगाई गई है, वह रविवार को भाजपा कार्यालय कर्ण कमल पहुंचे तो सूचना मिलते ही कई नेता यहां पहुंच गए।

जिसमें इंद्री विधायक राम कुमार कश्यप, भाजपा जिलाध्यक्ष योगेंद्र राणा, जिला प्रभारी भारत भूषण जुआल, पूर्व विधायक स बख्शीश सिंह, पूर्व विधायक जिले राम शर्मा, पूर्व उद्योग मंत्री शशि पाल मेहता, निवर्तमान मेयर रेणु बाला गुप्ता, मेहर सिंह कलामपुरा, महामंत्री सुनील गोयल, मीडिया प्रभारी डॉ अशोक आदि शामिल रहे।

इसमें कार्यकर्ता भी अच्छी खासी संख्या में बुलाए गए थे। रायशुमारी की प्रक्रिया से पहले कार्यकताओं को समझाया गया और प्रक्रिया को शुरू कर दिया गया। राय शुमारी में प्रदेश पदाधिकारी, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य, जिला पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष मंडल पदाधिकारी, मोर्चा प्रदेश पदाधिकारी मोर्चा जिलाध्यक्ष मोर्चा के मंडल अध्यक्ष, प्रकोष्ठ विभाग के प्रदेश व जिला संयोजक पूर्व विधायक व सांसद, जिला परिषद भाजपा के पार्षद, चेयरमैन, ब्लॉक समिति चेयरमैन वाइस चेयरमैन, मेयर , नगर निगम पार्षद, नगर पालिका व जिला परिषद के चेयरमैन ,वाईस चेयरमैन , निवर्तमान जिला अध्यक्ष, मंडल अध्यक्ष , सरकारी बोर्डों व निगमों के चेयरमैन व डिप्टी चेयरमैन की राय ली गई।

कैसे होगी रायशुमारी...कार्यकताओं व दावेदारों से रायशुमारी की शुरूआत आज से ही कर दी गई। जिसमें कार्यकताओं को एक पर्ची दी गई। जिनको इस पर्ची पर अपने विधानसभा क्षेत्र के पसंदीदा तीन दावेदारों के नाम लिखने थे।

इसके बाद पर्ची को एक बॉक्स में डाला गया। बताते हैं कि जिसके नाम को सबसे अधिक कार्यकताओं द्वारा पसंद किया जाएगा। उसी नेता को टिकट देने के लिए सिफारिश की जाएगी। शीर्ष नेतृत्व उसी नाम पर टिकट का निर्णय करेगा।

करनाल में पलटी 40 बच्चों से भरी स्कूल बस, 13 बच्चों को लगी चोट

करनाल । हरियाणा के करनाल के निसिंग क्षेत्र के गांव गुनियाना में रॉयल पब्लिक स्कूल की बच्चों से भरी बस अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गई। सोमवार की सुबह बस निसिंग, बरास, अमुपूर, बस्तली गांव से बच्चों को लेकर गुनियाना गांव में सरकारी स्कूल के समीप पहुंची। बस में करीब 40 बच्चे सवार थे।

जब बस अगले गांव जा रही थी तो सरकारी स्कूल के बच्चे सड़क क्रॉस कर रहे थे। सरकारी स्कूल के बच्चों के बचाव को लेकर बस चालक ने ब्रेक लगा दिए। बारिश होने पर सड़क पर पड़ी मिट्टी के कारण फिसलन होने पर बस फिसल गई। जिससे बस अनियंत्रित होकर पलट गई। बस पलटने से ग्रामीणों ने पलटी हुई बस में से बच्चों को बाहर निकाल। बस के पलट जाने पर बच्चों को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल निसिंग ले जाया गया। बस में सवार चालीस बच्चों में से 13 बच्चे जिनमें बरास, अमुपुर, बस्तली, निसिंग निवासी विद्यार्थी देव, मानवी, मानसून, माही, कोमल, लक्की, अंशू, आदित्य, देव अबुपूर, निहाल, वंश, आयुष, करंश सहित बस परिचालक अनमोल को चोटें पहुंची हैं। घटना की सूचना पुलिस को दी गई है। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। घायल विद्यार्थियों को अस्पताल में ले जाने पर चिकित्सकों ने बच्चों को उपचार दिया। 40 बच्चों में से 13 बच्चों सहित हेल्पर को चोट पहुंची है। चोटिल 13 बच्चों में से हेल्पर एवं तीन बच्चों को बाजू, छाती, कोहनी पर चोट लगने के कारण करनाल एक्स-रे जांच के लिए करनाल अस्पताल में एवं शेष बच्चों को परिजनों के साथ घर भेज दिया गया।

हरियाणा ने बिना मंजूरी कालका से पीजीआई के लिए चलाई बस, एसटीए ने चालान के बाद किया जब्त

चंडीगढ़। चंडीगढ़ में लोकल रूट पर बस चलाने के लिए चंडीगढ़ और हरियाणा आमने-सामने आ गए हैं। चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट पॉलिसी के अनुसार सीटीयू के अलावा शहर में लोकल रूट पर कोई बस नहीं चला सकता, लेकिन हरियाणा ने जबरन कालका से पीजीआई तक के लिए बस चला दी। रविवार शाम सात बजे के करीब एसटीए ने हरियाणा की बस को पकड़ लिया और चालान काटने के साथ जब्त कर ली। बस को सेक्टर-17 के थाने में खड़ा किया गया है। इससे दोनों जगहों के कर्मचारियों में हलचल है।

पिछले काफी समय से हरियाणा रोडवेज की तरफ से चंडीगढ़ में लोकल रूट पर पीजीआई के लिए बस चलाने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने विभाग से लिखित में भी मंजूरी मांगी। कई स्तर पर बैठकें भी हुईं और फाइलें भी चलीं, लेकिन हर बार चंडीगढ़ प्रशासन ने चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट पॉलिसी का हवाला देकर हरियाणा की मांग को ठुकरा दिया। इसके बाद शनिवार को अचानक सुबह के समय हरियाणा रोडवेज की एक हरे रंग की इलेक्ट्रिक बस चंडीगढ़ के मध्य मार्ग पर दौड़ती हुई नजर आई। यह बस पंचकूला के सेक्टर-5 से चली थी और पीजीआई से सवारियों को बिठाया और उतारा। इसके बाद शाम को फिर यही बस नजर आई। इससे सीटीयू यूनियन के पदाधिकारियों व सदस्यों के साथ विभाग के अधिकारियों के भी कान खड़े हो गए।

रविवार सुबह 9 बजे के करीब यह बस मध्य मार्ग पर देखी गई, लेकिन इस बार बस कालका से चली थी। कार्रवाई के लिए मामले की जानकारी स्टेट ट्रांसपोर्ट अथॉरिटी के अधिकारियों को दी गई, क्योंकि प्रशासन के अधिकारियों का कहना है कि ट्रांसपोर्ट पॉलिसी में स्पष्ट है कि लोकल रूट पर सिर्फ सीटीयू ही सेवाएं दे सकती हैं। अन्य राज्यों की बसों को मंजूरी नहीं है। ऐसे में हरियाणा जबरन बस चलाने की कोशिश कर रहा है।

रोज गार्डन के स्टॉप पर सवारी बनकर बैठे यूनियन के सदस्य...चंडीगढ़ में लोकल रूट पर हरियाणा की बस चलने की खबर फैलने के बाद सीटीयू यूनियन के कुछ सदस्य सेक्टर-16 के रोज गार्डन के बस स्टॉप सवारी बनकर बैठ गए और बस का इंतजार करने लगे। वो रविवार सुबह से लेकर शाम तक बैठे रहे।

शाम करीब 6:30 बजे यह बस नजर आई तो इसे रोज गार्डन के पास रोक लिया और एसटीए के मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर को जानकारी दी गई। मौके पर सीटीयू यूनियन के पदाधिकारी भी पहुंचे। चालक और परिचालक के पास गाड़ी से संबंधित कोई कागज नहीं था। वो एमवीआई को कहते रहे कि कागज दफ्तर में है। दोनों यूनिफॉर्म में भी नहीं थे, जिसके बाद एमवीआई रविंदर सिंह ने चालान काटा और बस को जब्त करके सेक्टर-17 स्थित पुलिस थाने के पास खड़ा कर दिया गया। जानकारी के अनुसार मौके पर हरियाणा के एक अधिकारी भी पहुंचे, लेकिन तब तक कार्रवाई हो चुकी थी।

पहले भी दो बार लोकल रूट पर बस चलाने की हो चुकी है कोशिश

इससे पहले भी हरियाणा ने दो बार चंडीगढ़ में लोकल रूट पर बस चलाने की कोशिश की है। वर्ष 2019 और 2021 में भी ऐसी कोशिश हुई थी। चंडीगढ़ गवर्नमेंट ट्रांसपोर्ट वर्कर्स यूनियन के नेता सुरिंदर सिंह, गुरनाम सिंह और सतिंदर सिंह ने कहा कि हरियाणा सरकार धक्का कर रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि इन बसों को चंडीगढ़ में चलने नहीं दिया जाएगा। यूनियन इसका सख्त विरोध करेगी। हालांकि, अब देखना होगा कि जिस तरह से हरियाणा रोडवेज की बस को चंडीगढ़ में रोका गया है और जब्त किया गया है, इस पर हरियाणा का क्या रुख होता है।

उत्तर-पश्चिमी भारत में लहलहाएगी नई गन्ना किस्म सीओ-17018, करनाल में की ईजाद

करनाल । गन्ना प्रजनन संस्थान के क्षेत्रीय केंद्र करनाल के वैज्ञानिकों ने गन्ने की नई सामान्य किस्म सीओ-17018 ईजाद की है। जिसे कर्ण-17 नाम भी दिया गया है। इस नई किस्म से गन्ने की पैदावार तो बढ़ेगी ही, मिलों को भी गन्ने में बेहतर चीनी मिलेगी। ये नई किस्म हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश सहित पूरे उत्तर पश्चिमी भारत के लिए है। इस किस्म की पेड़ी भी काफी अच्छी होगी। सालभर पहले क्षेत्रीय केंद्र गन्ना प्रजनन संस्थान करनाल ने सीओ-16030 किस्म को ईजाद किया था। जिसे केंद्रीय किस्म रिलीज कमेटी (सीबीआरसी) ने रिलीज कर दिया था। वैज्ञानिक इस किस्म के साथ साथ एक और सामान्य किस्म पर काम कर रहे थे। क्षेत्रीय केंद्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. रविंद्र कुमार के अनुसार सामान्य किस्म की जरूरत इसलिए भी थी, क्योंकि उत्तर भारत में अगेती किस्मों का प्रचलन बढ़ रहा है।

जल्द तैयार होने, चीनी परता ठीक होने के कारण मिलें भी अगेती किस्मों को खरीदने व प्रोत्साहित करने में रुचि लेती हैं। जिसका परिणाम ये हो गया है कि करीब 80 से 90 प्रतिशत गन्ना क्षेत्र अगेती किस्मों का हो गया है, जिससे किस्म असंतुलन की स्थिति पैदा हो गई है। अब वैज्ञानिकों ने नई किस्म ईजाद की है, जिसे सीओ-17018 नाम दिया गया है।

इस किस्म को तैयार करने के लिए केंद्र के वैज्ञानिकों ने 13 सालों तक कठिन परिश्रम किया। ये सामान्य किस्म है लेकिन गन्ने की पैदावार और चीनी के परते में भी अधिक है, जिसके कारण ये असंतुलन को खत्म करने में सहायक बनेगी। इस किस्म को रिलीज करने के लिए सीबीआरसी को भेजा गया था। इसके सभी परीक्षण पूर्ण होने के बाद अब केंद्रीय किस्म रिलीज कमेटी ने इसे स्वीकृति प्रदान कर दी है। इस किस्म को तैयार करने में जिन वैज्ञानिकों ने कार्य किया है, उनमें डॉ. रविंद्र कुमार, डॉ. एमआर मीणा, डॉ.आर.करुपेयन, डॉ. बक्शी राम, डॉ.जी. हेमप्रभा, डॉ. एमएल छाबड़ा, डॉ. पूजा और डॉ. बी.परमेश्वरी शामिल हैं।

डॉ. रविंद्र कुमार ने बताया कि सीओ 17018 किस्म की पैदावार परीक्षणों में 91.48 टन प्रति हेक्टेयर रही है। परीक्षणों के आधार पर इसकी पैदावार सीओ-767 से 13.1 प्रतिशत और सीओ पंत-97222 से 14.2 प्रतिशत अधिक पाई गई है। जूस में चीनी की मात्रा 18.38 प्रतिशत है, जो सीओए, 767 से 5.12 प्रतिशत अधिक है।

गन्ने में चीनी 13.68 प्रतिशत के करीब है। लंबाई 220 सीएम, मोटाई 2.5 सीएम और एक गन्ने का भार 1.20 किग्रा है। ये किस्म कई अन्य किस्मों से कई मामलों में अच्छी है। ये किस्म कई रोगों से मुक्त है, इसका गन्ना भी ठोस है। इसलिए खेत में गन्ना गिरने की समस्या भी नहीं होगी।

अक्तूबर में मिलेगा किसानों को बीज

सीबीआरसी से स्वीकृति मिल चुकी है, इसलिए क्षेत्रीय केंद्र में इस नई किस्म का बीच तैयार किया जा रहा है। पहली बार अक्तूबर में उपलब्धता के आधार पर किसानों को बीज दिया जाएगा। इस बीज से किसान अपने खेतों में बीज तैयार करेंगे। आने वाले कुछ सालों में ये किस्म खेतों में लहलहाएगी। ये सामान्य किस्म उत्तर पश्चिमी भारत के लिए है, जिसमें खासतौर पर हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड और दिल्ली आदि राज्य शामिल हैं। -डॉ. रविंद्र कुमार, वरिष्ठ वैज्ञानिक, क्षेत्रीय केंद्र, गन्ना प्रजनन संस्थान, करनाल

चुनाव आयोग प्रतिनिधिमंडल पहुंचा हरियाणा, कानून व्यवस्था की समीक्षा

चंडीगढ़ हरियाणा में आगामी विधानसभा आम चुनाव की तैयारियों की समीक्षा करने के लिए मुख्य चुनाव आयुक्त राजीव कुमार, चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार और डॉ. एसएस संधू के नेतृत्व में भारत निर्वाचन आयोग के प्रतिनिधिमंडल सोमवार को हरियाणा पहुंचा। इस दौरान मुख्य चुनाव अधिकारी पंकज अग्रवाल ने प्रतिनिधि मंडल का स्वागत किया। दो दिन के दौरे के दौरान प्रतिनिधिमंडल की तरफ से कानून व्यवस्था और चुनाव की तैयारियों की समीक्षा की जाएगी।

इस दौरान डीसी व पुलिस अधीक्षक के अलावा राजनीतिक दलों के साथ बैठक की जाएगी। उल्लेखनीय है कि हरियाणा में अक्तूबर में विधानसभा चुनाव होने हैं। मुख्य चुनाव अधिकारी कार्यालय की ओर से मतदाता सूची संशोधन व पोलिंग स्टेशन बनाने संबंधी कार्यों में जुटा हुआ है।

समय से पहले हो सकते हैं विधानसभा चुनाव, 25 अगस्त के बाद हो सकता है एलान

चंडीगढ़ हरियाणा में विधानसभा चुनाव तय समय से पहले हो सकते हैं। संभावना है कि 25 अगस्त के बाद भारतीय चुनाव आयोग आधिकारिक घोषणा कर सकता है। समय से पहले चुनाव की आहट के मद्देनजर हरियाणा सरकार पूरी तरह से अलर्ट मोड में आ गई है। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी जहां चुनाव को लेकर दिन-रात एक किए हुए हैं। वहीं, सीएमओ के अधिकारी भी देर रात तक फाइलें निपटाने में जुटे हुए हैं।

राजनीतिक विशेषज्ञों का कहना है कि इस साल देश के चार राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें हरियाणा के अलावा महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर और झारखंड शामिल हैं। जम्मू कश्मीर के कारण हरियाणा में चुनाव जल्द हो सकते हैं। जम्मू-कश्मीर में 2018 से सरकार नहीं है और यहां राष्ट्रपति शासन लागू है। यहां सितंबर 2024 में विधानसभा चुनाव संभावित हैं, जबकि हरियाणा सहित तीन अन्य राज्यों में अक्तूबर 2024 में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं।

इसलिए केंद्र सरकार यहां तय समय पर चुनाव कराने की तैयारी में है। इसके चलते ही दूसरे राज्यों के चुनाव भी समय से पहले हो सकते हैं। कानून विशेषज्ञ राम नारायण यादव ने बताया कि आर्टिकल 174 के कारण सरकार को छह महीने के भीतर विधानसभा सत्र बुलाना जरूरी है। चाहे वह एक दिन का ही सत्र क्यों न हो। गौर हो कि 2019 में विधानसभा चुनाव के लिए चुनाव आयोग ने 21 सितंबर को नोटिफिकेशन जारी किया था। इस सरकार का कार्यकाल तीन नवंबर 2024 को खत्म होगा।

मोगा पुलिस ने 4 लोगों को किया गिरफ्तार 6 पिस्टल, 7 मैगजीन,कार बरामद

मोगा। पंजाब में मोगा पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर मोगा के गांव खुखराना दाना मंडी से 6 पिस्टल, 7 मैगजीन, 41 कारतूस और एक मारुति कार के साथ 4 लोगों को गिरफ्तार किया है। जिसमें से 2 मोगा जिला के रहने वाले हैं। 2 फिरोजपुर जिला के रहने वाले हैं।

इस मामले में मोगा एसएसपी अंकुर गुप्ता के मीडिया को जानकारी देते हुए कहा कि मोगा पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि मोगा के गांव खुखराना दाना मंडी में एक मारुति कार में सवार 4 लोग किसी वारदात को अंजाम देने के लिए खड़े हैं। इनके पास भारी मात्रा में असलाह है। मोगा सीआईए टीम ने मौके पर जाकर मारुति कार में सवार चार लोगों को गिरफ्तार किया। सुच्चा सिंह वासी फतेहगढ़ पंजतूर मोगा, जसपाल सिंह वासी फिरोजपुर, सचिन उर्फ भट्टी वासी कुंडे जिला फिरोजपुर, गौतम कुमार वासी सुंदर नगर कोट इसे खां जिला मोगा के रूप में आरोपियों की पहचान हुई है।

चारों के पास से 6 पिस्टल, 7 मैगजीन, 41 कारतूस बरामद हुए हैं। चारों फिरोजपुर जेल में इकट्ठे थे और फिरोजपुर के सागर गैंग के साथ रंजिश है। पकड़े गए आरोपी सुच्चा सिंह पर 7 मामले दर्ज हैं, जसपाल पर 5 मामले दर्ज हैं, सचिन पर 3 मामले दर्ज हैं। 4 आरोपियों को मोगा अदालत में पेश करके रिमांड लिया जाएगा ताकि और कुछ खुलासे हो सके।

भोगपुर में युवकों को पीटने वाला एएसआई लाइन हाजिर,जूते के नीचे दबाया था सिर

जालंधर । जालंधर देहात के थाना भोगपुर एरिया में टी प्वाइंट पर लगे नाके के दौरान महिला पुलिसकर्मियों से बदतमीजी और गाली गलौज के बाद एएसआई ने दो युवकों को पकड़कर बीच सड़क बर्बरता से पीटा था। वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए एसपी ने जांच के आदेश दिए थे। डीएसपी आदमपुर अमित सूद ने जांच के बाद एएसआई को दोषी पाते हुए तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया।

वायरल वीडियो के मुताबिक एएसआई ने नाके से भागे दोनों युवकों को पीछा कर पहले पकड़ा और कानून हाथ में लेकर बुरी को पीटा। वीडियो में देखा जा सकता है कि पहले एएसआई ने युवकों को थप्पड़ मारे और उसके बाद एक युवक का सिर अपने पैर के नीचे दबा रखा। इस वीडियो को लेकर पीड़ित खुद को बेगुनाह बताकर बर्बरता के आरोप लगाकर एएसआई पर बिना मतलब के मारपीट करने की बात कही थी।

कपूरथला के रहने वाले अजय कुमार ने बताया कि वह शनिवार शाम भोगपुर में पार्टी से घर जा रहे थे। रास्ते में कोई नाका नहीं था। अचानक पीछे से आए एएसआई ने मोटरसाइकिल को लात मार कर गिरा दिया। मेरे दो दोस्तों से भी मारपीट की, लेकिन तीसरे को कुछ नहीं कहा। जब वह घर पहुंचे तो वहां एएसआई ने आकर मामला दर्ज करने की धमकी दी और दबाव बनाकर राजीनामा पर जबरदस्ती दस्तखत करवा लिए।

वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए एसएसपी हरकमलप्रीत सिंह खख ने डीएसपी आदमपुर सुमित सूद को जांच सौंप सौंपते हुए कहा था कि एएसआई और युवक दोनों ही गलत है। जब एसएचओ सिकंदर सिंह और नाके पर मौजूद टीम से जांच अधिकारी ने बात की तो कहानी कुछ और ही थी। जांच में पता चला कि शाम को एएसआई जसविंदर सिंह पुलिस पार्टी के साथ भोगपुर में नाका लगा कर खड़े थे। महिला मुलाजिम भी तैनात थी। इतने में 3 युवक मोटरसाइकिल से आए। रुकने का इशारा करने पर गालियां निकाल कर भाग गए।

तभी एएसआई जसविंदर ने पीछा कर उन्हें पकड़ लिया, तो उक्त युवक मारपीट करने लगे। इस दौरान मजबूरन एएसआई को हाथ उठाना पड़ा। डीएसपी ने जांच के बाद एएसआई को तत्काल प्रभाव से पुलिस लाइन भेज दिया है और उसके खिलाफ विभागीय कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

पेरिस ओलंपिक में भारत ने जीते छह पदक, हरियाणा के खिलाड़ियों को मिले पांच, लेकिन चमक घटी

चंडीगढ़। पेरिस ओलंपिक में हरियाणा के खिलाड़ियों ने दबदबा बरकरार रखा है। इस बार भारत ने कुल छह पदक जीते हैं, जिसमें पांच हरियाणा के खिलाड़ियों के हैं। इनमें एक रजत और दो कांस्य समेत तीन पदक व्यक्तिगत हैं।

टोक्यो ओलंपिक-2021 की तुलना में इस बार हरियाणा के खिलाड़ियों के पदकों की संख्या बढ़ी है, लेकिन पदकों की चमक कम हुई है।

पेरिस ओलंपिक में झज्जर की बेटी मनु भाकर ने 12 साल बाद निशानेबाजी में देश को पदक दिलाया है। मनु ने महिलाओं की 10 मीटर एयर पिस्टल में कांस्य पदक जीतकर ओलंपिक में पदक जीतने वाली पहली भारतीय महिला निशानेबाज बनने का गौरव हासिल किया। उन्होंने 25 मीटर पिस्टल मिक्स्ड टीम इवेंट में अंबाला के सरबजोत के साथ भी कांस्य पदक जीता। मनु ने एक ही ओलंपिक में दो पदक जीतकर नया कीर्तिमान भी स्थापित किया।

टोक्यो में भाला फेंक में स्वर्ण पदक जीतने वाले पानीपत के नीरज चोपड़ा ने इस बार ग्रोइन इंजरी के बाद भी रजत पदक हासिल किया। उन्होंने 89.45 मीटर दूर भाला फेंककर देश को रजत पदक दिलाया। एंजरी के कारण ही नीरज के छह में से पांच थ्रो फाउल में गिने गए। झज्जर के अमन सहरावत ने 57 किलो भारवर्ग में कांस्य पदक के लिए मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। उन्होंने प्यूर्टो रिको के पहलवान को हराकर कुश्ती का एक मात्र पदक देश की झोली में डाला।

भारतीय हॉकी टीम टोक्यो के बाद पेरिस में भी कांस्य पदक जीतने में सफल रही। हरियाणा के तीन खिलाड़ी सोनीपत के सुमित व अभिषेक नैन और हिसार के संजय इस टीम का हिस्सा थे। मैच के दौरान सुमित कुमार ने शानदार प्रदर्शन किया। मुक्केबाजों के दल में हरियाणा के चार खिलाड़ी शामिल थे। इनमें रोहतक के अमिल पंघाल, करनाल के निशांत देव, भिवानी की जैस्मिन लंबोरिया और प्रीति पंवार शामिल थीं। इनसे भी इस बार पदक जीतने की उम्मीद थी, लेकिन मुक्केबाजी में इस बार भी कोई पदक नहीं मिला।

भजन में दिखा स्वर्णिम भविष्य...सिरसा की तीरंदाज भजन कौर भले ही पदक नहीं जीत पाईं लेकिन अपने अपने प्रदर्शन से इस युवा खिलाड़ी ने खासा प्रभावित किया। खेलों की सबसे बड़ी प्रतियोगिता में विश्व के बड़े खिलाड़ियों के सामने बिना दबाव के लगाए गए उनके सटीक निशानों ने अगले ओलंपिक में पदक की उम्मीद बांधी है।

पदक न जीतकर भी विनेश, निशा और रितिका चैंपियन...पहलवान विनेश फोगाट दुर्भाग्यपूर्ण ढंग से 100 ग्राम वजन ज्यादा होने से 50 किलो भार वर्ग के फाइनल नहीं खेल सकीं। देश को उनसे स्वर्ण जीतने की पूरी उम्मीद थी। हालांकि भारतीय ओलंपिक संघ ने इस फैसले के खिलाफ खेल पंचाट में अपील कर रखी है और 13 अगस्त को इस पर फैसला आना है। हरियाणा सरकार ने घोषणा की है कि विनेश को रजत पदक विजेता के समान सम्मान व लाभ दिए जाएंगे। रोहतक की पहलवान रितिका हुड्डा को भी कुश्ती के नियमों के कारण हार का सामना करना पड़ा। 76 किग्रा भारवर्ग के क्वार्टर फाइनल में किर्गिस्तान की खिलाड़ी के खिलाफ बराबरी के बाद आखिरी अंक गंवाने के कारण उन्हें पराजित घोषित किया गया। इसके अलावा पहलवान निशा दहिया दाएं हाथ में चोट के कारण शुरूआती बढ़त के बावजूद 68 किग्रा कुश्ती मुकाबले के क्वार्टर फाइनल में उत्तर कोरिया की खिलाड़ी से हारकर बाहर हो गईं।

पदक विजेताओं को करोड़ों के पुरस्कार...हरियाणा सरकार ने पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने वाले खिलाड़ियों के लिए नगद पुरस्कार और सम्मान करने की घोषणा की थी। सरकार की ओर से एलान किया गया था कि पेरिस ओलिंपिक में जो भी खिलाड़ी स्वर्ण लेकर आएगा उसे 6 करोड़ रुपये, रजत जीतने पर 4 करोड़ और कांस्य जीतने पर 2.5 करोड़ रुपये दिए जाएंगे।

क्या अमेरिका के दखल से रुक जाएगी भूमध्य सागर में बड़े युद्ध की आशंका भारत की हालात पर सीधी नजर

अमेरिका। अमेरिका का तीसरा युद्धक बेड़ा अब्राहम लिंकन भूमध्य सागर की ओर चल पड़ा है। रक्षा मंत्री आस्टिन लॉयड के निर्देश पर पेंटागन ने परमाणु पनडुब्बी को भी भेज दिया है। भारतीय सामरिक विशेषज्ञों को भी लग रहा है कि अमेरिका के हडकाने से मिडिल ईस्ट में हालात काबू में नहीं आ रहे हैं। पूर्व राजनयिक एसके शर्मा कहते हैं कि दुनिया में बढ़े प्राक्सीवॉर के खेल ने खतरनाक रूप ले लिया है। पूर्व विदेश सचिव शशांक भी पश्चिम एशिया में जो खेल अमेरिका ने शुरू किया था, उसे कई खिलाडियों ने सीख लिया है।

भारतीय विशेषज्ञों को यह मानने में कोई गुरेज नहीं है कि बांग्लादेश में चल रहे घटनाक्रम भी इसी प्राक्सीवॉर का हिस्सा है। इसने भारत की परेशानी को भी बड़े पैमाने पर बढ़ा रखा है। भारतीय विदेश सेवा के एक पूर्व अधिकारी कहते हैं कि ईरान के पास कहीं से भी इस्राइल से लड? की क्षमता नहीं है। इस्राइल फायर पॉवर के मामले में ईरान पर बहुत भारी है, लेकिन ईरान और इस्राइल के बीच में कोई सीधा युद्ध नहीं होने वाला है। ईरान ने भी प्राक्सी वॉर का सहारा ले रखा है। फिलिस्तीन के संगठन हमास ने इस्राइल पर हमला किया था। इसके जवाब में इस्राइल हमास पर सैन्य हमले कर रहा है। दूसरी तरफ लेबनान से हिज्बुल्लाह ने इस्राइल के सैन्य ठिकानों और अन्य को निशाना बनाना शुरू किया है। तीसरी तरफ यमन से हूती विद्रोहियों ने लाल सागर में हमला करके बाधित कर रखा है। इन सबके बीच में हमास के पालिटिकल विंग के प्रमुख इस्माइल हानिए की हत्या हो गई है। इससे ईरान, हिजबुल्लाह, हमास, हूती बुरी तरह से भडके हैं।

गड़बड़ाई भू-राजनैतिक स्थिति में सब मिलकर एक साथ कर सकते हैं हमला

अंतरराष्ट्रीय सैन्य डिप्लोमेसी और स्ट्रेटजिक अफेयर्स पर निगाह रखने वाले भारतीय सेना के पूर्व लेफ्टिनेंट जनरल का कहना है कि धीरे-धीरे तनाव और युद्ध दोनों प्राक्सीवॉर के दौर से बाहर आ रहे हैं। पूर्व सैन्य अधिकारी को अंदेशा है कि जल्द ही पहले हिजबुल्लाह हमले का फ्रंट खोल सकता है। इसके बाद हमास के लड़ाके और यमन के विद्रोही तथा ईरान एक साथ इस्राइल के कई शहर को निशाना बना सकते हैं। बताते हैं ईरान की आर्थिक हालत किसी युद्ध को झेलने की नहीं है। उसके पास बहुत मारक हथियार भी नहीं हैं, लेकिन चारो तरफ से एक साथ हमला होने पर इस्राइल की मुसीबत बढ़ सकती है। पूर्व सैन्य अधिकारी का कहना है कि ईरान के वॉर रूम में इस तरह की जरूर कोई योजना बना रहा होगा। पूर्व विदेश सचिव शशांक भी कहते हैं कि अब ईरान प्राक्सी से तालमेल बनाने में उस्ताद हो चुका है। शशांक के मुताबिक ईरान की इस क्षमता को इस्राइल और अमेरिका अच्छी तरह समझते हैं। दूसरे जितना ईरान और इस्राइल का तनाव बढ़ेगा, उतना ही अमेरिका उलझेगा। इसका रूस को यूक्रेन के साथ चल रहे युद्ध में लाभ मिलेगा। रूस और ईरान काफी करीब हैं। चीन ने रूस और ईरान के साथ अपनी करीबी दिखाई है। रूस ने उत्तर कोरिया के साथ रिश्ते के कई दरवाजे खोल दिए हैं। इससे पूरी दुनिया की भू-राजनैतिक स्थिति बड़े विचित्र दौर से गुजर रही है। सामरिक मामलों के एक और जानकार का कहना है कि मौजूदा दौर को न तो शीत युद्ध का दौर कह सकते हैं और दो ध्रुवीय। यहां तो बहुध्रुवीय स्थिति बन रही है। कई मोर्चे पर तनाव बढ़ रहा है।

क्या ईरान अपने गुस्से को काबू में रख लेगा?

वरिष्ठ पत्रकार रंजीत कुमार कहते हैं कि इस्माइल हानिए की हत्या से पहले तक तो संभाव था। ईरान इस्राइल पर सैन्य हमला करने की धमकी भर देता रहता और समय के साथ शांति वार्ता, इस्राइल हमास का युद्ध विराम समझौता आदि आकार ले लेता, लेकिन अब मुश्किल लग रहा है। हानिए की हत्या के बाद ईरान के सामने न केवल अपनी संप्रभुता बल्कि अपनी स्थिति को भी बचाने की चुनौती खड़ी हो गई है। दूसरे ईरान अकेले नहीं है। उसे भी कुछ देश समर्थन दे रहे हैं। इसलिए धीरे-धीरे संभावना एक क्षेत्रीय युद्ध के भडकने की ही है। यह स्थिति कभी भी आ सकती है।

अमेरिका के यूएसएस अब्राहम लिंकन को भेजने का मतलब समझिए

यूएसएस अब्राहम लिंकन अमेरिकी नौसेना का तीसरा बेड़ा है। इस उसके अत्याधुनिक फाइटरजेट(एफ-18 सुपर हार्नेट, एफ-35 लाइडेनिंग), हेलीकाप्टर, और युद्धक साजो-सामान तैनात हैं। 2400 के करीब वायु सैनिक, 3000 हजार के करीब सैनिक कमांडो, ड्रोन, इलेक्ट्रानिक युद्ध के साजो-सामान, उन्नत निगरानी प्रणाली इसे काफी ताकतवर बनाती है। अब्राहम लिंकन महासागर में अमेरिका का एक बड़ा और चलता फिरता युद्धक बेड़ा है। इसमें पूरे बेड़े को दुश्मन की आंख और उसके वार से बचाने के लिए सभी साजो सामान तैनात हैं। इसे भेजने का सीधा अर्थ है कि अमेरिका ने इस्राइल की रक्षा और उसके दुश्मनों के वॉर से बचाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता दिखा दी है। इसके अलावा अमेरिका की परमाणु पनडुब्बी भी भू मध्य सागर के रास्ते में है। यूएसएस जार्जिया,यूएसएस थियोडोर रूसवेल्ट भी किसी भी चुनौती का सामना करने में सक्षम हैं। भारतीय रणनीतिकार के अनुसार अमेरिका सीधे संदेश दे रहा है कि किसी भी युद्ध की स्थिति से ईरान को बचना चाहिए और वह इस्राइल के साथ खड़ा है। ईरान गुस्ताखी करेगा तो अमेरिका का सैन्य बेड़ा इसका माकूल जवाब देने के लिए तैयार है।

भारत रख रहा है हालात पर सीधी नजर

पूर्व विदेश सचिव शशांक कहते हैं कि अभी तो भारत बांग्लादेश में बदलते घटनाक्रम पर विशेष ध्यान दे रहा है, लेकिन मध्य पूर्व एशिया हमारे लिए बहुत महत्वपूर्म है। इस्राइल, ईरान समेत कई देशों में हमारे लोग भी हैं और भारतीय हित भी है। फिलहाल तेल अवीव, तेहरान, बेरुत,ओम्मान और एरबिल के आसमान में तनाव की आशंका को देखते हुए हवाई उड़ानों को रोक दिया गया है। माना जा रहा है कि ईरान और उसका साथ देने वालों ने सैन्य कार्रवाई शुरू की तो इस्राइल भी चुप नहीं बैठेगा। इस स्थिति में तनाव काफी बढ़ सकता है। इसके चपेट में दुनिया के और भी क्षेत्र आ सकते हैं। इसके असर से दुनिया में एक बड़ी आर्थिक मंदी, भूख और गरीबी का खतरा मंडरा सकता है।

कैसे रुक सकता है कोई बड़े युद्ध का खतरा?

देश के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार सचिवालय में काम कर चुके देश के पूर्व नौकरशाह का कहना है कि अमेरिका, रूस और चीन के आपसी हित टकरा रहे हैं। ऐसा नहीं है कि पहले नहीं टकराते थे, लेकिन पिछले दशक से टकराव की नीति भी बहुत बदल गई है। पिछले कुछ दशक से प्राक्सीवॉर जिस तरह से नए रूपों में उभरा है, उसके कारण स्थिति विस्फोटक हो रही है। इसके कारण देशों में अस्थिरता बढ़ती है। अस्थिरता ही तनाव को बढ़ाती है। निर्णायक स्थिति बनने में दिक्कतें आती है। अब ईरान जैसे देश अपनी संप्रभुता को लेकर चिंतित हैं। इसके कारण तनाव भी अनियंत्रित स्थिति की तरफ बढ़ रहा है। इसलिए युद्ध जैसी संभावना को रोकने के लिए विश्व की महाशक्तियों को ही जिम्मेदार होना पड़ेगा

पाकिस्तान में पूर्व आईएसआई प्रमुख ले. जनरल फैज हमीद का होगा कोर्ट मार्शल

पाकिस्तान पाकिस्तान ने पूर्व आईएसआई प्रमुख ले जनरल (रि) फैज हमीद को सैन्य हिरासत में ले लिया है। सेना की जांच में जनरल हमीद को टॉप सिटी मामले में भ्रष्टाचार का दोषी पाया गया है और उनके खिलाफ अब कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू होगी। पाकिस्तान सेना की तरफ से जारी बयान के मुताबिक, सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (सेवानिवृत्त) के खिलाफ टॉप सिटी केस में की गई शिकायतों की सत्यता जांचने के लिए बनाई गई पाक सेना की पड़ताल ने उन्हें दोषी पाया है। लिहाा लेफ्टिनेंट जनरल फैज हमीद (रि) के खिलाफ पाकिस्तान सेना अधिनियम के प्रावधानों के तहत उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू की गई है।

सेना अधिनियम के उल्लंघन के भी कई मामले सामने आए...इतना ही नहीं जनरल हमीद के खिलाफ सेवानिवृत्ति के बाद पाकिस्तान सेना अधिनियम के उल्लंघन के भी कई मामले सामने आए। इन सबके मद्देनजर अब पाकिस्तान के पूर्व डीजी आईएसआई के खिलाफ फील्ड जनरल कोर्ट मार्शल की प्रक्रिया शुरू की गई है। साथ ही ले जनरल फैज हमीद को सैन्य हिरासत में ले लिया गया है।

प्रधानमंत्री इमरान खान के बेहद करीब...हमीद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के बेहद करीब थी। यहां तक कि अप्रैल 2022 में इमरान खान के प्रधानमंत्री रहते हुए उनका नाम पाक सेना प्रमुख के तौर पर भी चल रहा था, लेकिन पाकिस्तान की राजनीति कब क्या करवट ले यह कहना कठिन है। जनरल बाजवा और फिर जनरल आसिम मुनीर से बढ़ी दूरियों ने जनरल फैज हमीद को कठघरे में खड़ा कर दिया है।

जून 2019 से नवम्बर 2021 तक आईएसआई के मुखिया थे...जनरल हमीद वही शख्स हैं, जिसकी तालिबान के अफगानिस्तान पर कब्जे की योजना में भी अहम भूमिका थी। इतना ही नहीं काबुल में तालिबान के दाखिल होने और अशरफ गनी के देश छोड़ने के साथ ही एक तस्वीर जो खूब चचाओं में आई थी, वो काबुल के एक होटल में चाय की चुस्कियां लेते जनरल हमीद की थी। जनरल हमीद जून 2019 से नवम्बर 2021 तक पाकिस्तान की कुख्यात खुफिया एजेंसी आईएसआई के मुखिया थे। वहीं, सेना से रिटायरमेंट के पहले जनरल हमीद 31 कोर के कमांडर के रूप में तैनात थे।

'सत्तारूढ़ गठबंधन सोचता है, पैसे से जीते जा सकते हैं संबंध-चुनाव', लड़की बहिन योजना पर बोलीं सुले

मुंबई। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की कार्यकारी अध्यक्ष सुप्रिया सुले ने सोमवार को 'मुख्यमंत्री लड़की बहिन योजना' को लेकर महाराष्ट्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार मानती है कि संबंध और चुनाव पैसे से जीते जा सकते हैं।

इस योजना का उप मुख्यमंत्री अजित पवार ने पिछले महीने राज्य के बजट में एलान किया था। योजना के तहत ढाई लाख रुपये से कम की वार्षिक पारिवारिक आय वाली महिलाओं को वित्तीय मदद के रूप में 1500 रुपये दिए जाएंगे। सत्तारूढ़ सरकार आगामी विधानसभा चुनाव से पहले इस योजना का जमकर प्रचार कर रही है।

सुले ने कहा, रिश्तों और लेन-देन के बीच एक अंतर होता है। सत्तारूढ़ गठबंधन को लगता है कि रिश्तों और चुनावों को पैसे से जीता जा सकता है। खून का रिश्ता और प्यार लेन-देन से अलग हैं। उन्होंने कहा, यह योजना लोकसभा चुनाव के नतीजों के कारण लायी गई है, जिसमें सत्तारूढ़ गठबंधन ने खराब प्रदर्शन किया था। बारामती से सांसद सुले ने कहा, योजना स्वागत योग्य कदम हैं लेकिन पिछले 18-24 महीनों में महाराष्ट्र में अपराध बढ़ने के आंकड़ों की अनदेखी नहीं की जा सकती। एकनाथ शिंदे सरकार जून 2022 से सत्ता में है।

राज्य में अक्तूबर में होने वाले विधानसभा चुनाव के बारे में पूछे जाने पर सुप्रिया ने कहा, महा विकास अघाड़ी (एमवीए) में किसी चेहरे पर कोई चर्चा नहीं हुई है। यह पूछे जाने पर कि उनकी पार्टी कितनी सीटों पर चुनाव लड़ेगी, सुप्रिया ने कहा, हम गठबंधन (जिसमें शिवसेना और कांग्रेस भी शामिल हैं) के तौर पर 288 सीटों पर चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा, एमवीए के सभी 31 लोकसभा सांसद विधानसभा चुनाव में अपने 288 उम्मीदवारों के लिए चुनाव लड़ेंगे। सुले ने कहा कि शरद पवार के नेतृत्व वाली रांकापा ने नाम और चुनाव चिह्न खोने के बाद काफी संघर्ष के साथ लोकसभा चुनाव लड़ा था। लोग उनके साथ खड़े रहे। सच हमारे पक्ष में है।

पिछले साल जुलाई में राकांपा के विभाजन के बाद दो गुटों के बीच चल रही कानूनी लड़ाई पर उन्होंने कहा, हमें अदालतों से उम्मीद है। सुले ने यह भी बताया कि वित्त विधेयक और वक्फ (संशोधन) विधेयक पर लोकसभा में भाषण देने के बाद उनके पति सदानंद सुले को पिछले हफ्ते आयकर विभाग का नोटिस मिला। उन्होंने कहा, क्या संयोग है कि लोकसभा में मेरे बोलने के बाद मेरे पति को आयकर विभाग का नोटिस मिला।

टीआरपी गेम जोन में आग की घटना के बाद कार्यभार संभालने वाले सीएफओ गिरफ्तार

राजकोट। गुजरात में राजकोट नगर निगम (आरएमसी) के प्रभारी मुख्य अग्निशमन अधिकारी (सीएफओ) को सोमवार को कथित तौर पर रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया। उन पर 1.80 लाख रुपये की रिश्वत लेने का आरोप है। भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसीबी) के एक अधिकारी ने बताया कि प्रभारी सीएफओ अनिल मारू ने एक इमारत को अपने विभाग का अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) देने के लिए कथित तौर पर रिश्वत मांगी थी। मारू ने राजकोट नगर निगम के अग्निशमन विभाग का कार्यभार तब संभाला था, जब तत्कालीन सीएफओ इलेश खेर को 25 मई को टीआरपी गेम जोन में आग लगने की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार कर लिया गया था। इसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया था। इस घटना में 27 लोगों की मौत हो गई थी। एसीबी के मुताबिक, अग्नि सुरक्षा फिटिंग कार्य के दौरान शिकायतकर्ता ने जब एक इमारत के लिए अग्नि संबंधी एनओसी जारी करने को लेकर अधिकारी से संपर्क किया, तो आरोपी ने तीन लाख रुपये की रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता ने उसे 1.20 लाख रुपये का भुगतान किया और कहा कि वह शेष राशि चार-पांच दिन में दे देगा। शिकायतकर्ता ने जामनगर में एसीबी से संपर्क किया। आरोपी को लोक सेवक के रूप में अपने पद का दुरुपयोग करते हुए 1.80 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया।

टीआरपी गेम जोन में आग की घटना के बाद, आरएमसी के अग्निशमन विभाग की कड़ी आलोचना हुई थी। पाया गया था कि गेम जोन को बिना एनओसी के संचालित किया जा रहा था। खेर और उप सीएफओ भीखा थेबा को आग की घटना की जांच के बीच जून में गिरफ्तार किया गया था।

सुबह से खगेश्वरनाथ के दरबार में उमड़े शिवभक्त

- प्रथम सुबह से लगा रहा तांता
- मेला भी रहा गुलजार
- संध्या में विशेष सृंगार- पूजन -आरती

दीपक/शालिनी

बन्दरा। सावन की चौथी सोमवारी के मौके पर क्षेत्र के अति प्राचीन बाबा खगेश्वर नाथ मतलुपुर के दरबार में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ती रही। पहले सुबह से ही पहलेजा से गंगाजल लेकर पहुंचने वाले श्रद्धालुओं का आना शुरू हो गया। बाबा के गर्भ गृह में विशेष पूजा-अर्चना के बाद भक्तों के जल बोझी के लिए द्वार खोल दिए गए। प्रधान पुजारी राजन पंडा एवं अन्य ने बताया कि सुबह से हीं पहलेजा घाट से गंगाजल लेकर चले श्रद्धालु आने लगे। बाद में सामान्य शिव भक्तों का आना भी शुरू हो गया। गाजे-बाजे पर बजते शिव भजनों से मंदिर परिसर गुलजार रखा। मुंडन, रुद्राभिषेक, दुग्धाभिषेक, शिवचर्चा, भगवान की पूजा सहित दिनभर कई तरहों के आयोजन-पूजन यहां दिनभर चलते रहे। सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ मंदिर परिसर में देखी गई। मंदिर परिसर में लगे मेला में भी लोगों की भीड़ बनी रही। संध्या में बाबा का सोमवारी के मौके पर विशेष श्रृंगार,पूजन एवं आरती किए गए।आकर्षक रंगोली सजाई गई। सुरक्षा व्यवस्था में शशिरंजन के नेतृत्व में हत्था थाने की पुलिस सक्रिय रही। वहीं शिव शक्ति धाम बरियारपुर मोहनपुर में भी सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ रही।दिनभर शिव भक्तों की भीड़ यहां पर देखी गई। मेला में भी स्थानीय लोगों की अच्छी खासी भीड़ थी। संध्या में बाबा का विशेष श्रृंगार किया गया। इसके अलावा क्षेत्र के विभिन्न शिव मंदिर भी सावन की सोमवारी को लेकर श्रद्धालुओं की भीड़ से गुलजार रहीं।

हमास प्रमुख इस्माइल हनिया की मौत के बाद बढ़ा तनाव इस्राइल के सैन्य ठिकाने पर हिजबुल्ला का रॉकेट हमला

तेल अवीव। हमास प्रमुख इस्माइल हानिया की हत्या के बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ रहा है। अब ईरान समर्थित हिजबुल्ला ने उत्तरी इस्राइल के लेबनान इलाके में सैन्य ठिकाने पर 30 रॉकेट दागे। हालांकि इस हमले में कोई हताहत नहीं हुआ।

इस्माइल हानिया की हत्या के बाद से इस्राइल को ईरान की ओर से हमला होने का खतरा है। अब हिजबुल्लाह ने इस्राइल के सैन्य ठिकाने को निशाना बनाकर रॉकेट दागे। हिजबुल्ला ने हमले की जिम्मेदारी लेते हुए कहा कि सैन्य ठिकानों को तबाह करने के लिए रॉकेट दागे गए। वहीं इस्राइली रक्षा बलों के मुताबिक रॉकेट खुले क्षेत्र में गिरे। इसमें कोई भी घायल नहीं हुआ।

वहीं हमले के बाद अमेरिकी रक्षा सचिव लॉयड ऑस्टिन ने इस्राइल के रक्षा मंत्री योआव गैलेंट से बात की। उन्होंने कहा कि इस्राइल की मदद के लिए दो जहाज और पनडुब्बी को तैनात करने का आदेश दिया गया है। साथ ही अब्राहम लिंकन स्ट्राइक गुप को भी क्षेत्र में तैनाती तेज करने के लिए कहा गया है। इस्राइली रक्षा मंत्री ने कहा कि ईरान इस्राइल के खिलाफ बड़े हमले की तैयारी कर रहा है। इस पर अमेरिका ने उसको रक्षा का आश्वासन दिया है।

दो नेताओं की हुई थी हत्या

गौरतलब है कि बीते दिनों ईरान में हमास के शीर्ष नेता इस्माइल हानिया की हत्या कर दी गई थी। वहीं उससे कुछ घंटे पहले ही बेरूत में हिजबुल्ला के शीर्ष कमांडर को ढेर कर दिया गया था। दोनों हत्याओं का आरोप इस्राइल पर लगा। हानिया की तेहरान में हत्या से नाराज ईरान ने इस्राइल पर हमले की धमकी दी है। वहीं दूसरी तरफ हिजबुल्ला भी स्टाइल पर लगातार हमले कर रहा है। ऐसे में आशंका है कि इस्राइल पर ईरान, हिजबुल्ला की तरफ से इस्राइल पर जल्द ही हमला किया जा सकता है। इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने दुश्मन देशों को धमकी देते हुए कहा कि जो भी हमें नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा, उसे भारी कीमत चुकानी होगी।

तूफान के कारण मैक्सिको में ढह गए पिरामिड

मैक्सिको। सिटी मैक्सिको में तूफान के कारण प्राचीन जनजाति द्वारा उपयोग किए जाने वाले दो पिरामिड ढह गए। इस घटना के बाद से अब इसे बनाने वाले मूल जाति के वंशजों को बड़ी प्राकृतिक आपदा का डर सताने लगा है। सोशल मीडिया पर वायरल तस्वीरों में देखा जा सकता है कि 30 जुलाई को भारी बारिश के बाद पिरामिड आंशिक रूप से ढह गया और इसका एक हिस्सा बह गया। इस पिरामिड का निर्माण आधुनिक प्योरपेचा लोगों के पूर्वजों ने किया था। इतिहासकारों के अनुसार, प्राचीन प्योरपेचा जनजाति अपने महत्वपूर्ण देवता कुरिकवेरी को मानव बलि देने के लिए याकाटा पिरामिड का इस्तेमाल करते थे। बता दें कि याकाटा पिरामिड मिचोआकेन राज्य के इहुआट्जियो में पाए जाते हैं।

स्थानीय निवासी ने तूफान को बताया विनाश का संकेत...वहां के एक स्थानीय निवासी तारियाकुइरी अल्वारेज ने बताया कि यह तूफान विनाश का संकेत दे सकता है। उन्होंने कहा, हमारे पुर्वजों के लिए यह एक बुरी खबर है जो विनाशकारी घटना की तरफ इशारा कर रहा है। प्योरपेचा जनजातियों ने एज्टेक को हराया था और 1519 में स्पेनश आक्रमण से पहले 400 वर्षों तक शासन किया था। तारियाकुइरी अल्वारेज ने आगे कहा, "विजेताओं के आगमन के बाद भी कुछ ऐसा ही हुआ था।

आईएनएएच ने जारी किया बयान...मैक्सिकन नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर एंथ्रोपोलॉजी एंड हिस्ट्री (आईएनएएच) ने बुधवार को एक बयान जारी किया। इस बयान में कहा गया, "मंगलवार की रात इहुआट्जियो क्षेत्र में एक पिरामिड ढह गया। प्योरपेचा झील के बेसिन के पास भारी बारिश के कारण ऐसा हुआ। इस इलाके में उच्च तापमान और सूखे के कारण कई हिस्सों में दरारें पड़ गईं।

बन्दरा के सकरी मन में धंसी मुख्य सड़क

- सड़क में आई दरार
- खतरे की आशंका बढ़ी

बन्दरा। संवाददाता। मानसून की दूसरी बरसात के दौरान हुई बारिश से खनुआ- सकरी-केवट्सा मुख्य पथ में सकरी गांव में हाल के साल में बनी मुख्य सड़क बीच में ही धंस गया हैं। धंसान स्थल पर तकरीबन 8 से 10 फीट में आधे सड़क में दरार आ गया है।यह दरार कई टुकड़ों में है और बढ़ती ही आ रही है। सड़क के नीचे का मिट्टी धंस गया है। ग्रामीणों ने बताया की चूंकि इस सड़क के निर्माण के समय ही सड़क निर्माण कार्य की गुणवत्ता पर ग्रामीणों के द्वारा एतराज जताए गए थे। गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए गए थे। निर्माण के समय में सड़क के दोनों किनारो में फ्लैंक नहीं बनाए गए थे। जिसके कारण से बरसात के वजह से रैन कट की स्थिति बनी है। ऊपर पिच है और नीचे से मिट्टी कटकर किनारे के गड्ढों में चला गया है। लिहाजा सड़क में दरार आ गया है। सड़क धंस गए हैं। इस होकर भारी वाहनों के परिचालन के दौरान बड़े एवं जानलेवा हादसों की आशंका बढ़ गई है। छोटे वाहनों के परिचालन के दौरान भी आशंका बनी रह रही हैंम जाने अनजाने में यहां कभी भी दुर्घटना हो सकती है। ज्ञात हो कि यह सड़क जिले एवं प्रखण्ड के पूर्वी एवं अंतिम बॉर्डर क्षेत्र के नजदीकी गांवों के लिए अत्यंत उपयोगी है।

भारत ने विश्व को दिया योग जैसा बेशकीमती तोहफा पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा- योगाभ्यास पर जोर दें

कोलकाता भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने सोमवार को कहा है कि योग, मानवता के लिए बेशकीमती तोहफा है। इसलिए, ज्यादा से ज्यादा भारतीयों को इसका अभ्यास करना चाहिए। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता में टेक्नो इंडिया विश्विद्यालय के सम्मेलन को संबोधित करते हुए पूर्व राष्ट्रपति ने योग का जिक्र किया। रामनाथ कोविंद ने इस बात पर हैरानी जताई कि आखिर क्यों भारत के कई लोग योग जैसी हमारी सांस्कृति धरोहरों से दूर होते जा रहे हैं।

पूर्व राष्ट्रपति ने दिया योगाभ्यास पर जोर...पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने एक शोध के निष्कर्ष का हवाला दिया, जिसमें योग के प्रति भारतीय लोगों की रुचि के बारे में बताया गया है। छात्रों और युवाओं की शारीरिक क्षमता पर जोर देते हुए कहा, ह्ययोग एक बेशकीमती तोहफा है, जिसे भारत ने मानवता के लिए पूरे विश्व को दिया है। हमें इसे ग्रहण करना चाहिए।

पूर्व राष्ट्रपति ने कहा, कुछ लोग योग और प्राणायाम को एक विशेष धर्म से जोड़ सकते हैं। उनके लिए मैं केवल इतना कहूंगा कि शारीरिक दुर्बलता खुद को किसी एक धर्म

तक सीमित नहीं रखती।ह्व उन्होंने आगे कहा, ह्यक्या कभी किसी चिकित्सक ने किसी एक धर्म के व्यक्ति को सुबह और शाम की सैर ना करने की सलाह दी है। इस बात को ध्यान में रखें कि एक स्वस्थ शरीर और एक स्वस्थ दिमाग ही आपको किसी भी चुनौती से लड़ने की प्रेरणा देता है।

क्यूबा में योग के लिए अलग ही उत्साह..इस दौरान पूर्व राष्ट्रपति ने 21 जून वर्ष 2019 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के दौरान अपनी सुरीनाम यात्रा का भी जिक्र किया। उस दौरान रामनाथ कोविंद भारत के राष्ट्रपति थे और उन्होंने सुरीनाम के राष्ट्रपति के साथ योगाभ्यास किया था।

रामनाथ कोविंद ने कहा, ह्यइसके अगले दिन मैं क्यूबा की यात्रा पर गया था। मैंने क्यूबा के राष्ट्रपति को पिछले दिन मनाए गए योगा दिवस के बारे में जानकारी दी। इसके बाद क्यूबा के राष्ट्रपति ने उत्साहपूर्वक कहा कि वे भी योगाभ्यास करेंगे।

उस समय मेरे साथ पूर्व विदेश मंत्री दिवंगत सुषमा स्वराज भी मौजूद थीं। मैंने अनुरोध किया कि भारत सरकार की तरफ से क्यूबा में एक योग प्रशिक्षक भेजा जा सकता है। इसके बाद मुझे एक संदेश प्राप्त हुआ कि क्यूबा में एक योग प्रशिक्षक भेजा गया है, जिससे क्यूबा की सरकार बेहद खुश है।

संक्षिप्त खबरें

सावधानीः धोखाधड़ी से बचने के लिए विश्वसनीय एप को ही चुनें, थर्ड पार्टी का इस्तेमाल करने पर कमीशन देना होता है

नई दिल्ली। देश के प्रमुख बैंक और वित्तीय सेवाएं देने वाले संस्थान ऐसे एप ला रहे हैं, जहां आपको सारी सुविधाएं एक ही छत के नीचे मिल रही हैं। इसमें शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड और बीमा में निवेश एक क्लिक पर संभव हैं। इनके साथ जितने भी निवेश के साधन हैं जैसे बैंक एफडी, सॉवरेन गोल्ड बॉन्ड, रिकरिंग जमा या फिर एसआईपी, सभी इन एप के जरिये आप कर सकते हैं। इनकी सबसे बड़ी बात यह होती है कि ये बहुत ही विश्वसनीय होते हैं। अमूमन आजकल छोटे-छोटे तमाम एप हैं जो वित्तीय और निवेश की सेवाएं देते हैं। लेकिन यह थर्ड पार्टी होते हैं जो आपकी हर सेवाओं पर एक निश्चित शुल्क लेते हैं। ऐसे में आप किसी बैंक के एप से सीधे निवेश करते हैं तो आप इस तरह के शुल्क या कमीशन से बच जाते हैं।

एचडीएफसी और अन्य बैंकों के अपने एप

एसबीआई जहां योनो के जरिये अपने ग्राहकों को सभी सेवाएं देता है, वहीं आईसीआईसीआई बैंक और इंडसइंड बैंक भी इसी तरह की सभी सेवाएं अपने-अपने एप पर देते हैं। हाल में एचडीएफसी बैंक ने इसी तरह का स्मार्टवेल्थ एप लॉन्च किया है। यह सभी ग्राहकों तक इन सेवाओं को पहुंचाने, निवेश को सरल और पारदर्शी बनाने के इरादे से बेहतर निवेश प्लेटफॉर्म है।

एचडीएफसी बैंक स्मार्टवेल्थ में कई विशेषताएं शामिल हैं। इससे निवेशकों को सही निवेश निर्णय लेने में मदद मिलती हैं। मौजूदा-नए निवेशकों को ध्यान में रखकर बनाया गया यह एप ग्राहकों को उनकी निवेश यात्रा पर नियंत्रण रखने की सुविधा भी देता है।

बैंकों के एप से निवेश करना फायदेमंद

निवेश सलाहकार महेश पाटिल कहते हैं कि जब आप थर्ड पार्टी एप का इस्तेमाल करते हैं तो आपको कमीशन देना होता है। ठीक उसी तरह, जैसे आप अपने बैंक के बजाय दूसरे बैंकों के एटीएम का उपयोग करते हैं। आप शेयर बाजार में निवेश के लिए तीसरी पार्टी के एप में पैसे रखते हैं तो वहां आपको कोई ब्याज नहीं मिलता है। यही पैसा आप उस बैंक में रखें जिसके पास निवेश एप है तो जब तक खाते में पैसा रहेगा आपको ब्याज मिलेगा। स्मार्टवेल्थ की खासियत यह है कि उपयोग करना आसान है और इसे पहली बार निवेश करने वालों को ध्यान में रखकर विकसित किया गया है। यहां कंसोलिडेटेड अकाउंट स्टेटमेंट की भी सुविधा है।

बाजार में 1.30 लाख करोड़ निवेश करेगी एलआईसी, वित्त वर्ष 2024-25 में अब तक लगा चुकी है 38,000 करोड़ रुपये

नई दिल्ली भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) चालू वित्त वर्ष में शेयर बाजार में 1.30 लाख करोड़ रुपये निवेश करेगी। अब तक इसने 38,000 करोड़ का निवेश किया है। एक साल पहले समान अवधि में यह 23,000 करोड़ रुपये था। एलआईसी के प्रबंध निदेशक (एमडी) एवं सीईओ सिद्धार्थ मोहंती ने रविवार को बताया, निगम ने शेयर बाजार में निवेश से पहली तिमाही में 15,500 करोड़ का मुनाफा कमाया है।

तिमाही आधार पर यह 13.5 फीसदी अधिक है। हम निश्चित रूप से बाजारों और कीमतों में उतार-चढ़ाव पर नजर रख रहे हैं। हम कम से कम पिछले वित्त वर्ष के 1.32 लाख करोड़ रुपये के जितना निवेश करना चाहते हैं। बाजार में एलआईसी के निवेश का मूल्य जून तिमाही के अंत तक 15 लाख करोड़ रहा है। कुल 282 कंपनियों में इसका निवेश है। जून तिमाही तक इसका एसेट अंडर मैनेजमेंट 53.58 लाख करोड़ रहा है, जो एक साल पहले समान तिमाही तक 46.11 लाख करोड़ था।

50 लाख करोड़ रुपये के करीब पहुंची कुल रकम

एलआईसी का कुल निवेश मार्च, 2023 में 43 लाख करोड़ के करीब रहा है। इस साल मार्च में यह 7.30 लाख करोड़ बढ़कर 49.75 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा हो गया है। इक्विटी में निवेश 12.39 लाख करोड़ रहा है, जो एक साल पहले 8.39 लाख करोड़ था। अन्य निवेश 37.35 लाख करोड़ रहा है जो एक साल पहले 34.05 लाख करोड़ रहा था। उधर, जून तिमाही में एलआईसी का कुल प्रीमियम बढ़कर 1.14 लाख करोड़ रुपये पहुंच गया।

नए नियम लागू हुए तो 40 फीसदी तक घट जाएंगे निवेशक, 30% तक घट सकती है एनएसई की कमाई

नई दिल्ली। पूंजी बाजार नियामक सेबी के प्रस्तावित नियम लागू होते हैं तो वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) में निवेशकों की संख्या 40 फीसदी तक घट सकती है। साथ ही, खुदरा निवेशकों पर बहुत अधिक निर्भर रहने वाले डिस्काउंट ब्रोकर ज्यादा प्रभावित हो सकते हैं। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) के जुलाई में प्रस्तावित नियम स्टॉक एक्सचेंज और ब्रोकरों पर लागू होने हैं। दरअसल, सेबी ने एफएंडओ कारोबार को विनियमित करने और घरेलू निवेशकों को नुकसान से बचाने के लिए सात उपाय सुझाए हैं।?जेफरीज का मानना है कि साप्ताहिक ऑप्शन अनुबंधों की संख्या 18 से घटाकर 6 करने से उद्योग प्रीमियम का लगभग 35 फीसदी हिस्सा प्रभावित हो सकता है। यदि व्यापार शेष अनुबंधों पर स्थानांतरित हो जाता है, तो पूरा प्रभाव 20-25 फीसदी तक कम हो सकता है।

आईआईएफएल सिक्योरिटीज का अनुमान है कि बीएसई की तुलना में एनएसई ज्यादा प्रभावित होगा, क्योंकि एनएसई का 60 फीसदी राजस्व ऑप्शन ट्रेडिंग से आता है। बीएसई का 40 फीसदी राजस्व आता है। वित्त वर्ष 2026 तक एनएसई की कमाई 25-30 फीसदी व बीएसई की 18 फीसदी तक कम हो सकती है।

लॉट साइज बढ़ाने से खुदरा ट्रेडरों की लागत में वृद्धि

जेफरीज ने कहा, छह महीनों में लॉट साइज को 3-4 गुना बढ़ाने के सेबी के उपाय से खुदरा ट्रेडरों की लागत बढ़ सकती है। इससे बाजार में उनकी भागीदारी कम हो सकती है। सेबी चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच ने हाल में कहा था कि एक साल में फ्यूचर एंड ऑप्शन में निवेशकों के 60,000 करोड़ रुपये डूब गए हैं।

सेबी ने जुलाई में परामर्श पत्र में सात उपायों का लागू करने का प्रस्ताव रखा था। इनमें प्रमुख रूप से न्यूनतम कॉन्ट्रैक्ट आकार को बढ़ाना, ऑप्शन प्रीमियम में अपफ्रंट कलेक्शन, पोजीशन लिमिट की इंट्रा-डे निगरानी और स्ट्राइक कीमत को तर्कसंगत बनाने जैसे उपाय हैं। सेबी ने कहा, इन उपायों का उद्देश्य

बांग्लादेश: दैनिक वेतनभोगियों को देने के लिए कारोबारियों के पास पैसे नहीं, हिंसा के बाद अब नकदी संकट गहराया

नई दिल्ली। बांग्लादेश में कारोबारियों को अब हिंसा के बाद नकदी की कमी का सामना करना पड़ रहा है क्योंकि वहां के केंद्रीय बैंक ने शेख हसीन के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद फैली अनिश्चितता को देखते हुए बैंकों से नकदी निकालने की सीमा 2 लाख टका तय कर दी है। इससे दैनिक वेतनभोगियों को पैसे देने के लिए कारोबारियों के पास पैसे नहीं बचे हैं। सोमवार को एक मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी सामने आई।

बांग्लादेश बैंक ने शनिवार को नकद निकासी की सीमा को पहले घोषित 1 लाख टका से बढ़ाकर प्रति खाता 2 लाख टका (लगभग 1.42 लाख रुपये) कर दी है। केंद्रीय बैंक ने नकद निकासी की सीमा तय करने का फैसला सुरक्षा चिंताओं को देखते हुए लिया था। बांग्लादेश में नौकरियों में विवादास्पद कोटा प्रणाली को लेकर शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के खिलाफ हुए व्यापक विरोध प्रदर्शन और पुलिस व छात्रों के बीच झड़पों के बाद पुलिस अब भी पूरी तरह से काम पर नहीं लौटी है। अंतरिम वित्त और योजना सलाहकार सालेहुद्दीन अहमद ने रविवार को भी कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए नकद निकासी की सीमा आवश्यक थी। डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, व्यवसायों, विशेष रूप से मुख्य रूप से नकद लेनदेन करने वाले व्यवसायों की ओर से कहा जा रहा है कि अगर नकदी संकट बना रहता है और प्रतिबंध अगले सप्ताह भी जारी रहते हैं तो वे मुश्किल स्थिति में होंगे।

बांग्लादेश बैंक के पूर्व गवर्नर अहमद ने कहा है कि बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता अर्थव्यवस्था को पटरी पर लाना और बैंकों में लोगों का भरोसा बहाल करना है। शनिवार को पदभार संभालने के बाद पहली बार पत्रकारों से बात करते हुए

अहमद ने कहा कि सरकार की प्राथमिकता केंद्रीय बैंक के कामकाज को फिर से शुरू करते हुए बैंकों में आम लोगों का भरोसा बहाल करना है।

दूसरी ओर, व्यवसाय मालिकों का कहना है कि जुलाई के दूसरे पखवाड़े से जब व्यापक विरोध प्रदर्शन शुरू हुए थे तब से ही उनका कामकाज ठप पड़ा हुआ है। ढाका के सबसे बड़े किराना बाजारों में से एक कारवान बाजार में तेल के थोक व्यापारी अबू बकर सिद्दीकी ने कहा कि उनका बैंक 1 लाख टका से अधिक निकासी की अनुमति नहीं देगा। रिपोर्ट में उनके हवाले से कहा गया है, यह एक बड़ी समस्या है। इसके कारण, कारोबार की सामान्य गति बाधित हो रही है।" उन्होंने कहा कि अधिकांश व्यावसायिक लेनदेन बैंक-से-बैंक हस्तांतरण या वास्तविक समय सकल निपटान (आरटीजीएस) के माध्यम से किए जा रहे हैं। एक प्रमुख कमोडिटी आयातक और प्रोसेसर कंपनी के उप महाप्रबंधक तस्लीम शहरियार ने कहा कि सभी व्यवसायी चेक स्वीकार नहीं करते हैं। शहरियार ने कहा, हमें नकद में भी भुगतान करना पड़ता है, लेकिन अब, लेन-देन केवल बैंक-से-बैंक हस्तांतरण और चेक के माध्यम से हो रहा है। जितनी जल्दी यह समस्या हल हो जाए, हमारे लिए उतना ही बेहतर होगा।

एक अन्य प्रमुख कमोडिटी आयातक एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "इस तरह, मैं उन लोगों को पूरा वेतन देने में असमर्थ हूं जो दैनिक वेतनभोगी हैं। मैंने श्रमिकों से कहा कि वे इस सप्ताह प्रतीक्षा करें क्योंकि अब मेरे पास नकदी का प्रबंध करने का कोई तरीका नहीं है। अधिकारी ने कहा, दैनिक वेतन भोगी बहुत कठिन स्थिति का सामना कर रहे हैं। यह उनके लिए अमानवीय है। यदि यह स्थिति लंबे समय तक बनी रहती है, तो व्यवसाय करना बहुत मुश्किल हो जाएगा। नेशनल पॉलीमर ग्रुप के प्रबंध निदेशक रियाद महमूद ने कहा कि उनका मानना है कि यदि यह स्थिति बनी रहती है, तो इससे व्यवसाय में बाधा आएगी। हालांकि, उन्होंने कहा कि अगर यह थोड़े समय तक चलता है तो इससे गतिविधियों पर कोई खास फर्क नहीं पड़ेगा।

पिछले सप्ताह हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में भड़की हिंसा की घटनाओं में 230 से अधिक लोग मारे गए थे। जुलाई के मध्य में शुरू हुए आरक्षण विरोधी प्रदर्शनों के बाद से मरने वालों की संख्या 560 हो गई है। शेख हसीना के नेतृत्व वाली सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में एक अंतरिम सरकार का गठन किया गया था। नोबेल पुरस्कार विजेता प्रोफेसर मुहम्मद यूनुस ने पिछले सप्ताह हसीना को हटाए जाने के बाद अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। उन्होंने शुक्रवार को अपने 16 सदस्यीय सलाहकार परिषद के विभागों की घोषणा की।

जुलाई में खुदरा महंगाई कम होकर 3.54% पर पहुंची

नई दिल्ली जुलाई में भारत की खुदरा महंगाई दर सालाना आधार पर घटकर 3.54 प्रतिशत हो गई। सरकार की ओर से सोमवार को जारी आंकड़ों से ये जानकारी सामने आई। खुदरा मुद्रास्फीति की दर लगभग पांच वर्षों में पहली बार भारतीय रिजर्व बैंक के मध्यम अवधि के लक्ष्य 4 प्रतिशत से नीचे आ गई है। अगस्त 2019 में खुदरा महंगाई दर 3.28% रही थी। खाद्य कीमतों में वृद्धि के कारण जून में पांच महीने में पहली बार दर में तेजी देखी गई थी और यह सालाना आधार पर बढ़कर 5.08 प्रतिशत हो गई थी। जुलाई 2023 में खुदरा मुद्रास्फीति की दर 7.44 प्रतिशत थी। 36 अर्थशास्त्रियों के एक सर्वेक्षण में यह आंकड़ा तेजी से घटकर 3.65 प्रतिशत रह जाने का अनुमान लगाया गया था। हेडलाइन मुद्रास्फीति भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 2-6 प्रतिशत की सहिष्णुता सीमा के भीतर बनी हुई है। खाद्य मुद्रास्फीति दर, जो उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (उढक) बास्केट का लगभग आधा हिस्सा है, जुलाई में घटकर 5.42 प्रतिशत हो गई, जबकि जून में यह 9.36 प्रतिशत और जुलाई 2023 में 11.51 प्रतिशत थी। सब्जियों की कीमतों में जुलाई में सालाना आधार पर 6.83 प्रतिशत की वृद्धि दिखी। पिछले महीने जून में यह आंकड़ा 29.32% था।

जून में औद्योगिक उत्पादन 4.2% बढ़ा

सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार जून महीने में औद्योगिक उत्पादन 4.2 प्रतिशत बढ़ा। एक साल पहले इसी अवधि में इसमें 4 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई थी। अप्रैल-जून तिमाही में औद्योगिक उत्पादन 5.2 प्रतिशत बढ़ा, जबकि एक साल पहले इसमें 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी।

भारती ग्लोबल ने की बड़ी डील, ब्रिटेन की सबसे बड़ी मोबाइल कंपनी में खरीदेगी 24.5 फीसदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली। दूरसंचार क्षेत्र के दिग्गज सुनील भारती मित्तल का समूह ब्रिटेन की सबसे बड़ी ब्रॉडबैंड और मोबाइल कंपनी बीटी समूह में करीब चार अरब डॉलर में 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगा। कंपनी के बयान के अनुसार, भारती एंटरप्राइजेज की अंतरराष्ट्रीय निवेश इकाई भारती ग्लोबल, पैट्रिक ड्राही की अल्टाइस से बीटी समूह में 9.99 प्रतिशत हिस्सेदारी तुरंत खरीदेगी और शेष हिस्सेदारी आवश्यक नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद हासिल करेगी।

हालांकि, कंपनी ने सौदे के आकार का खुलासा नहीं किया लेकिन बाजार विशेषज्ञों का कहना है कि बीटी के करीब 15 अरब अमेरिकी डॉलर के मूल्यांकन पर यह सौदा लगभग चार अरब डॉलर के आसपास बैठ सकता है।

भारती, भारत की दूसरी सबसे बड़ी दूरसंचार कंपनी है जिसके करीब 40 करोड़ ग्राहक हैं। इसका बीटी के साथ पहले भी नाता रहा है। बीटी के पास 1997 से 2001 तक भारती एयरटेल में 21 प्रतिशत की हिस्सेदारी थी।

कंपनी न तो बीटी के संपूर्ण अधिग्रहण के लिए कोई प्रस्ताव देने को इच्छुक है, न ही वह उसके निदेशक मंडल में कोई स्थान चाहती

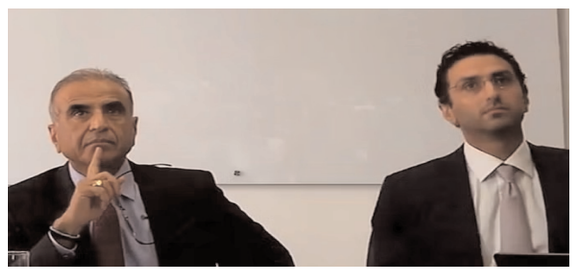

है। अरबपति ड्राही द्वारा नियंत्रित निवेश समूह अल्टाइस, बीटी से बाहर निकल रहा है क्योंकि यह अधिक कर्ज के संकट जूझ रहा है। इसने सबसे पहले 2021 में बीटी में हिस्सेदारी ली थी। इसके बाद 12 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की जिससे उसकी हिस्सेदारी बढ़कर 24.5 प्रतिशत हो गई।

अल्टाइस के पहली बार निवेशक बनने के बाद से बीटी के शेयरों में करीब एक-तिहाई की गिरावट आई है। भारती ने बयान में कहा, "भारती ग्लोबल, दूरसंचार डिजिटल अवसंरचना तथा अंतरिक्ष संचार में विश्वस्तरीय कंपनियों वाले अग्रणी भारतीय कारोबार समूह भारती एंटरप्राइजेज की अंतरराष्ट्रीय निवेश इकाई है। उसने अल्टाइस यूके से बीटी समूह की 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने के लिए एक समझौता किया है।"

बीटी ने 1997 में भारती एयरटेल में 21 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल की थी और अब इस प्रतिष्ठित ब्रिटिश कंपनी में 24.5 प्रतिशत हिस्सेदारी हासिल करने का भारती का कदम भारतीय दूरसंचार समूह के लिए एक निर्णायक क्षण है। भारती एंटरप्राइजेज के चेयरमैन सुनील भारती मित्तल ने कहा, "भारती और ब्रिटिश टेलीकॉम (बीटी) के बीच दो दशक से भी अधिक पुराना संबंध है। बीटी के 1997-2001 तक भारती एयरटेल लिमिटेड के निदेशक मंडल में दो सदस्य थे और उसके पास 21 प्रतिशत हिस्सेदारी थी। भारती समूह के इतिहास में आज यह एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि हम बीटी में निवेश कर रहे हैं, जो प्रतिष्ठित ब्रिटिश कंपनी है।

भारती ग्लोबल के प्रबंध निदेशक श्रवण भारती मित्तल ने कहा, "हम डिजिटल बुनियादी ढांचे से लेकर सॉफ्टवेयर तक प्रौद्योगिकी की दुनिया में वैश्विक निवेश के अवसरों पर गौर करते हैं। भारती के साथ लंबे समय से जुड़े होने के कारण हम बीटी को अच्छी तरह जानते हैं, इसलिए हमें कंपनी में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी हासिल करने का यह अवसर पाकर खुशी हो रही है। उन्होंने कहा कि भारती का मानना है कि बीटी दूरसंचार क्षेत्र, विशेषकर घरेलू ब्रॉडबैंड सेवाओं में नेतृत्व के लिए तैयार है। इस बीच, बीटी समूह ने एक अलग बयान में कहा कि भारती का निवेश ब्रिटिश दूरसंचार कंपनी के भविष्य तथा इसकी रणनीति में विश्वास का एक मजबूत संकेत है।

बीटी की मुख्य कार्यकारी एलिसन किर्कबी ने कहा, "हम ऐसे निवेशकों का स्वागत करते हैं जो हमारे व्यवसाय के दीर्घकालिक मूल्य को पहचानते हैं और भारती ग्लोबल की ओर से किया गया यह निवेश बीटी समूह के भविष्य तथा हमारी रणनीति में विश्वास का एक बड़ा संकेत है।

इस लेनदेन के संबंध में बार्कलेज बैंक पीएलसी ने अपने निवेश बैंक के जरिये एकमात्र वित्तीय सलाहकार के रूप में कार्य किया। लिंकलेटर एलएलपी ने भारती ग्लोबल के लिए कानूनी सलाहकार की भूमिका निभाई।

हिंडनबर्ग के हमलों के बाद अदाणी के शेयर 17% तक टूटकर संभले

नई दिल्ली। अमेरिकी शॉर्टसेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की ओर से अदाणी प्रकरण में सीधे सेबी के चेयरमैन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल पुरी पर आरोप लगाने के बाद अदाणी समूह के शेयरों को बड़ा नुकसान उठाना पड़ा। शुरूआती कारोबार में अदाणी समूह से जुड़ी कंपनियों के शेयर 17% तक गिर गए। इस गिरावट से निवेशकों को करीब 53000 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ। इस बिकवाली से अदाणी समूह के 10 शेयरों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण यानी मार्केट कैप घटकर 16.7 लाख करोड़ रुपये हो गए। हालांकि, यह बिकवाली ज्यादा देर नहीं चली और धीरे-धीरे खरीदार लौटने लगे, जिससे प्रमुख बेंचमार्क इंडेक्स हरे निशान पर लौट गए।

बीएसई सेंसेक्स पर सूचीबद्ध अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस में 17 प्रतिशत, अदाणी टोटल गैस में 13.39 प्रतिशत, एनडीटीवी में 11 प्रतिशत और अदाणी पावर में 10.94 प्रतिशत की गिरावट आई। अदाणी ग्रीन एनर्जी के शेयरों में 6.96 प्रतिशत, अदाणी विल्मर में 6.49 प्रतिशत, अदाणी

एंटरप्राइजेज में 5.43 प्रतिशत, अदाणी पोर्ट्स में 4.95 प्रतिशत, अंबुजा सीमेंट्स में 2.53 प्रतिशत और एसीसी में 2.42 प्रतिशत की गिरावट आई।

हालांकि हिंडनबर्ग रिसर्च ने अदाणी समूह के खिलाफ फिलहाल कोई नया आरोप नहीं लगाया है लेकिन इस बार जिस मामले में शॉर्ट सेलर ने सेबी प्रमुख को घेरा है वह भी अदाणी से ही जुड़ा है। हिंडनबर्ग ने शनिवार देर रात जारी अपनी नई रिपोर्ट में कहा था कि बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) की चेयरपर्सन बुच और उनके पति धबल बुच ने बरमूडा तथा मॉरीशस में अस्पष्ट विदेशी कोषों में अघोषित निवेश किया था। उसने कहा कि ये वही कोष हैं जिनका कथित तौर पर विनोद अदाणी ने पैसों की हेराफेरी करने तथा समूह की कंपनियों के शेयरों की कीमतें बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया था। विनोद अदाणी, अदाणी समूह के चेयरपर्सन गौतम अदाणी के बड़े भाई हैं। आरोपों के जवाब में बुच दंपति ने रविवार को एक संयुक्त बयान में कहा कि ये निवेश 2015 में किए गए थे, जो 2017 में सेबी के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में उनकी नियुक्ति तथा मार्च 2022 में चेयरपर्सन के रूप में उनकी पदोन्नति से काफी पहले का समय है।

ये निवेश "सिंगापुर में रहने के दौरान निजी तौर पर आम नागरिक की हैसियत से किए गए थे। सेबी में उनकी नियुक्ति के बाद ये कोष निष्क्रिय हो गए।

जानकार बोले- बाजार ने रिपोर्ट को खारिज किया...बाजार विशेषज्ञ सुनील शाह ने हिंडनबर्ग रिपोर्ट पर कहा, पिछले सप्ताहांत अंतरराष्ट्रीय शोध कंपनी ने नकारात्मक रिपोर्ट दी थी। अब मुझे सेंसेक्स को देखते हुए लगता है कि बाजार ने इस रिपोर्ट को खारिज कर दिया है सेंसेक्स केवल 200 अंक नीचे गया है, यह सामान्य गतिविधि है। इसलिए मुझे लगता है, दिन के दौरान, हम बाजार को सकारात्मक होते हुए देख सकते हैं।

उतार-चढ़ाव के बाद बाजार में सपाट क्लोजिंग; सेंसेक्स 57 अंक टूटा

नई दिल्ली। हिंडनबर्ग की ओर से सेबी प्रमुख पर आरोप लगाए जाने के बाद घरेलू शेयर बाजार में सोमवार को उतार-चढ़ाव के साथ कारोबार होत दिखा। शुरूआती कारोबार में बड़ी गिरावट के बावजूद निवेशकों ने अमेरिकी शॉर्ट सेलर की रिपोर्ट को नकारते हुए खरीदारी की जिससे एक समय पर सेंसेक्स 300 अंकों तक मजबूत हो गया। हालांकि आखिरी सत्र में बाजार में फिर बिकवाली आई और सेंसेक्स और निफ्टी सपाट बंद हुए।

हफ्ते के पहले कारोबारी दिन 30 शेयरों का बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स 56.99 (0.07%) अंक टूटकर 79,648.92 के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, 50 शेयरों का एनएसई निफ्टी 20.50 (0.08%) अंक कमजोर होकर 24,347.00 पर बंद हुआ।

रुपया अब तक के सबसे निचले स्तर पर बंद हुआ

सोमवार को भारतीय रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। इसकी वजह एशियाई मुद्राओं में गिरावट रही। इस दौरान भारतीय रिजर्व बैंक के संभावित हस्तक्षेप ने सुनिश्चित किया

कि रुपया और कमजोर न हो। पिछले सत्र में 83.9550 पर बंद होने के बाद सोमवार को रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.9725 पर बंद हुआ। सत्र के दौरान रुपये में 83.95 और 83.97 के बीच सीमित दायरे में कारोबार होता दिखा। सोमवार को शेयर बाजार अत्यधिक उतार-चढ़ाव भरे कारोबार के बाद मामूली गिरावट के साथ बंद हुए। इस दौरान निवेशक सेबी अध्यक्ष और उनके पति के बरमूडा और मॉरीशस के अस्पष्ट ऑफशोर फंडों में निवेश से जुड़ी यूएस शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च की रिपोर्ट के बाद सर्तक दिखे।

निवेशकों ने सतर्कता बरती, सपाट बंद हुआ बाजार...जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, भारतीय बाजार अपेक्षाकृत सपाट रहा, इसकी शुरूआती गति अडानी-हिंडनबर्ग-सेबी प्रकरण के जारी रहने से प्रभावित हुई। हालांकि, बाजार ने वैश्विक बाजारों से सकारात्मक संकेत लेते हुए हिडनबर्ग की रिपोर्ट को नकारने की कोशिश की। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में अदाणी पोर्ट्स, एनटीपीसी, पावर ग्रिड, भारतीय स्टेट बैंक, नेस्ले, महिंद्रा एंड महिंद्रा, रिलायंस इंडस्ट्रीज और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज में सबसे ज्यादा गिरावट दिखी। ब्लू-चिप पैक से एक्सिस बैंक, इंफोसिस, जेएसडब्ल्यू स्टील, टाटा मोटर्स, एचडीएफसी बैंक और कोटक महिंद्रा बैंक के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को आरोप लगाया था कि सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति ने बरमूडा और मॉरीशस में अज्ञात ऑफशोर फंड में निवेश किया है। जिन फंड्स में निवेश किया गया वे वहीं संस्थाएं हैं जिनका कथित तौर पर विनोद अडानी - ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडानी के बड़े भाई- ने फंड समूह के शेयरों की कीमतों को बढ़ाने के लिए इस्तेमाल किया था।

फोकस्ड म्यूचुअल फंड की संपत्ति में 31 फीसदी इजाफा, 30 शेयरों में निवेश करने की मंजूरी

नई दिल्ली। सीमित शेयरों में निवेश करने वाले फोकस्ड म्यूचुअल फंड निवेशकों के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रहे हैं। इस श्रेणी का परिसंपत्ति आधार चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही में 31 फीसदी बढ़कर 1.43 लाख करोड़ रुपये हो गया है। फोकस्ड म्यूचुअल फंड एक तरह का इक्विटी म्यूचुअल फंड है, जो सीमित या कम संख्या में शेयरों में निवेश करता है। सेबी की तरफ से फोकस्ड फंड को अधिकतम 30 शेयरों में निवेश करने की अनुमति देने के दिशानिर्देश हैं।?

आंकड़ों से पता चलता है कि इन्वेस्को इंडिया फोकस्ड फंड, महिंद्रा मनुलाइफ फोकस्ड फंड, जेएम फोकस्ड फंड और एचडीएफसी फोकस्ड 30 फंड जैसे कुछ फोकस्ड फंड ने पिछले साल में 40-60 फीसदी तक रिटर्न दिया है।

आनंद राठी वेल्थ के उप मुख्य कार्यपालक अधिकारी फिरोज अजीज ने कहा, एयूएम में यह बढ़ोतरी पोर्टफोलियो प्रबंधन सेवाओं (पीएमएस) के विकल्प के रूप में फोकस्ड फंडों के आकर्षण को दशार्ती है।

आयात बढ़ने से घरेलू स्टील की कीमतें तीन साल में सबसे कम...आयात बढ़ने से घरेलू स्टील की कीमतें घटकर तीन साल के निचले स्तर पर आ गई हैं। हॉट रोल्ड कॉयल की कीमतें घटकर 51,000 रुपये टन पर पहुंच गई हैं। अप्रैल, 2022 में यह 76,000 रुपये के शीर्ष पर थी।

बिगमिंट की रिपोर्ट के अनुसार, कोल्ड रोल्ड कॉयल्स की कीमत इस समय 58,200 रुपये प्रति टन है। अप्रैल, 2022 में यह 86,300 रुपये थी। हालांकि, यह कीमतें 18 फीसदी जीएसटी के अलावा हैं।

अप्रैल-जून में स्टील का आयात 68 फीसदी बढ़कर 19.3 लाख टन पहुंच गया है। 2023-24 में आयात 38 फीसदी बढ़ा था। स्टील उद्योग का कहना है कि सरकार को चुनिंदा देशों से ही स्टील आयात करना चाहिए। साथ ही, निर्यात को बढ़ाकर उद्योग को बचाना चाहिए।

दाम घटने से सीमेंट कंपनियों की घटी आय...कीमतों में गिरावट से अप्रैल-जून तिमाही में सीमेंट कंपनियों की आय घट गई है। हालांकि, वॉल्यूम में तेजी आई है। अल्ट्राटेक, अंबुजा, एसीसी और डालमिया भारत जैसी कंपनियों का कहना है कि उनके वॉल्यूम में 3-9 फीसदी तक की बढ़ोतरी हुई है। देश में सीमेंट की 50 किलो बोरी की औसत कीमत सालाना आधार पर तीन फीसदी गिरकर जून में 348 रुपये रह गई है।

दिल्ली का अक्षरधाम मंदिर भारतीय संस्कृति को अपने आप में समेटे हुए हैं। इसका वैभव, बेहतरीन शिल्प और परम आनंद का अनुभव इस मंदिर की ओर आकर्षित करता हैं। इस मंदिर का दर्शन हमें भारत की श्रेष्ठ और प्रसिद्ध कला की याद दिलाता हैं। अक्षरधाम मंदिर पर्यटकों को भारत की प्रसिद्ध कला की यात्रा पर ले जाता हैं। इसे स्वामीनारायण अक्षरधाम के नाम से भी जाना जाता है। प्राचीन मूल्यों और मानव सभ्यता के विकास में भागीदारी का जीता जागता उदाहरण हैं- अक्षरधाम मंदिर।

अपने शिल्प सौंदर्य से मन मोह लेता है

अक्षरधाम

छ बरस पहले इस मंदिर को निर्माण शुरू हुआ तो यह सभी के लिए ोतुहल का विषय था। धीरे-धीरे इसका निर्माण होता गया और एक न अपने शिल्प सौंदर्य से सभी को मोहित कर लिया। प्रमुख स्वामी ाराज जी अक्षर पुरूषोतम् स्वामीनारायण संस्था, ग्यारह हजार लाकार और हजारों स्वयंसेवकों का इसमें महत्वपूर्ण योगदान रहा। ामीनारायण भगवान को समर्पित यह पांरपरिक मंदिर भारतीय तेहासिक कला, संस्कृति और वास्तुकला का बेजोड़ उदाहरण है।

नेकंठ बरनी अभिषेक

ु मंदिर में यह प्रार्थना पारंपरिक ढंग से दुनिया की शांति के लिए की ाती है। 151 पवित्र नदियों का पानी, झील और तालाब के पानी से अपने, परिवार और दोस्तों के लिए प्रार्थना की जाती है। मंदिर में मौजूद तीन हाल में अलग-अलग जीवन के मूल्यों को सिखाया जाता है। हाल-एक में मानव मूल्यों को फिल्म और रोबोट द्वारा प्रस्तुत किया जाता हैं। इनमें अहिंसा, ईमानदारी, पारिवारिक सामंजस्य और आध्यात्मिकता का प्रतिरूप दिखाया जाता हैं।

हाल नंबर दो में ग्यारह साल के योगी नीलकंठ द्वारा भारतीय संस्कृति और आध्यात्मिकता की अविश्वसनीय कहानियां सुनने को मिलती है। यहां भारतीय वास्तुकला और कला का बेहतरीन और कभी न भूलने वाला अनुभव होता हैं। यह हमारे त्योहारों को बेहतरीन तरीके से प्रस्तुत करता है। उन्हें समझने में मदद करता हैं।

हाल- तीन के कल्चरल बोट राइड में भारत के दस हजार साल की विरासतको खूबसूरती से दर्शाया गया हैं। भारत के ऋषि वैज्ञानिकों के अविष्कार और प्रयोग के बारे में जानने को मिलता है। शाम के समय यहां आप संगीतमय फव्वारे का पंद्रह मिनट का आनंद ले सकते हैं। यहां जन्म, जीवन और मृत्यु को दर्शानिक तरीके से चित्रित किया गया हैं। 60 एकड़ में फैला यहां का बगीचा मैदान और तांबे की मूर्तियां दर्शनीय हैं। यहां का लोटस गार्डन भी ध्यान आकर्षित करता हैं। अक्षरधाम मंदिर कलाकृति और खूबसूरती का बेमिसाल उदाहरण है। आप यहां सुबह 9.30 बजे से शाम 6.30 बजे तक जा सकते हैं। यहां किसी भी मौसम में जाया जा सकता हैं। सोमवार को यह मंदिर बंद होता है। मोबाइल फोन ले जाना और फोटो खींचना यहां मना है।

कन्याकुमारी, जहाँ मिलते हैं अरब सागर और बंगाल की खाड़ी

भारतीय प्रायद्वीप के दक्षिणी क्षेत्र में स्थित पवित्र स्थान कन्याकुमारी के बारे में कहा जाता है कि स्वामी विवेकानंद जब ज्ञान की खोज में निकले थे तो यहीं पहुंच कर उन्हें ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यहां अरब सागर और बंगाल की खाड़ी हिंद महासागर में आकर मिलते हैं। इसलिए यहां तीन अलग-अलग रंगों की रेत देखने को मिलती है। शहर की भीड़ से दूर तथा तनाव व शोरगुल से भी दूर यह स्थान बड़ा शांतिमय है। यहां यदि शोर है तो वह है सिर्फ समुद्री लहरों का, जोकि कानों में संगीत की तरह गूंजता है। कन्याकुमारी के सूर्योदय और सूर्यास्त के दृश्य तो देखते ही बनते हैं।

कन्याकुमारी का मंदिर कन्याकुमारी को ही अर्पित है। इस मंदिर को भारत के छोरों का रखवाला भी माना जाता है। इस मंदिर को मदुरै, रामेश्वरम और तिरूपति आदि मंदिरों की तरह ही पवित्र माना जाता है। इस मंदिर की खास बात यह है कि यहां केवल हिन्दू ही जा सकते हैं। यह मंदिर प्रात: चार बजे से लेकर ग्यारह बजे तक तथा उसके बाद सायं 5.30 से लेकर 8.30 तक खुला रहता है। यहां विवेकानन्द जी का स्मारक भी है। यह समुद्र के बीच एक विशाल शिला पर स्थित है। इस शिला पर बैठ कर ही स्वामी विवेकानंद जी ने साधना की थी। स्मारक के कक्ष में विवेकानन्द जी की विशाल मूर्ति भी है। स्मारक स्थल से चारों और फैले विशाल समुद्र का दृश्य आपको मंत्रमुग्ध कर देगा। कन्याकुमारी में महात्मा गांधी का स्मारक भी है। यहीं पर महात्मा गांधी का अस्थि कलश रखा गया था। यह स्मारक कन्याकुमारी मंदिर के ठीक पास ही बना हुआ है। पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र यह स्मारक अपनी अद्भुत कलाकृति के लिए भी जाना जाता है। कन्याकुमारी से लगभग 34 किलोमीटर दूर स्थित उदयगिरि किला भी देखने योग्य है। इस किले को 18वीं शताब्दी में राजा मार्तंड वर्मा ने बनवाया था। इसके साथ ही आप गुगनंत स्वामी मंदिर भी देखने जा सकते हैं। इस मंदिर की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यह करीब एक हजार साल पुराना मंदिर है। इस मंदिर को एक चोल राजा ने बनवाया था। कन्याकुमारी आए हैं तो सुचिंद्रम देखना नहीं भूलें। यह कन्याकुमारी से लगभग 13 किलोमीटर दूर स्थित है। 9वीं शताब्दी के शिलालेख इस मंदिर में पाए जाते हैं। यहां पर भगवान शिव, भगवान ब्रह्मा और भगवान विष्णु की एक साथ पूजा की जाती है। यहां पर हनुमान जी की एक बड़ी मूर्ति है जो कि यहां की मूर्तिकला का जीता-जागता उदाहरण है। नागरकोयिल नागराज का अद्भुत मंदिर है। नागराज का मंदिर होते हुए भी इसमें भगवान शिव और भगवान विष्णु की मूर्तियां हैं। यहां का द्वार चीनी शिल्पकला में बनाया गया है। यहां आपको देखने को मिलेगा कि भक्तों को दिया गया प्रसाद जमीन से निकाला जाता है। यहां नागलिंग फूल भी पाया जाता है। यह मंदिर कन्याकुमारी से बीस किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। यहां तक पहुंचने के लिए आपको आसानी से बसें मिल जाएंगी और यदि आप चाहें तो बंगलौर, चेाई, त्रिवेन्द्रम, मदुरै आदि जगहों से यहां रेल व सड़क मार्ग से भी आ सकते हैं।

शानदार धरोहर है हुमायूं का मकबरा

भारत में मुगल शासन की नींव रखने वाले हुमायूं को लोग आज भी उनकी राजशाही ठाठबाट से नहीं बल्कि हुमायूं के मकबरे से ज्यादा याद करते हैं। दिल्ली स्थित यह मकबरा मुगल धरोहरों में सबसे शानदार धरोहर है। यह मकबरा भारत में मुगल वास्तुकला का पहला उदाहरण है। इस मकबरे के बनने के कई शताब्दी बाद इसी तर्ज पर ताजमहल का निर्माण हुआ। इस मकबरे का निर्माण हुमायूं की पत्नी हमीदा बानु बेगम ने अपने पति की मौत के नौ साल बाद शुरू करवाया। यह फारस की वास्तुकला का बेजोड़ उदाहरण है। इसके आगे बने बगीचे को चहारबाग कहते हैं। यह बगीचा चार मुख्य भागों में विभाजित है जहां से लोगों का आना जाना होता है। इन रास्तों को खूबसूरत बनाने के लिए बहते पानी का रास्ता बनाया गया है। 17वीं से 19वीं शताब्दी के बीच कई मुगल शासकों को इसी मकबरे में दफनाया गया था। हुमायूं के इस मकबरे को नेक्रोपोलीस (मृत शरीर से प्रेम) नाम भी दिया गया है। भारत के किसी भी शहर में मुगल शासकों और उनके रिश्तेदारों के इतनी कब्र कहीं देखने को नहीं मिलती। भारतीय उपमहाद्वीप में यह पहला ऐसा मकबरा है। हुमायूं के मकबरे का निर्माण लाल पत्थर से किया गया है। दो मंजिला यह मकबरा सफेद मार्बल के गुबंद से ढंका हुआ है, जो देखने में आकर्षक है। इस मकबरे की ऊंचाई 47 मीटर और चौड़ाई 91 मीटर है। वहां के गलियारे, खिड़की में भी फारसी वास्तुकला झलकती है। कुछ जगहों पर भारतीय शैली की भी झलक देखी जा सकती है। कुल मिलाकर यहां 150 कब्र हैं जो चारों तरफ से गार्डन से घिरी हैं। इस मकबरे के बनने के बाद ही इसका पतन शुरू हो गया था। मुगल बादशाहत जैसे-जैसे खत्म हुई उनके बनाए स्मारकों का भी पतन होना शुरू हो गया। मकबरे की आसपास बने बगीचे में लोगों ने सब्जियां उगानी शुरू कर दीं। 1857 में ब्रिटिश ने इंगलिश स्टाइल गार्डन बनाया। 1903-1909 के बीच इस बगीचे को अपनी खोयी हुई असली खूबसूरती लार्ड कर्जन से मिली। अभी कुछ साल पहले मकबरे का पुनरूद्धार होने के बाद से इसकी चमक अब देखने लायक है। यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर माना है। इस मकबरे की खूबसूरती बरकरार रखने के लिए इस पर काफी काम किया गया है। इसकी शान-ओ-शौकत अब देखने लायक है। हुमायूं के मकबरे को देखने कभी भी जाया जा सकता है। दिल्ली आने पर टैक्सी या आटो से यहां आप पहुंच सकते हैं। बच्चों का प्रवेश नि:शुल्क है। परिसर के बाहर पार्किंग की अच्छी व्यवस्था है। जलपान और शीतल पेय के लिए भी भटकना नहीं पड़ता। परिसर के एक किनारे इसका भी इंतजाम हैं।

दक्षिण अफ्रीका बनाम वेस्टइंडीज पहला टेस्ट मैच रहा ड्रा

पोर्ट ऑफ स्पेन, एजेंसी। ऐलेक ऐथनेज की (92) रनों की जुझारु पारी की बदौलत वेस्टइंडीज ने दूसरी पारी में पांच विकेट पर 201 रन बनाकर दक्षिण अफ्रीका के साथ खेले गये पहले टेस्ट मैच को ड्रा करा दिया।

दक्षिण अफ्रीका ने पांचवें दिन दूसरी पारी को तीन विकेट पर 173 रन पर पारी घोषित कर वेस्टइंडीज को जीत के लिए 298 रनों का लक्ष्य दिया। जिसके जवाब में दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी वेस्टइंडीज की शुरुआत खराब रही और एक समय उसने 64 रन पर अपने तीन विकेट गवां दिये थे। ऐसा लग रहा था दक्षिण अफ्रीका के गेंदबाज केशव महाराज वेस्टइंडीज की दूसरी पारी को जल्द ही समेट देंगे। कप्तान क्रेग ब्रैथवेट(शून्य), मिकाइल लुईस (9) रन बनाकर आउट हुये। ऐसे संकट के समय ऐलेक ऐथनेज ने पहले केसी कार्टी के साथ मिलकर चौथे विकेट लिये 63 रनों की साझेदारी की। केसी कार्टी (31) और उसके बाद केवम हॉज (29) रन बनाकर आउट हुये।

ऐलेक ऐथनेज ने 92 रनों की जुझारू पारी खेली। जेसन होल्डर (31) रन बनाकर नाबाद रहे। वेस्टइंडीज ने 56.2 ओवर में पांच विकेट पर 201 रन बनाये।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से केशव महाराज ने चार विकेट लिये। कगिसो रबाडा ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले दक्षिण अफ्रीका ने दूसरी पारी में बिना किसी नुकसान के 30 रन से आगे खेलना शुरू किया। टोनी डीजॉर्जी 45 रन एवं एडन मारक्रम 38 रन बनाकर आउट हुये। दोनों ही बल्लेबाजों को जोमेल वारिकन ने आउट किया। ट्रिस्टन स्टब्स ने 68 रनों की शानदार पारी खेली। उन्हें केमार रोच ने बोल्ड आउट किया। स्टब्स के आउट होने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने तीन विकेट पर 173 रन पर पारी घोषित कर दी। और वेस्टइंडीज को पहली पारी की 124 रनों की बढ़त और दूसरी के 173 रनों के आधार पर जीत के लिए 298 रनों का लक्ष्य दिया।

वेस्टइंडीज की ओर से जोमेल वारिकन ने दो विकेट लिये। वहीं केमार रोच ने एक बल्लेबाज को आउट किया।

इससे पहले दक्षिण अफ्रीका के केशव महाराज और कगिसो रबाडा ने बेहतरीन गेंदबाजी का मुजाहिरा करते हुए वेस्टइंडीज को पहली पारी में 233 रन पर समेट दिया था। दक्षिण अफ्रीका को पहली पारी के आधार पर 124 रनों की बढ़त मिली गई थी। वेस्टइंडीज के कप्तान क्रेग ब्रैथवेट और मिकाइल लुईस ने पारी की अच्छी शुरूआत की थी। दोनों बल्लेबाजों ने पहले विकेट के लिये 53 रन जोड़े। लेकिन दक्षिण अफ्रीकी बेहतरीन गेंदबाजी के आगे वेस्टइंडीज का कोई भी बल्लेबाज पिच पर अधिक तक नहीं टिक सका। मिकाइल लुईस (35), क्रेग ब्रैथवेट (35), जेसन होल्डर (36), केवम हॉज (25) रन बनाकर आउट हुये। केसी कार्टी ने टीम के सर्वाधिक (42) रनों की पारी खेली। जोमेल वारिकन (35) रन बनाकर नाबाद रहे।

दक्षिण अफ्रीका की ओर से केशव महाराज ने चार विकेट लिये। कगिसो रबाडा को तीन विकेट तीन विकेट मिले। लुंगी एन्गिडी और एडन मारक्रम ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया।

दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए कप्तान तेम्बा बवूता (86), टोनी डीजॉर्जी के (78) अर्द्धशतको और काइल वेरेन के 39 रन एवं वियान मुल्डर के नाबाद 41 रनों की उपयोगी पारियों की बदौलत 357 रनों का स्कोर खड़ा किया।

वेस्ट इंडीज की ओर गेंदबाजी करते हुए जोमेल वारिकन ने सबसे ज्यादा चार विकेट हासिल किए जबकि जेडेन सील्स ने तीन, केमार रोच ने दो तथा जेसन होल्डर ने एक विकेट लिया।

श्रीलंका के खिलाफ श्रृंखला से पहले इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स चोटिल

मैनचेस्टर, एजेंसी। इंग्लैंड की टेस्ट टीम के कप्तान बेन स्टोक्स घरेलू क्रिकेट प्रतियोगिता हंड्रेड में खेलते समय चोटिल हो गए जिससे उनके श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट श्रृंखला में भाग लेने पर सवालिया निशान लग गया है।

नॉर्दर्न सुपर चार्जस की तरफ से मैनचेस्टर ओरिजिनल्स के खिलाफ खेलते हुए तेजी से रन चुराने के प्रयास में 33 वर्षीय स्टोक्स के बाएं पांव की मांसपेशियां खिंच गई और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। वह दो रन बनाकर रिटायर्ड हर्ट हो गए। अभी तक उनकी चोट की गंभीरता का पता नहीं लगा है और उनके सामने जल्द ही पूरी तरह से फिट होने की चुनौती होगी।

स्टोक्स की अगुवाई में इंग्लैंड ने पिछले महीने वेस्टइंडीज को तीन टेस्ट मैच की श्रृंखला में 3-0 से हराया था। श्रीलंका के खिलाफ उसका पहला मैच 21 अगस्त से ओल्ड ट्रैफर्ड में खेला जाएगा। इस श्रृंखला का तीसरा और अंतिम मैच छह सितंबर से ओवल में खेला जाएगा।

सितारों की प्रस्तुतियों के साथ पेरिस में 2024 के ओलंपिक का समापन

सेंट-डेनिस (फ्रांस), एजेंसी। पेरिस में 2024 के ओलंपिक खेलों के समापन के साथ ही रविवार को लॉस एंजिलिस ने 2028 के ओलंपिक की मेजबानी की जिम्मेदारी संभाली और इस मौके पर अभिनेता टॉम क्रूज, ग्रेमी पुरस्कार विजेता बिली एलिश और अन्य हस्तियों ने प्रस्तुतियां दीं।

फ्रांस के नेशनल स्टेडियम में एक धमाकेदार, सितारों से सजे समारोह के साथ ओलंपिक खेलों का समापन हुआ, जिसमें अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के अध्यक्ष थॉमस बाक ने शांति के आह्वान वाला संदेश दिया और उपस्थित लोगों ने उल्लास के साथ जश्न मनाया।

पेरिस की तरह ओलंपिक का आयोजन करना लॉस एंजिलिस के लिए चुनौतीपूर्ण होगा। फ्रांस ने 100 वर्ष में अपनी मेजबानी में आयोजित पहले ओलंपिक खेलों के लिए अपने शहर की अवसंरचना का शानदार उपयोग किया, जिसमें एफिल टॉवर और अन्य प्रतिष्ठित स्मारकों की छाप भी रही।

अब लॉस एंजिलिस शहर ने भी दिखाने की कोशिश की है कि

उसने भी पेरिस की तरह अपनी तैयारी कर ली है।

क्रूज फिल्म 'मिशन इम्पॉसिबल' में अपने काल्पनिक किरदार एथन हंट के अंदाज में उतरे। उन्होंने जमीन पर उतरकर उत्साहित एथलीट से हाथ मिलाया और मशहूर जिमनास्ट सिमोन बाइल्स से ओलंपिक ध्वज लिया। उन्होंने इसे मोटरसाइकिल के पीछे लगाया और स्टेडियम से बाहर निकले।

यह पेरिस ओलंपिक की आखिरी शाम थी, लेकिन इसे भी यादगार बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी गई। बाक ने कहा, ये शुरूआत से अंत तक रोमांचक खेल थे।

अगले साल पद छोड़ने के अपने इरादे की घोषणा करने के बाद, बाक ने युद्ध-ग्रस्त दुनिया में 'शांति की संस्कृति' की अपील की। उन्होंने कहा, हम जानते हैं कि ओलंपिक खेल शांति के हालात नहीं बना सकते, लेकिन ओलंपिक खेल शांति की संस्कृति बना सकते हैं जो दुनिया को प्रेरित करे। बाक ने कहा, आइए, हम हर एक दिन शांति की इस संस्कृति को जिएं।

इसके बाद समारोह में एक और रोमांचक क्षण आया जब क्रूज का पूर्व में रिकॉर्ड किया गया एक दृश्य दिखाया गया। इसमें वह रस्सी के सहारे नीचे उतरने के बाद, अपनी बाइक से एफिल टॉवर की ओर बढ़े। उन्होंने अपनी बाइक को एक विमान पर चढ़ाया और हॉलीवुड हिल्स के ऊपर से छलांग लगाई।

ग्रैमी विजेता फ्रेंच पॉप-रॉक बैंड फीनिक्स की प्रस्तुति भी लोगों को झूमने के लिए मजबूर करने वाली थी।

शो की शुरूआत में, स्टेडियम में उपस्थित भीड़ ने तब तालियां बजाईं, जब फ्रांसीसी तैराक लियोन मार्चैंड सूट और टाई पहनकर शामिल हुए। मार्चैंड ने जिस स्विम सूट को पहनकर चार स्वर्ण जीते थे, लोगों के लिए उन्हें उसके बजाय टाई सूट में देखना शानदार रहा।

समारोह के अंत में उन्होंने मशाल की लौ बुझाई और पेरिस ओलंपिक का औपचारिक समापन हो गया।

इसके बाद बाक ने ऐलान किया, मैं दुनिया के युवाओं से चार साल बाद लॉस एंजिलिस में इकट्ठा होने का आह्वान करता हूं।

तोक्यो में आयोजित 2021 के ओलंपिक को जहां कोविड महामारी ने एक साल पीछे धकेल दिया था, वहीं पेरिस के मैदानों में खिलाड़ियों के साथ 70,000 से अधिक दर्शकों ने खेल का आनंद लिया।

पाकिस्तान सीरीज के लिए बांग्लादेश टेस्ट टीम में तस्कीन अहमद की वापसी

ढाका, एजेंसी। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने रविवार को पाकिस्तान के खिलाफ आगामी दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए 15 खिलाड़ियों की टीम में तस्कीन अहमद को शामिल किया। टेस्ट श्रृंखला 21 अगस्त से रावलपिंडी में शुरू होने वाली है।

तस्कीन, जिन्होंने आखिरी बार जून 2023 में टेस्ट खेला था, ने कंधे की चोट के बाद अपनी रिकवरी को प्राथमिकता देने के लिए लाल गेंद वाले क्रिकेट से ब्रेक लिया था, और हाल ही में लाल गेंद वाले क्रिकेट में खेलना चाहते थे। बीसीबी ने जोर देकर कहा कि वह लंबे समय तक क्रिकेट खेलने में सक्षम हैं।

तेज गेंदबाज के चयन पर राष्ट्रीय चयन पैनल के अध्यक्ष गाजी अशरफ हुसैन ने कहा, हमने पांच तेज गेंदबाजों का चयन किया है, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि तस्कीन अहमद केवल दूसरा टेस्ट खेलेंगे। उन्होंने पिछले साल जून से कोई टेस्ट नहीं खेला है और हमने उन्हें पाकिस्तान ए के खिलाफ दूसरे चार दिवसीय मैच के लिए 'ए' टीम में शामिल करने का फैसला किया है ताकि उन्हें लंबे समय तक चलने वाले मैचों के लिए लय में लाया जा सके।

उन्होंने कहा, इसके अलावा, कुछ तेज गेंदबाज एक दिवसीय मैचों के लिए ए टीम में शामिल हो सकते हैं, इसलिए हमें बैकअप की आवश्यकता थी। हमारे आक्रमण में विविधता है, जिसमें ऐसे गेंदबाज हैं जो तेज गेंदबाजी कर सकते हैं और गेंद को स्विंग भी करा सकते हैं और मैं वास्तव में उन्हें विश्व स्तरीय बल्लेबाजों के खिलाफ प्रदर्शन करते हुए देखने के लिए उत्सुक हूं।

बांग्लादेश ए टीम वर्तमान में पाकिस्तान में एक श्रृंखला खेल रही है जिसमें दो चार दिवसीय खेल और तीन एक दिवसीय मैच शामिल हैं। बांग्लादेश की टीम आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के दो मैचों के लिए 12 अगस्त को पाकिस्तान के लिए रवाना होगी। ये मैच रावलपिंडी और कराची में खेले जाएंगे। पहला टेस्ट 21 अगस्त से शुरू होगा जबकि दूसरा मैच 30 अगस्त से शुरू होगा।

देश में राजनीतिक संकट के कारण निर्धारित समय से पहले यात्रा करने वाली टीम लाहौर में एकत्रित होगी और 14-16 अगस्त तक गद्दाफी स्टेडियम में प्रशिक्षण लेगी। इसके बाद 17 अगस्त को पहले टेस्ट के लिए इस्लामाबाद जाएगी।

दिल्ली प्रीमियर लीग मिनी आईपीएल की तरह होगी : आयुष बडोनी

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) द्वारा 17 अगस्त से 8 सितंबर तक होने वाले दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स के लिए खेलने वाले मार्की खिलाड़ी आयुष बडोनी ने कहा कि यह टूर्नामेंट एक मिनी इंडियन प्रीमियर लीग की तरह होगा। यह लीग नई दिल्ली के श्री अरुण जेटली स्टेडियम में आयोजित की जाएगी। अब तक 62 टी20 मैचों में 977 रन बना चुके बडोनी ने कहा, दिल्ली प्रीमियर लीग खिलाड़ियों को बेहतरीन अनुभव प्रदान करेगी। मेरे लिए यह मिनी आईपीएल की तरह होगा। इस तरह के मैच खेलने से हमेशा आत्मविश्वास बढ़ता है; इससे मुझे और दिल्ली के क्रिकेटरों को बेहतरीन अनुभव मिलेगा। स्टार खिलाड़ियों के खिलाफ खेलने की संभावना पर 24 वर्षीय बल्लेबाज ने कहा, दिल्ली के खिलाड़ी अपने आक्रामक क्रिकेट के लिए जाने जाते हैं। इसलिए, डीपीएल क्रिकेट प्रशंसकों के लिए बहुत प्रतिस्पर्धी और मजेदार होगा। लीग के बारे में जो बात मुझे सबसे ज्यादा उत्साहित करती है, वह है ईशांत शर्मा के खिलाफ खेलना। हम हमेशा यह मजाक करते हैं कि वह मुझे आउट कर देंगे, और मैं उनसे कहता हूं कि मैं उन्हें छक्के मारूंगा, इसलिए उनके खिलाफ खेलना मजेदार होगा।

लीग में छह टीमें - साउथ दिल्ली सुपरस्टार्स, ईस्ट दिल्ली राइडर्स, सेंट्रल दिल्ली किंग्स, नॉर्थ दिल्ली स्ट्राइकर्स, वेस्ट दिल्ली लायंस और पुरानी दिल्ली 6, हिस्सा लेंगी, जिनमें ऋषभ पंत, ईशांत शर्मा, हर्षित राणा, यश ढुल और अन्य जैसे खिलाड़ी शामिल होंगे।

पेरिस ओलंपिक: उम्मीदों पर खरा नहीं उतर पाए भारतीय मुक्केबाज

नई दिल्ली, एजेंसी। निकहत जरीन और लवलीना बोरगोहेन जैसे मौजूदा विश्व चैंपियन खिलाड़ियों के बावजूद भारतीय मुक्केबाज पेरिस ओलंपिक में उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाए और उन्हें बिना पदक के वापस लौटना पड़ा।

विजेंदर सिंह के बीजिंग ओलंपिक 2008 में ऐतिहासिक कांस्य पदक जीतने के बाद भारतीय मुक्केबाजों से ओलंपिक में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद की जाने लगी थी। इसके चार साल बाद एमसी मैरी कॉम ने लंदन ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था। रियो ओलंपिक 2016 में भारतीय मुक्केबाज पदक नहीं जीत पाए लेकिन तोक्यो ओलंपिक में लवलीना कांस्य पदक हासिल करने में सफल रही थी।

इस परिदृश्य में उम्मीद की जा रही थी कि भारतीय मुक्केबाज पदक जीतने का सिलसिला जारी रखेंगे लेकिन उनका

प्रदर्शन निराशाजनक रहा। खेल के जानकारों का मानना था कि क्वालीफाई करने वाले छह मुक्केबाजों से दो नहीं तो कम से कम एक पदक की उम्मीद की जा सकती है।

दो बार की विश्व चैंपियन जरीन (50 किग्रा), लवलीना (75 किग्रा) और विश्व चैंपियनशिप 2023 के कांस्य पदक विजेता निशांत देव (71 किग्रा) सभी को पोडियम पर पहुंचने का मजबूत दावेदार माना जा रहा था। लेकिन जब वास्तविक प्रतिस्पर्धा की बात आई तो भारतीय खिलाड़ियों में आवश्यक गति की कमी नजर आई।

निशांत को अपवाद माना जा सकता है क्योंकि क्वार्टर फाइनल में विवादास्पद परिणाम के कारण वह पदक से वंचित हो गए। जहां तक जरीन और लवलीना का सवाल है तो वह अपनी मजबूत प्रतिद्वंदियों के सामने संघर्ष करती हुई नजर आई। अमित पंघाल (51 किग्रा) अपनी पिछली फॉर्म को दिखाने में नाकाम रहे।

लवलीना, पंघाल और निशांत को पदक सुरक्षित करने के लिए सिर्फ दो जीत की जरूरत थी। लवलीना और जरीन को हालांकि मुश्किल ड्रॉ मिला था लेकिन वह दोनों मौजूदा विश्व चैंपियन हैं और ऐसे में उनसे इस तरह की चुनौतियों से पार पाने की उम्मीद की जा रही थी लेकिन इन दोनों मुक्केबाजों ने चीन की अपनी प्रतिद्वंदियों के सामने आसानी से घुटने टेक दिए।

जरीन को स्वर्ण पदक का दावेदार माना जा रहा था लेकिन वह दूसरे दौर में ही वू यू से हार गईं। लवलीना को चीन की अपनी चिर प्रतिद्वंद्वी ली कियान से हार का सामना करना पड़ा। इन दोनों मुक्केबाजों के बीच अभी तक खेले गए चार मुकाबलों में से तीन में चीन की खिलाड़ी ने जीत दर्ज की है।

पुरुष वर्ग में पंघाल जाम्बिया के पैट्रिक चिनेम्बा के खिलाफ अपने तेज और आक्रामक खेल का प्रदर्शन नहीं कर पाए। जांबिया का मुक्केबाज भी दूसरे दौर से आगे नहीं बढ़ पाया।

जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा) पिछले ओलंपिक खेलों की रजत पदक विजेता नेस्टी पेटेसियो से हार गईं। प्रीति पवार (54 किग्रा) ने मौजूदा विश्व रजत पदक विजेता येनी मासेर्ला एरियास को कड़ी चुनौती दी लेकिन आखिर में अनुभव की कमी उनके आड़े आई और उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

एक नजर

17वीं अन्तर्जनपदीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता शुरू

फिरोजाबाद, एजेंसी। आगरा जोन में 17 वीं अन्तर्जनपदीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार को पुलिस लाइन स्थित परेड ग्राउण्ड में हुआ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने इसका आरम्भ किया। प्रथम दिन पर जनपद अलीगढ़ एवं जनपद आगरा के मध्य फुटबॉल मैच खेला गया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सौरभ दीक्षित ने बताया कि 17 वीं अन्तर्जनपदीय पुलिस फुटबॉल प्रतियोगिता में आगरा कमिश्नरेट सहित जोन के कुल आठ जनपदों की पुलिस टीम हिस्सा ले रही है। फुटबॉल प्रतियोगिता में आठ जनपदों में से जिस भी जनपद की टीम विजयी होगी,वह यूपी स्टेट लेवल पर मैच खेलने जाएगी। फुटबॉल प्रतियोगित का 14 अगस्त को समापन होगा। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले समस्त खिलाड़ियों एवं निर्णायकों का परिचय प्राप्त करते हुए हाथ मिलाकर शुभकामनाएं दी। इस मौके पर आठ जनपदों की पुलिस टीम द्वारा अपने-अपने टीम कप्तानों सहित पुलिस बैंड के साथ भव्य फ्लैग मार्च करते हुए वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को सलामी दी। इस मौके पर पुलिस अधिकारियों ने प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले समस्त खिलाडियों को खेल भावना से खेलने की शपथ करायी।

ओलंपिक समापन समारोह से पहले एफिल टावर पर चढ़ा व्यक्ति, गिरफ्तार

पेरिस, एजेंसी। ओलंपिक समापन समारोह से पहले एक व्यक्ति को एफिल टॉवर पर चढ़ते हुए देखे जाने के बाद फ्रांसीसी पुलिस ने एफिल टॉवर के आसपास के इलाके को खाली करा लिया। मीडिया रिपोर्टों में यह जानकारी दी गयी। 'मिरर' की रिपोर्ट के अनुसार, एक आदमी बिना किसी हार्नेस के 330 मीटर ऊंचे टॉवर पर चढ़ गया, यह स्पष्ट नहीं है कि उसने अपनी चढ़ाई कहां से शुरू की, लेकिन उसे स्मारक के दूसरे खंड को सजाने वाले ओलंपिक रिंगों के ठीक ऊपर, पहले देखने वाले डेक के ठीक ऊपर देखा गया। मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, यह घटना ओलंपिक प्रतियोगिता के समापन के समय हुई, पेरिस में सुरक्षा सेवाओं और उससे परे अपना ध्यान समापन समारोह पर केंद्रित कर दिया। पुलिस ने दोपहर 3 बजे के आसपास आगंतुकों को एक टावर क्षेत्र से बाहर निकाला, जबकि कुछ समय के लिए बंद किए गए आगंतुकों को 30 मिनट बाद बाहर निकलने की अनुमति दी गई। लोगों ने टावर के किनारे चढ़ रहे एक व्यक्ति की तस्वीरें साझा कीं। सोशल मीडिया पर साझा किए गए एक वीडियो में एक व्यक्ति को टावर पर चढ़ते हुए दिखाया गया है। वीडियो में, एक आदमी को यह कहते हुए सुना जा सकता है, एफिल टॉवर पर एक आदमी चढ़ रहा है; वह अभी-अभी नीली रिंग से गुजरा है, मुझे नहीं लगता कि उसने शर्ट पहनी है यह पागलपन है। उद्घाटन समारोह में सेलीन डायोन को एफिल टॉवर के दृश्य क्षेत्रों में से एक से शहर की सेवा करते हुए दिखाया गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि टॉवर के समापन समारोह का हिस्सा होने की उम्मीद नहीं है, जो सेंट-डेनिस के उत्तरी उपनगर स्टेड डी फ्रांस में रात 9 बजे शुरू होने वाला था।

वजन कम करने की जिम्मेदारी एथलीट और उसके कोच की: आईओए

नई दिल्ली, एजेंसी। रविवार देर रात भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) ने कुश्ती, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी और जूडो जैसे खेलों में वजन कम करने की जिम्मेदारी एथलीटों और उनके कोचों पर डाली है। यह बयान खेल पंचाट न्यायालय में चल रहे मामले की पृष्ठभूमि में आया है, जो विनेश फोगाट की संयुक्त रजत पदक के लिए अपील पर विचार कर रहा है, क्योंकि स्वर्ण पदक मैच की सुबह वजन कम न कर पाने के कारण उन्हें अयोग्य घोषित कर दिया गया था। रविवार को जारी आईओए के बयान में कहा गया, कुश्ती, भारोत्तोलन, मुक्केबाजी और जूडो जैसे खेलों में एथलीटों के वजन प्रबंधन की जिम्मेदारी प्रत्येक एथलीट और उसके कोच की है, न कि आईओए द्वारा नियुक्त मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. दिनशॉ पारदीवाला और उनकी टीम की। बयान में कहा गया, पेरिस 2024 ओलंपिक खेलों में ऐसे खेलों में प्रत्येक भारतीय एथलीट की अपनी सहायता टीम थी। ये सहायता टीमें कई वर्षों से एथलीटों के साथ काम कर रही हैं। बयान में आगे बताया गया कि आईओए ने कुछ महीने पहले एक मेडिकल टीम नियुक्त की थी, जो मुख्य रूप से एथलीटों की प्रतियोगिता के दौरान और बाद में उनकी रिकवरी और चोट प्रबंधन में सहायता करेगी। इस टीम को उन एथलीटों की सहायता के लिए भी बनाया गया था जिनके पास पोषण विशेषज्ञों और फिजियोथेरेपिस्टों की अपनी टीम नहीं थी। बयान में कहा गया, आईओए मेडिकल टीम, खासकर डॉ. पारदीवाला के प्रति निर्देशित घृणा अस्वीकार्य और निंदा के योग्य है। वह (उषा) उम्मीद करती हैं कि आईओए मेडिकल टीम का न्याय करने की जल्दबाजी करने वाले लोग किसी भी निष्कर्ष पर पहुंचने से पहले सभी तथ्यों पर विचार करेंगे। सीएएस 13 अगस्त को विनेश फोगट की अपील पर अपना अंतिम फैसला सुनाएगा।

रुबलेव नेशनल बैंक ओपन के फाइनल में

मॉन्ट्रियल, एजेंसी। रूस के पांचवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव ने बारिश से प्रभावित मैच में माटेओ अर्नाल्डी को सीधे सेटों में हराकर नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश किया। इस साल मैड्रिड और हांगकांग में खिताब जीतने वाले 26 वर्षीय रुबलेव ने अर्नाल्डी को 6-4, 6-2 से हराया। फाइनल में उनका मुकाबला ऑस्ट्रेलिया के एलेक्सी पोपिरिन से होगा। पोपिरिन ने अमेरिका के सेबेस्टियन कोर्डा को 7-6 (0), 6-3 से हराया। इससे पहले रविवार को क्वार्टर फाइनल में पोपिरिन ने चौथी वरीयता प्राप्त ह्यूबर्ट हर्काज को 3-6, 7-6 (5), 7-5 से और कोर्डा ने दूसरी वरीयता प्राप्त अलेक्जेंडर ज्वेरेव को 7-6 (5), 1-6, 6-4 से हराया था।

अमांडा अनिसिमोवा और जेसिका पेगुला फाइनल में

टोरंटो, एजेंसी। अमेरिका की अमांडा अनिसिमोवा ने तीन सेट तक चले कड़े मुकाबले में हवतन आठवीं वरीयता प्राप्त एम्मा नवारो को पराजित करके नेशनल बैंक ओपन टेनिस टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना एक और अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला से होगा। विश्व रैंकिंग में 132वें नंबर की खिलाड़ी अनिसिमोवा ने नवारो को 6-3, 2-6, 6-2 से हराया। मौजूदा चैंपियन और तीसरी वरीयता प्राप्त पेगुला ने एक अन्य सेमीफाइनल में रूस की 14वीं वरीयता प्राप्त डायना श्नाइडर को 6-4, 6-3 से हराया। अनिसिमोवा ने पिछले साल टेनिस से मानसिक स्वास्थ्य ब्रेक लिया था। इस 22 वर्षीय खिलाड़ी ने अभी तक दो डब्ल्यूटीए टूर खिताब जीते हैं।

ग्राहम थोर्प ने अवसाद और चिंता से जूझने के बाद गंवाई जान, पत्नी ने किया खुलासा

लंदन, एजेंसी। इंग्लैंड के पूर्व क्रिकेटर ग्राहम थोर्प पिछले दो वर्षों में अपने खराब स्वास्थ्य के कारण अवसाद और चिंता से जूझ रहे थे जिसके कारण आखिर में उनकी जान चली गई। थोर्प की पत्नी अमांडा ने यह खुलासा किया है। थोर्प का पांच अगस्त को 55 साल की उम्र में निधन हो गया था। उनके निधन की घोषणा इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड ने की थी लेकिन इसका कारण नहीं बताया था। अब उनकी पत्नी ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल एथरटन को दिए एक साक्षात्कार में खुलासा किया है कि उन्होंने निधन से पहले खुद के साथ एक लंबी मानसिक और शारीरिक लड़ाई लड़ी थी।

बिग बॉस ओटीटी 3 की ट्रॉफी न मिलने से आहत हैं रणवीर शौरी

अभिनेता रणवीर शौरी ने विवादित रियलिटी शो बिग बॉस ओटीटी 3 का हिस्सा बनकर खूब सुर्खियां बटोरीं। रणवीर एक दमदार प्रतियोगी बनकर उभरे साथ ही एक वर्ग को तो यह भी उम्मीद थी कि वह विजेता की ट्रॉफी उठाएंगे। हालांकि, उम्मीदें टूट गईं और सना मकबूल ने वोटों की अधिकता के आधार पर ट्रॉफी अपने नाम की। रैपर नैजी फर्स्ट रनरअप बने। वहीं, रणवीर शौरी सेकंड रनरअप रहे। अब शो खत्म होने के बाद रणवीर शौरी ने चौंकाने वाला खुलासा किया है।

अभिनेता शो के निर्माताओं पर ही सवाल खड़े करते नजर आए हैं। एक हालिया इंटरव्यू में रणवीर शौरी ने कहा कि बिग बॉस ओटीटी 3 के निर्माताओं का सना मकबूल के लिए सॉफ्ट कॉर्नर था। उन्होंने यह भी कहा कि अरमान मलिक या वह शो जीतने के अधिक हकदार थे। रणवीर शौरी ने कहा, मुझे नहीं लगता कि उन्होंने (सना मकबूल) घर में कुछ भी सकारात्मक किया है। आगे बढ़ने और मैं स्वार्थी हूं, मैं जीतना चाहती हूं का जाप करने या यह मानने के अलावा कि शो इस बारे में है कि आप कितनी बुरी बातें कर सकते हैं और इसे दृढ़ संकल्प कहते हैं। रणवीर शौरी ने आगे कहा, मुझे नहीं लगता कि उन्होंने कोई सकारात्मक प्रभाव डाला है घर में या घर के सदस्यों पर। मैं उन्हें सबसे योग्य उम्मीदवार नहीं मानता। लेकिन फिर भी, मुझे लगता है कि बिग बॉस के मन में उनके लिए कहीं न कहीं सॉफ्ट कॉर्नर था। मुझे लगता है कि उन्हें वोट मिले। इसका सम्मान किये जाने की जरूरत है। उन्हें बधाई... अरमान विजेता हो सकते थे। मैं विजेता हो सकता था। यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें कभी सना के लिए अपने शब्दों पर पछतावा हुआ, रणवीर ने कहा, उन्होंने कुछ कठोर बातें कही और उन्हें उसका करारा जवाब मिला। बिग बॉस ओटीटी 3 के अंतिम एपिसोड में, रणवीर और सना के बीच प्रतिद्वंद्विता और भी बढ़ गई।

प्रशंसकों के प्यार से अभिभूत हैं सना मकबूल

'बिग बॉस ओटीटी 3' की ट्रॉफी जीतने के बाद अभिनेत्री सना मकबूल ने अपना पहला इंस्टाग्राम पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में उन्होंने अपने प्रशंसकों का धन्यवाद किया। अभिनेत्री ने अपनी जीत का श्रेय प्रशंसकों को देते हुए कहा कि यह एक सामूहिक जीत है। वह उनके द्वारा मिले प्यार से अभिभूत हैं। उन्होंने प्रशंसकों से कहा कि वह इसी तरह अपना प्यार और स्नेह उन पर बनाए रखें।

वीडियो पोस्ट साझा कर जताया आभार

सना ने अपने वीडियो पोस्ट में प्रशंसकों का आभार जताते हुए कहा, 'मैं आप सभी का धन्यवाद करना चाहती हूं। यह हम सबकी जीत है। मुझे आप सब ने ढेर सारा प्यार दिया और मैं चाहती हूं आप इसी तरह ढेर सारा प्यार मुझे देते रहें। ऐसे ही प्यार करें और ऐसे ही सपोर्ट करें। धन्यवाद!'

कैप्शन में लिखा भावनात्मक नोट

सना ने वीडियो संदेश के कैप्शन में लिखा, 'बिग बॉस ओटीटी 3' के सफर के दौरान मुझे प्यार मिला, उसके लिए मैं आभारी हूं। यह आपका अटूट समर्थन है जिसने ट्रॉफी को घर तक लाया है। कोई फर्क नहीं पड़ता कि मैंने कितनी नकारात्मकता का सामना किया, आपके प्यार ने सब कुछ खत्म कर दिया। यह वही है जो मैंने वास्तव में पाया है। मेरे दिल की गहराई से आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

प्रभास के साथ स्पिरिट में अभिनय करेंगी तृषा

साउथ सुपरस्टार प्रभास इन दिनों अपनी फिल्म कल्कि 2898 एडी की सफलता का जश्न मना रहे हैं। इसके साथ ही उनके पास खाते में और भी कई दिलचस्प फिल्में हैं। उनमें से एक उनकी फिल्म निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा के साथ है, जिसका नाम स्पिरिट है। यह फिल्म जनवरी, 2025 से फ्लोर पर आने के लिए तैयार है। वहीं अब बीच फिल्म में मुख्य नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री को कास्ट करने को लेकर नई दिलचस्प जानकारी सामने आई है। खबर है कि फिल्म में निर्माता प्रभास के विपरीत नायिका के लिए साउथ अभिनेत्री तृषा को कास्ट करने के बारे में बातचीत कर रहे हैं। निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा, जिन्होंने एनिमल और अर्जुन रेड्डी जैसी धमाकेदार फिल्में बनाई हैं, अब वे अभिनेता प्रभास के साथ स्पिरिट नाम की फिल्म में काम करेंगे। अब, इस प्रोजेक्ट के बारे में ताजा खबर यह है कि अभिनेत्री तृषा एक बार फिर प्रभास के साथ इस फिल्म में काम करेंगी। इससे पहले तृषा ने वर्षम और पूर्णिमा जैसी फिल्मों में प्रभास के साथ काम किया है। ऐसे में अब वे एक बार फिर आगामी फिल्म में प्रभास के साथ अभिनय करेंगी। हालांकि, इस बारे में अभी तक कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। रिपोर्ट्स के अनुसार, एक्शन थ्रिलर कही जाने वाली इस फिल्म में प्रभास मुख्य भूमिका में और खलनायक दोनों की भूमिका में नजर आएंगे। अगर ये खबरें सच हुईं तो यह पहली बार होगा जब प्रभास अपने करियर में नकारात्मक भूमिका निभाएंगे। 300 करोड़ रुपये से अधिक के बजट के साथ बड़े पैमाने पर बनी इस फिल्म की शूटिंग दो साल से अधिक समय तक चलेगी। फिल्म की रिलीज की तारीख अभी घोषित नहीं की गई है। इससे पहले फिल्म के बारे में बात करते हुए निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा ने कहा था, हां, स्पिरिट अर्जुन रेड्डी और एनिमल दोनों से बड़ी होने वाली है। निर्माता 300 करोड़ रुपये लगाने जा रहे हैं। मैं हमेशा इस बात पर गौर करता हूं कि निर्माता उस पैसे को कैसे वसूल करेगा।

आयुष्मान खुराना ने छोड़ी मेघना गुलजार की फिल्म दायरा

आयुष्मान खुराना ने अपने 12 साल के लंबे करियर में इंडस्ट्री को कई बेहतरीन फिल्में दी हैं। वहीं, बीते दिन आई रिपोर्ट ने प्रशंसकों के उत्साह को और ज्यादा बढ़ा दिया था। रिपोर्ट थी कि वह अब मशहूर निर्देशक मेघना गुलजार की फिल्म दायरा में काम करने जा रहे हैं। इतना ही नहीं इस फिल्म में करीना कपूर खान के होने की भी जानकारी है। हालांकि, अब नई रिपोर्ट ने प्रशंसकों का दिल तोड़ दिया है। रिपोर्ट की मानें तो आयुष्मान खुराना ने फिल्म से अपने हाथ पीछे खींच लिए हैं। साथ ही इसके पीछे का कारण भी चौंकाने वाला है। जानकारी के अनुसार, आयुष्मान खुराना जो पहले फिल्म निर्माता मेघना गुलजार की शक्तिशाली ड्रामा में करीना कपूर खान के साथ अभिनय करने के लिए तैयार थे उन्होंने अब शेड्यूलिंग संघर्ष के कारण फिल्म से नाम वापस ले लिया है। कथित तौर पर फिल्म का नाम दायरा है, जो 2019 के हैदराबाद बलात्कार और हत्या मामले पर आधारित है। अगर खुराना इस फिल्म में अभिनय करने के लिए तैयार होते तो यह करीना कपूर खान और मेघना गुलजार दोनों के साथ उनका पहला जुड़ाव होता। इस साल दो प्रमुख फिल्मों के लिए आयुष्मान खुराना की प्रतिबद्धताओं ने उनके लिए गुलजार की फिल्म को अपने शेड्यूल में फिट करना असंभव बना दिया है। रिपोर्ट की मानें तो, मेघना गुलजार साल के अंत तक अपना प्रोजेक्ट शुरू करने का इरादा रखती हैं, यह समयरेखा खुराना की योजनाओं के साथ सटीक नहीं बैठती है। हालांकि, इन खबरों की अभी आधिकारिक पुष्टि नहीं हो सकी है। एक अन्य रिपोर्ट के अनुसार, नवंबर में आयुष्मान खुराना का एक संगीत दौरा निर्धारित है। जिसके दौरान वह कई प्रमुख अमेरिकी शहरों में प्रदर्शन करेंगे। अपने संगीत दौरे के अलावा, खुराना ने दो फिल्मों के लिए भी प्रतिबद्धता जताई है।

नेगेटिव रोल कई चीजों को एक्सप्लोर करने का देता है मौका

टीवी एक्ट्रेस एकता तिवारी इन दिनों टीवी शो गुड़िया रानी में नजर आ रही हैं। इसमें वह फूल का नेगेटिव किरदार निभा रही हैं। अपने रोल को लेकर एक्ट्रेस का मानना है कि इस तरह के किरदार से एक्टर को यूनिक चीजें एक्सप्लोर करने का मौका मिलता है, जो एक्सपीरियंस को आगे बढ़ाती हैं। एकता ने बताया कि यह रोल उनके द्वारा निभाए गए अन्य किरदारों से कितनी अलग है। एक्ट्रेस ने कहा, किसी भी प्लेटफॉर्म या प्रोजेक्ट पर पॉजिटिव या नेगेटिव किरदार निभाना एक जिम्मेदारी है, और मुझे लगता है कि एक एक्टर आसानी से उनके बीच स्विच कर सकता है। हालांकि, लीड हीरो के किरदार को निभाने में कुछ सीमाएं होती हैं। ऐसे किरदारों को जिम्मेदार, नैतिक और विचारशील दिखना होता है। एक राइटर, डायरेक्टर और एक्टर के नजरिए से, पॉजिटिव रोल की कई सीमाएं हैं। एकता ने आगे कहा, नेगेटिव रोल, भले ही वे हिंसक न हो, लेकिन एक एक्टर के तौर पर कई चीजें एक्सप्लोर करने का मौका देता है। पहली बार, मैं गुड़िया रानी में एक नेगेटिव किरदार निभा रही हूं। एक्ट्रेस ने आगे कहा, मेरा रोल काफी कलरफुल है। यह केवल सिर्फ एन्जॉय करने के बारे में नहीं है, यह इससे भी कहीं आगे है। नेगेटिव किरदारों के लिए अक्सर इंटेंस और शार्प परफॉर्मेंस की जरूरत होती है। जब उनसे पूछा गया कि क्या उन्हें टाइपकास्ट होने का डर है, तो एकता ने अपने जवाब में कहा, टाइपकास्ट होने का कोई डर नहीं है, मजा अलग-अलग एक्सपीरियंस लेने में है। हां, हमारे इंडस्ट्री में सभी कलाकारों को टाइपकास्ट करने का चलन है, जिसे तोड़ा जाना चाहिए। चाहे मैं कितना भी नेगेटिव किरदार निभाऊं, मुझे नहीं लगता कि मैं टाइपकास्ट हो जाऊंगी। मेरे किरदार की इमोशनल जर्नी है, जिसके चलते शो में उसके काम और रिएक्शन होते हैं। गुड़िया रानी जल्द ही दंगल टीवी पर प्रसारित होगा।

चिरंजीवी की आगामी फिल्म विश्वंभर पर आई नई जानकारी

मेगास्टार चिरंजीवी साउथ सिनेमा का बड़ा नाम हैं। वह तेलुगु के अलावा हिंदी फिल्मों में भी नजर आते हैं। उन्होंने चार दशक से भी ज्यादा समय से दर्शकों का लगातार मनोरंजन किया है। अब एक बार फिर वह दर्शकों का दिल जीतने वापस आ रहे हैं। इन दिनों वह अपनी आगामी फिल्म 'विश्वंभर' को लेकर चर्चा में हैं। फिल्म के निर्माताओं ने उनके फैंस के साथ एक नई जानकारी साझा की है।

'विश्वंभर' में चिरंजीवी और तृषा कृष्णन नजर आने वाले हैं। तृषा इन दिनों अपनी हालिया रिलीज सीरीज बृंदा की सफलता का आनंद ले रही हैं। तृषा की ये आगामी फिल्म विश्वंभर एक सामाजिक-काल्पनिक थ्रिलर होने वाली है, जो अब निर्माण प्रकिया की ओर आगे बढ़ रही है। फिल्म का निर्देशन वशिष्ठ मल्लिदी कर रह हैं, जिन्हें बिम्बिसार के लिए काफी सराहना मिल चुकी है। अब इस फिल्म के लिए मशहूर फाइट कोरियोग्राफर को साथ जोड़ा गया है।

मशहूर फाइट कोरियोग्राफर अरासु फिल्म से जुड़े

रविवार को फिल्म के निर्माताओं एक रोमांचक अपडेट साझा की है। उनके द्वारा घोषणा किया गया है कि फिल्म के लिए मशहूर फाइट कोरियोग्राफर एएनएल अरासु को जोड़ा गया है। इस फिल्म के साथ ही अरासु जूनियर एनटीआर की 'देवरा' और ऋतिक रोशन की 'वॉर 2' जैसी बड़ी फिल्मों पर भी काम कर रहे हैं। उन्हें 'विश्वंभर' की टीम ने क्लाइमेक्स एक्शन सीक्वेंस डिजाइन करने के लिए बुलाया है। टीम की तरफ से सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर ये जानकारी दी गई है।

अगले साल जनवरी में रिलीज होगी फिल्म

बता दें कि यूवी क्रिएशंस द्वारा बड़े पैमाने पर इस फिल्म को बनाया जा रहा है। 'विश्वंभर' में मेगास्टार चिरंजीवी और तृषा के अलावा आशिका रंगनाथ, राम्या पसुपलेटी, ईशा चावला, आश्रिता वेमुगंती नंदूरी और कुणाल कपूर सहित कई प्रभावशाली कलाकार काम कर रहे हैं। फिल्म में ऑस्कर विजेता एमएम कीरवानी संगीत दे रहे हैं। ये फिल्म 10 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

खेती करना चाहती हैं मृणाल, जमीन के लिए बचा रहीं पैसे

मृणाल ठाकुर हिंदी फिल्म इंडस्ट्री के साथ दक्षिण भारत में भी काफी ज्यादा मशहूर हैं। मृणाल ने एक बातचीत में खुलासा किया है कि वह खेती करना चाहती हैं। उनके मुताबिक वह एक्टिंग के साथ खेती भी करना चाहती हैं। उन्होंने बताया कि इसके लिए वह जमीन लेने की तैयारी भी कर रही है।

अभिनेत्री ने कहा कि मैं एक जमीन खरीदना चाहती हूं, जिस पर मैं खेती कर सकूं और उस जमीन पर उगी हुई चीजें खा सकूं। अभिनेत्री ने बताया कि इस काम के लिए वह पैसे भी बचा रही हैं।